राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 12
अंक : 91
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
शनिवार 15 अक्टूबर 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट | पेज 3 गोपाल इटालिया को पार्टी से बर्खास्त करने के लिए आप कार्यालय के बाहर किया गया प्रचंड विरोध प्रदर्शन | पेज 5 ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में यूपी के छात्र को 11 बार चाकू से गोदा, हालत गंभीर; हमलावर गिरफ्तार | पेज 7 आतंकवाद के अपने ही जाल में फंसा पाकिस्तान, सड़कों पर उतरी परेशान जनता हथियार उठाने को तैयार

दिल्ली शराब घोटाले में ईडी की 25 ठिकानों पर छापेमारी

अब तक तीन की गिरफ्तारी, डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया पर भी आरोप

उप राज्यपाल ने सिसोदिया के खिलाफ सीबीआई जांच की मांग की थी

22 जुलाई को नई शराब नीति को लेकर दिल्ली के उप-राज्यपाल वीके सक्सेना ने मनीष सिसोदिया के खिलाफ सीबीआई जांच की मांग की थी। सक्सेना ने केजरीवाल सरकार के मंत्री सिसोदिया पर नियमों को नजरअंदाज कर भ्रष्टाचार करने के आरोप लगाए थे। वहीं भाजपा ने केजरीवाल सरकार पर नए टेंडर के बाद गलत तरीके से शराब ठेकेदारों के 144 करोड़ माफ करने के आरोप लगाए थे।

नई दिल्ली। दिल्ली शराब घोटाला केस में ईडी ने शुक्रवार को दिल्ली में 25 जगह छापेमारी की। इस दौरान एजेंसी ने राजधानी के कई शराब कारोबारियों के आवासों सहित कई ठिकानों पर तलाशी ली। पहले भी ईडी और सीबीआई ने इस केस में 100 से अधिक ठिकानों पर छापेमारी कर चुकी है। पहले एजेंसी ने कुछ नेताओं, पूर्व नौकरशाह और कारोबारियों के घर तलाशी ली थी।

7 अक्टूबर को दिल्ली, पंजाब और हैदराबाद में 35 ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय ने छापा मारा था। वहीं, 16 सितंबर को ईडी ने भी इस मामले में दिल्ली-एनसीआर, बेंगलुरु, हैदराबाद, नेल्लोर और चेन्नई समेत देशभर में 40 ठिकानों पर छापेमारी की थी। तब सिर्फ हैदराबाद में ही 25 ठिकानों पर छापेमारी हुई थी।

जांच एजेंसियों ने अब तक केस में तीन आरोपियों विजय नायर, समीर महेंद्रू और अभिषेक बोइनपल्ली को गिरफ्तार किया है। इस मामले में दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया पर भी आरोप हैं। दरसअल, सीबीआई ने मनीष सिसोदिया समेत 15 लोगों के खिलाफ छापे से दो दिन पहले, यानी 17 अगस्त को ही एफआईआर दर्ज कर ली थी। इसमें दावा किया गया था कि एक शराब कारोबारी ने मनीष सिसोदिया के नजदीकी को एक करोड़ रुपए दिए थे।

1 अगस्त से लागू की गई थी शराब नीति

डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने 1 अगस्त 2022 को ऐलान किया था कि पुरानी शराब नीति लागू होगी। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा- केंद्र सरकार ने इस पॉलिसी में सीबीआई की एंट्री करा दी, जिससे कोई भी ठेका लेने के लिए तैयार नहीं है। इसलिए हम नई व्यवस्था लागू नहीं करेंगे।

डिप्टी सीएम ने कहा था कि नई एक्साइज पॉलिसी से भाजपा का भ्रष्टाचार खत्म हो जाता और साल में 9,500 करोड़ का राजस्व आता। वर्तमान में दिल्ली में 468 शराब दुकानें चल रही हैं। भाजपा का मकसद है कि दिल्ली में अवैध शराब बिके।

इस नई शराब नीति के तहत दिल्ली सरकार ने ये 5 प्रमुख फैसले लिए

पूरी दिल्ली को 32 जोन में बांटकर हर जोन में 27 लिकर वेंडर रखने की बात कही गई।

इसमें फैसला किया गया कि दिल्ली सरकार अब शराब बेचने का काम नहीं करेगी।

अब दिल्ली में शराब बेचने के लिए सिर्फ प्राइवेट दुकानें होंगी।

हर वार्ड में 2 से 3 वेंडर को शराब बेचने की अनुमति दी जाएगी।

शराब दुकानों के लिए लाइसेंस देने की प्रोसेस को आसान और फ्लेक्सिबल बनाया जाएगा।

शराब घोटाले में सीबीआई ने पीएमएलए के तहत 2 धाराएं लगाई गई थीं

19 अगस्त को शराब घोटाले में सीबीआई ने दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया के घर समेत दूसरे ठिकानों पर छापेमारी की थी। मनीष सिसोदिया पर जिन 3 धाराओं में केस दर्ज है, उनमें 2 धाराएं प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत आती हैं। सीबीआई की एफआईआर के मुताबिक मनीष सिसोदिया के खिलाफ आईपीसी की धारा 120बी, 477 ए और प्रिवेंशन ऑफ करप्शन की धारा 7 के तहत केस दर्ज हुआ है।

दिल्ली में 3 नाबालिगों की डूबने से मौत : गड्ढे में नहाने उतरे थे 7 दोस्त

तेज बहाव के कारण डूबे; तीनों के शव बरामद

नई दिल्ली। दिल्ली में तीन नाबालिगों की डूबकर मौत हो गई। सभी बच्चे गड्ढे में नहाने के लिए उतरे थे। बहाव के कारण तीनों डूब गए। पुलिस ने बताया कि तीनों के शव मिल गए हैं। परिवार वालों को सूचना दे दी गई है।

घटना साउथईस्ट दिल्ली के पुल प्रहलाद पुर इलाके में गुरुवार की दोपहर की है, जब 7 दोस्त नहाने के लिए पानी से भरे गड्ढे में कूद गए। मृतकों की पहचान 16 साल के ऋषभ, 13 साल के पीयूष, और 16 साल के पीयूष के तौर पर हुई है। सभी खानपुर इलाके के रहने वाले थे।

डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (साउथईस्ट) ईशा पांडे ने कहा कि घटना की सूचना मिलते ही टीम तुरंत मौके पर पहुंची। यहां उनकी मुलाकात 16 साल के एक लड़के लकी से हुई। लकी ने बताया कि उसके दोस्त यहां नहाने के लिए आए थे। जब सभी पानी में थे, तब तेज बहाव के कारण उसके तीन दोस्त अचानक डूबने लगे। उन्हें बचाने की कोशिश की गई, लेकिन सफल नहीं हो पाए और थोड़ी देर के बाद वो तीनों डूब गए।

पुलिस ने बताया कि गड्ढे में डूबे बच्चों की तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन चला गया।

करीब 30 मिनट तक काफी जांच-पड़ताल के बाद तीनों नाबालिगों को बाहर निकाला गया। बच्चों को एंबुलेंस के जरिए अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टर्स ने सभी तीनों को मृत घोषित कर दिया गया। परिवार वालों को सूचना दे दी गई है।

सुप्रीम कोर्ट से केंद्र ने कहा, 'चुनावी बांड' काला धन नहीं

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने चुनावी बॉन्ड योजना को राजनीतिक दलों को चंदा देने का पारदर्शी तरीका बताते हुए शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय के समक्ष कहा कि इसमें काले धन की कोई संभावना नहीं है। न्यायमूर्ति बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति बी वी नागरथ्ना की पीठ के समक्ष एनजीओ एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) और अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार का पक्ष रख रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि चुनावी बॉन्ड राजनीति दलों के चंदे के लिए धन प्राप्त करने की बिल्कुल पारदर्शी पद्धति है। मेहता ने पीठ के समक्ष कहा, अब कुछ भी काला नहीं है, बल्कि सब कुछ पारदर्शी है। इस पर पीठ ने सॉलीसीटर जनरल से पूछा कि क्या सिस्टम ने जानकारी दी है कि पैसा कहां से आ रहा है। मेहता ने जवाब दिया, बिल्कुल। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने एक याचिकाकर्ता का पक्ष रखते हुए इस मामले को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि इसकी सुनवाई एक बड़ी पीठ कर सकती है।

हिमाचल में 12 नवंबर को मतदान

विस चुनाव में नॉमिनेशन से पोलिंग तक सबकुछ 26 दिन में, गुजरात के कारण काउंटिंग 26 दिन बाद

शिमला। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव का ऐलान कर दिया। दिल्ली में केंद्रीय चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने ने बताया कि हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव से जुड़ी नोटिफिकेशन 17 अक्टूबर को जारी होगी।

CEC के अनुसार, 17 अक्टूबर से 25 अक्टूबर तक नॉमिनेशन दाखिल किए जा सकेंगे। 27 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की छंटनी होगी और 29 अक्टूबर तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। राज्य की सभी 68 विधानसभा सीटों पर 12 नवंबर को एक साथ पोलिंग होगी। पोलिंग के 26 दिन बाद, काउंटिंग 8 दिसंबर को होगी। चुनाव से जुड़ी प्रक्रिया 10 दिसंबर को पूरी हो जाएगी।

हिमाचल में इस बार नामांकन शुरू होने से लेकर पोलिंग तक की प्रक्रिया 26 दिन में पूरी हो जाएगी मगर उसके बाद काउंटिंग के लिए 26 दिन का ही इंतजार करना पड़ेगा। दरअसल इलेक्शन कमीशन अगले कुछ दिनों में गुजरात में विधानसभा चुनाव की घोषणा कर सकता है। वहां 8 दिसंबर से पहले पोलिंग करवा ली जाएगी और उसके बाद हिमाचल और गुजरात की काउंटिंग एक साथ होगी। वर्ष 2017 में ऐसा ही हुआ था।

उम्मीदवारों को खुद पर दर्ज केसों की जानकारी देनी होगी

CEC ने कहा कि आयोग ने चुनाव तारीखों के ऐलान से पहले राज्य के अधिकारियों से लंबी चर्चा की।

अभी कोरोना काबू में है, मगर इलेक्शन कमीशन ने सलाह दी है कि इस बारे में हेल्थ महकमे की ओर से समय समय पर जारी निर्देशों का पालन किया जाए।

राजीव कुमार ने कहा कि उम्मीदवारों को खुद पर दर्ज सभी तरह के मामलों और उनके करंट स्टेटस की जानकारी देनी होगी।

हर पोलिंग बूथ पर दिव्यांगों के लिए रैंप होंगे। हर पोलिंग बूथ ग्राउंड फ्लोर पर बनाया जाएगा ताकि वोटरों को दिक्कत न हो। कई पोलिंग बूथों पर सिर्फ महिला स्टाफ ही तैनात होगा। इसमें पोलिंग स्टाफ से लेकर सुरक्षाकर्मी तक महिलाएं ही तैनात की जाएगी। हर विधानसभा क्षेत्र में ऐसा कम से कम एक बूथ बनाया जाएगा।

चुनाव आयोग ने वोटर हेल्पलाइन ऐप जारी की है। वोटर चुनाव संबंधी कोई भी जानकारी इस ऐप से ले सकेंगे।

कोविड-19 : देश में कोरोना से स्वस्थ लोगों की संख्या में हुई वृद्धि

नयी दिल्ली। देश में पिछले 24 घंटे में कोविड-19 संक्रमण से निजात पाने वाले लोगों की संख्या 2594 है, जिससे अब कोरोना से स्वस्थ होने वालों की कुल संख्या बढ़कर 44068557 हो गयी है और स्वस्थ दर 98.76 प्रतिशत है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि सुबह सात बजे तक 219.21 करोड़ टीके लगाए गए। देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी के 2678 नये मामले सामने आए हैं और इसी अवधि में सक्रिय मरीजों की संख्या 74 बढ़कर 26583 हो गई है। मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटे में कोरोना महामारी से सात मरीजों की मौत हुई है जिसके बाद मृतकों की संख्या 528857 तक पहुंच गयी है। सक्रिय दर 0.06 प्रतिशत है और मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत है।

उन्होंने बताया कि इसी अवधि में 19 राज्यों और एक केन्द्र शासित प्रदेश में कोराना वायरस महामारी के मामलों में वृद्धि हुई है और इसी अवधि में अन्य राज्यों तथा प्रदेशों में कोरोना के मामले में गिरावट आई है। पिछले 24 घंटे में केरल में भी 143 सक्रिय मामले घटने से संक्रमितों की संख्या घटकर 4773 रह गई है। इस महामारी से निजात पाने वालों की कुल संख्या 6739602 तक पहुंच गयी है। इसी अवधि में मृतकों का आंकड़ा 71281 पर बरकरार है जबकि महाराष्ट्र में कोरोना के 150 संक्रमित मामले बढ़ने के बाद सक्रिय मामले बढ़कर 2605 हो गए हैं और इस बीमारी से निजात पाने वालों की संख्या 7975348 हो गयी है और इस दौरान एक मरीज की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 148367 हो गया है।

राहुल ने पानी की टंकी पर चढ़कर फहराया तिरंगा

कर्नाटक में बोले- कन्नड़ भाषा का सम्मान हो; अबतक की 925 किमी की यात्रा

बेंगलुरु। कर्नाटक में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने पानी की टंकी पर चढ़कर देश का तिरंगा फहराया। इस दौरान उनके साथ पूर्व सीएम सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार भी मौजूद थे। राहुल ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि कन्नड़ भाषा का सम्मान होना चाहिए।

भारत जोड़ो यात्रा 7 सितंबर को कन्याकुमारी से शुरू हुई थी। अब यह कर्नाटक के चित्रदुर्ग जिले में पहुंच गई है। गुरुवार को इसका 36वां दिन था। राहुल 12 राज्यों की यात्रा करते हुए कश्मीर जाएंगे। अब तक उन्होंने 925 किमी की यात्रा तय की है।

पार्टी का बैनर देखते ही राहुल टंकी में चढ़े

राहुल गांधी चित्रदुर्ग में एक जगह से गुजर रहे थे, तभी उन्हें पानी की टंकी में पार्टी का बैनर और झंडा दिखा। वे पानी की टंकी पर चढ़ने लगे। इसके बाद कई कार्यकर्ता भी उनके पीछे-पीछे आ गए। राहुल ने टंकी पर चढ़कर देश का

तिरंगा फहराया और कुछ मिनट बाद उतर आए।

कन्नड़ को लेकर उठे विवाद के बीच राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा और आरएसएस को लगता है कि वे कर्नाटक के इतिहास पर हमला कर सकते हैं। लेकिन अगर कोई भी ऐसा करता है तो उन्हें कांग्रेस पार्टी की पूरी ताकत का सामना करना होगा।

राहुल ने आगे कहा कि भाजपा कन्नड़ को सेकेंडरी लैंग्वेज समझती है। इसका सम्मान नहीं करना चाहती, लेकिन कांग्रेस के लिए ये भाषा भी प्राइमरी है। अगर कर्नाटक के लोग कन्नड़ बोलना चाहते हैं, केरल के लोग मलयालम और तमिलनाडु के लोग तमिल बोलना चाहते हैं तो उन्हें इसकी फ्रीडम होनी चाहिए।

3570 किमी की भारत जोड़ो यात्रा

तमिलनाडु के कन्याकुमारी से शुरू हुई भारत जोड़ो यात्रा इन दिनों कर्नाटक में है। यहां से यात्रा तेलंगाना, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान, यूपी, दिल्ली, हरियाणा और पंजाब होते हुए केंद्र शासित प्रदेश कश्मीर तक जाएगी। राहुल की यह यात्रा करीब 3570 किमी की है।

गेहूं-चावल का स्टॉक घटा, 5 साल के सबसे निचले स्तर पर पहुंचा

नई दिल्ली। देश के सरकारी गोदामों में अनाज का स्टॉक इस वक्त पिछले पांच सालों के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। 800 मिलियन की आबादी को सब्सिडी पर अनाज देने वाली सरकारी मशीनरी पर अब आने वाले दिनों में काफी दबाव बढ़ने वाला है। किसानों ने अभी तक गेहूं की बुवाई नहीं की है और अगली फसल 15 मार्च के बाद ही बाजारों में आने की उम्मीद है। रोजमर्रा की चीजों, सब्जियों समेत अन्य सामानों की कीमतें आसमान छू रही हैं। एफसीआई के आंकड़े बताते हैं इस मौसम ने सर्दियों में बोई गई गेहूं और चावल की फसल दोनों को खराब कर दिया है, जिससे कीमतें 22 महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई हैं। भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) ने गुरुवार को डेटा जारी करते हुए कहा कि 1 अक्टूबर तक अनाज का कुल स्टॉक 51.14 मिलियन टन रहा। जबकि, पिछले साल यह 800 टन से ज्यादा था। जिसमें गेहूं का स्टॉक 227.5 लाख टन है। वहीं, दूसरी ओर बफर स्टॉक और चावल भंडारण में थोड़ी वृद्धि हुई है। 205.2 लाख टन के साथ बफर स्टॉक में 66 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसी तरह चावल का स्टॉक आवश्यक स्तर से लगभग 2.8 गुना अधिक है। एफसीआई का मानना है कि चार साल पहले की तुलना में सरकारी गोदामों में इससे ज्यादा अनाज उपलब्ध रहता था। इस बार नाकाफी है।

14 साल के निचले स्तर पर गेहूं का स्टॉक

चावल का स्टॉक घरेलू आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त है, लेकिन गेहूं का स्टॉक 14 साल के निचले स्तर पर आ गया है। दरअसल, सरकार किसानों से अपने लक्ष्य का लगभग आधा ही गेहूं खरीद सकी है।

आखिर भाजपा शासित राज्यों में ही क्यों होते हैं पेपर लीक : कांग्रेस

जहां-जहां भाजपा की सरकारे हैं वहां एक के बाद एक पेपर लीक हो रहे हैं

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने पेपरलीक मामले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को कटघरे में खड़ा करते हुए शुक्रवार को कहा कि उसके शासन वाले गुजरात में पेपर लीक के 22 मामले सामने आ चुके हैं लेकिन इन अपराधों में शामिल लोगों को सख्त सजा देने की बजाय भाजपा गौरव यात्रा निकाली जा रही है। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आज गुजरात में कॉलेजों और सरकारी नौकरियों सहित स्कूलों के भी पेपर लीक हो रहे हैं और परीक्षाएं टल रही है। आखिर भाजपा गुजरात में किस बात की गौरव यात्रा निकाल रही है। उन्होंने सवाल किया कि क्या कारण है कि जहां-जहां भाजपा की सरकारे हैं वहां एक के बाद एक पेपर लीक हो रहे हैं। सवाल यह भी है कि क्या नौजवानों को भाजपा सरकार गंभीरता से नहीं लेती।

गुजरात में भापजा 27 साल से सरकार में है और पेपर लीक के लिए जिम्मेदार किसी और को ही ठहराएंगे। भाजपा सरकार नौजवानों का भविष्य तबाह कर रही है। जिस गुजरात में 22 मामले पेपर लीक के सामने आ चुके हैं और लगातार ऐसी घटनाएं हो रही हैं भाजपा उस पर खामोश है और वहां गौरव यात्रा निकाल रही है। उन्होंने भाजपा को अखिल भारतीय पेपर लीक-भर्ती घोटाला पार्टी करार दिया और कहा कि कमाल की बात यह है कि गुजरात में रोज़ गुल खिला रहे हैं, युवाओं के भविष्य को बेच रहे हैं और फिर भी गौरव यात्रा निकाल रहे है।

स्कूल लेट आने की सजा

गुजरात के ऊना में 10वीं के स्टूडेंट से लगवाईं 200 उठक-बैठक, किडनी में आई सूजन

गिर-सोमनाथ। गुजरात में गिर-सोमनाथ जिले के ऊना शहर से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां सरकारी स्कूल में टीचर ने देरी से स्कूल आने पर 10वीं के एक स्टूडेंट को 200 उठक-बैठक की सजा दे दी। इसके चलते अगले दिन उसकी हालत बिगड़ गई और अब वह अस्पताल में भर्ती है।

प्रार्थना सभा में देर से पहुंचा था

शहर में चाय-नाश्ते का ठेला लगाने वाले महेशगिरी गोस्वामी के बेटा करण ग्रांटेड स्कूल में कक्षा 10वीं का स्टूडेंट है। करण बुधवार को स्कूल की प्रार्थना सभा में देर से पहुंचा था। इसके चलते

उसे 200 उठक-बैठक लगाने की सजा दी गई। अगले दिन अचानक करण की तबीयत बिगड़ गई। पिता उसे अस्पताल ले गए थे, लेकिन हालत बिगड़ने पर उसे राजकोट के एक निजी हॉस्पिटल में भर्ती करवाया।

किडनी में आई सूजन

बेटे की हेल्थ के बारे में महेश ने बताया कि एक रिपोर्ट में उसकी किडनी में सूजन आ गई है। सूजन के चलते डॉक्टर ने डायलिसिस कराने के लिए कहा है। लेकिन, हमारी आर्थिक स्थिति कमजोर है। अब उसके इलाज खर्च के लिए इधर-उधर दौड़ रहे हैं। इस मामले में महेश का कहना है कि उन्होंने खुद स्कूल में सूचना दे दी थी कि एक जरूरी काम के चलते आज करण स्कूल आने में थोड़ा लेट हो जाएगा। उन्होंने स्कूल प्रबंधन के साथ-साथ क्लास टीचर को भी सूचित कर दिया था। इसके बावजूद उसे इतनी कठोर सजा दी गई कि अब वह हॉस्पिटल में भर्ती है। महेश ने आरोपी शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

आतंकवाद | **आतंकी चैरिटी के नाम पर इक्टठा कर रहे चंदा, एजेंसी की 20 ठिकानों पर छापेमारी**

जम्मू-कश्मीर में प्रतिबंधित आतंकी संगठन हुए एक्टिव

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में प्रतिबंधित आतंकी संगठनों ने अपना चोला बदलकर ओवर-ग्राउंड गतिविधियां शुरू की हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने ऐसे कुछ गुटों की चंदा उगाही और ऐसी रकम को आतंकवादियों तक पहुंचने के रूट को पकड़ा है। कश्मीर घाटी में सुरक्षा एजेंसियों को PFI जैसा पैटर्न देखने को मिला है, जो सिमी पर पाबंदी लगने के बाद बना था।

एजेंसियों ने 20 ठिकानों पर की छापेमारी

राज्य में चुनाव की आहट को देखते हुए आतंकी गुट शिक्षा, स्वास्थ्य और कल्याण कार्यों में पैसा लगा रहे हैं और

इसे सुरक्षित धन उगाही का जरिया बना लिया है। जानकारी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने करीब 20 ठिकानों पर छापे मार कर इस पूरे नेटवर्क पर शिकंजा कस दिया है।

यही नहीं धन उगाही के मामले में अल हुदा एजुकेशनल ट्रस्ट का नाम सबसे अव्वल पाया गया। सुरक्षा से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, यह ट्रस्ट जमात ए इस्लामी कैडर ने खड़ा किया है। जमात पर यूएपीए के तहत पहले ही पाबंदी लगाई जा चुकी है। अल हुदा इसके फ्रंट के तौर पर सक्रिय पाया गया।

राजौरी, बांदीपोरा, शोपियां, पुलवामा में बड़ा नेटवर्क

छानबीन से पता चला कि अल हुदा संगठन दान और हवाला के जरिए मिली रकम का दुरुपयोग कश्मीरी युवाओं को कट्टरपंथ के रास्ते पर ले जाने, ब्रेन वॉश करने और भारत विरोधी भावनाएं भड़काने के लिए कर रहा था।

राजौरी, पुंछ, बांदीपोरा, शोपियां, पुलवामा और बडगाम जिलों में इस संगठन का नेटवर्क फैला पाया गया। सुरक्षा एजेंसियों ने ट्रस्ट के निजाम ए आला यानी चेयरपर्सन अमीर शम्सी को गिरफ्तार किया। वह जमात ए इस्लामी का आमीर ए जमात भी था।

जब्त मोबाइल से आतंकियों को डिजिटल पेमेंट की पुष्टि

इस ट्रस्ट पर कार्रवाई के बाद यह भी खुलासा हुआ कि कश्मीर के कई एनजीओ और ट्रस्ट इससे जुड़े हैं। सामाजिक कार्यों के नाम पर लोगों से चंदा उगाही करते हैं। चंदे के नाम पर वे धमकियों का सहारा लेकर वसूली भी कर रहे हैं।

छापों के दौरान जब्त किए गए कई मोबाइल फोन से पता चला कि आतंकी गुटों के लिए डिजिटल पेमेंट से भी धन जुटाया जा रहा था।

शार्ट न्यूज

कैंसर से बचाव के लिए बच्चों को दिलवाएं एचपीवी वैक्सीन : डीएके

श्रीनगर। भारत के पहले स्वदेशी वैक्सीन ह्यूमन पेपिलोमा वायरस (एचपीवी) वैक्सीन की मंजूरी के साथ डॉक्टर एसोसिएशन कश्मीर (डीएके) ने शुक्रवार को परिजनों ने विभिन्न प्रकार के कैंसर से बचाव के लिए अपने बच्चों को वैक्सिन की खुराक दिलवाने की अपील की। डीएके अध्यक्ष डॉ. निसार उल हसन ने कहा, हमारे पास एचपीवी टीकाकरण के माध्यम से आने वाली पीढ़ियों में कुछ प्रकार के कैंसर से बचाव का अद्भुत अवसर है। स्वदेशी अध्ययन के मुताबिक एसपीवी वैक्सीन सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए 90 प्रतिशत कारगर साबित हुयी है। उन्होंने बताया कि एचपीवी वैक्सीन का इजात होने बाद से अमेरिका, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में सर्वाइकल कैंसर के मामलों में काफी कमी आई है। निम्न और मध्य आय वाले देशों में कैंसर से होने वाली मौत में सबसे अधिक मृत्यु सर्वाइकल कैंसर की वजह से होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक सर्वाइक कैंसर के मामले में दुनिया भर में भारत पांचवें स्थान पर है। यहां हर साल सर्वाइकल कैंसर के 1,23,000 मामले सामने आते हैं तथा करीब 6,700 लोग इसके कारण अपनी जान गंवाते हैं। डीएके अध्यक्ष ने कहा कि लगभग 70 से 80 प्रतिशत ऑरोफरीन्जियल कैंसर का संबंध एचपीवी संक्रमण से है। यह ज्यादातर पुरुषों में होता हैं। डॉ. निसार ने कहा कि नौ साल से 14 साल के किशोर-किशोरियों को एचपीवी वैक्सीन लेना चाहिए।

जितेंद्र साठ टीबी मरीज गोद लेंगे

जम्मू। केन्द्रीय मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह ने शुक्रवार को अपने निर्वाचन क्षेत्र से 60 टीबी रोगियों को गोद लेने की पेशकश की। उधमपुर-कठुआ-डोडा लोकसभा क्षेत्र से सांसद डॉ जितेंद्र सिंह छह जिलों कठुआ, डोडा, उधमपुर, रियासी, रामबन और किश्तवाड़ में प्रत्येक से दस-दस मरीजों को गोद लेंगे। डॉ जितेंद्र सिंह ने ट्विटर पर लिखा कि वह 2025 तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के टीबी मुक्त भारत के सपने को साकार करने के लिए योगदान देने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने अन्य लोगों से भी इस आंदोलन में शामिल होने की अपील की। उन्होंने बताया कि छह जिलों के संबंधित उपायुक्तों को मुख्य चिकित्सा अधिकारी की सहायता से जरूरतमंद रोगियों की पहचान करने और उनका विवरण प्रदान करने में मदद करने के अनुरोध के साथ औपचारिक रूप से प्रस्ताव से अवगत करा दिया गया है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने नौ सितंबर को प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान की शुरुआत की थी और नागरिकों से युद्ध स्तर पर जनभागीदारी की भावना से टीबी उन्मूलन की दिशा में सामूहिक रूप से काम करने का आग्रह किया था। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि भारत 2030 के वैश्विक लक्ष्य से पांच साल पहले 2025 तक संक्रामक रोग को खत्म कर देगा।

बीरेन सिंह ने अर्थव्यवस्था के उत्थान के लिए महिलाओं की सराहना की

इंफाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने शुक्रवार को कहा कि मणिपुरी महिलाओं ने राज्य के आर्थिक विकास में बड़ी भूमिका निभाई है। सिंह यहां 16वें क्षेत्रीय सरस मेला में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पुरुष और महिला दोनों की परिवार को अच्छी जिंदगी देने के लिए योगदान की आवश्यकता होती है और महिलाएं समाज के विकास में बड़ी भूमिका निभा रही है। उन्होंने नुपी लाल (महिला युद्ध) और स्वतंत्रता संग्राम के दौरान मणिपुर की महिलाओं के योगदान को याद किया और कहा कि देश के निर्माण में आदिवासी समुदाय अधिक हिस्सा ले रहे है और प्रधानमंत्री वन धन योजना के तहत राज्य के 41,000 से ज्यादा आदिवासी उद्यमियों को लाभान्वित किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति में सुधार हुआ है और राज्य सरकार प्रदेश में शांति बनाये रखने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। अगले साल जी20 सदस्य देशों के कई अधिकारी सम्मेलन के दौरान मणिपुर का दौरा करने पर श्री सिंह ने कहा कि वह आगंतुकों को एमएसआरएलएम और ट्राइफेड के तहत विभिन्न एसएचजी के उत्पादों को प्रदर्शित करने की व्यवस्था करना का प्रयास करेंगे।

भाजपा को समर्थन दे कर शिंदे ने भाजपा के सामने टेका माथा : रांकपा

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (रांकपा) ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर हमला बोला है और कहा है कि खुद को असली शिवसेना बताने वाले अंधेरी (पूर्व) उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का समर्थन देने की घोषणा करके उसके (भाजपा) सामने माथा टेक दिया है। मराहाष्ट्र रांकापा के प्रमुख प्रवक्ता महेश तापसे ने शुक्रवार को यहां कहा कि शिवसेना में बगावत के बाद राज्य में यह पहला बड़ा चुनाव हो रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि शिंद गुट अंधेरी (पूर्व) उपचुनाव में अपना उम्मीदवार क्यों नहीं उतारा। उन्होंने कहा कि खुद को असली शिवसेना बताने वाले शिंदे गुट हार की डर से चुनावी अखाड़े से हट गया और सारा बोझ भाजपा के कंधे पर डाल दिया। उन्होंने कहा कि अदालत के आदेश के बाद श्री रितुजा रमेश लटके का मुंबई नगर निगम से इस्तीफा भी स्वीकार कर लिया गया। भारतीय लोकतंत्र और देश के संविधान में विश्वास रखने वाले लोग इसे देख रहे हैं और उम्मीद करते हैं कि इस मुद्दे को चुनाव और कानून के जरिए जल्द ही सुलझा लिया जाएगा।

प्रियंका गांधी ने सोलन के मां शूलिनी मंदिर में की पूजा-अर्चना

शिमला। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने हिमाचल प्रदेश के सोलन से विधानसभा चुनाव के शंखनाद से पहले मां शूलिनी मंदिर में पूजा-अर्चना की। वह थोड़ी देर में ठोडो मैदान में आयोजित कांग्रेस की परिवर्तन प्रतिज्ञा महारैली को संबोधित करेंगी। श्रीमती गांधी ने महारैली में जनता को कांग्रेस की ओर से दी जाने वाली 10 गारंटियों का भी जिक्र कर सकती हैं। हिमाचल में सरकार बनाने के लिए अन्य घोषणाओं का भी एलान कर सकती हैं। इस महारैली के सफल आयोजन के लिए प्रदेश कांग्रेस के अधिकांश नेताओं ने गुरुवार दोपहर से ही सोलन में डेरा डाल दिया था। महारैली में पार्टी के प्रदेश प्रभारी राजीव शुक्ला, प्रदेश अध्यक्ष प्रतिभा सिंह, चुनाव प्रचार कमेटी के अध्यक्ष सुखविंद्र सिंह सुक्खू और नेता विपक्ष मुकेश अग्निहोत्री आदि विशेष रूप से मौजूद हैं। उल्लेखनीय है कि प्रियंका गांधी बीते चार अक्टूबर से राजधानी शिमला से सटे छराबड़ा स्थित अपने घर पर रुकी हुई हैं।

एसवाईएल मामले में सरकार सुप्रीम कोर्ट में अवमानना का मामला लगाएं : हुड्डा

सिरसा। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि हरियाणा सरकार को चाहिए कि पंजाब की सरकार के आगे गिड़गिड़ाने की बजाए उच्चतम न्यायालय की अवमानना का मामला न्यायालय के सामने उठाएं। हुड्डा शुक्रवार को इस मुद्दे पर पंजाब व हरियाणा के मुख्यमंत्रियों की बैठक पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे थे। उन्होंने आदमपुर उप चुनाव में पार्टी प्रत्याशी जय प्रकाश की जीत का भी दावा किया। उन्होंने कहा कि आदमपुर में स्वार्थ की राजनीति के चलते उप चुनाव हो रहा है जिसका जनता मुँहतोड़ जवाब देगी। हुड्डा ने कहा कि तीन कृषि कानूनों के खिलाफ कांग्रेस ने ही मुखर होकर वकालत की और जीत हासिल हुई। भाजपा किसानों की हमदर्द नही बल्कि घोर विरोधी है। भाजपा किसानों से एमएसपी के वायदे लो पूरा नही कर रही इसलिए प्रदेश व देश का किसान भाजपा पर उबाल खाये हुए हैं जिसका बदला आदमपुर चुनाव में लेंगें।

प्राइवेसी पॉलिसी को लेकर घिरा व्हाट्सऐप

सुप्रीम कोर्ट का जांच पर रोक लगाने से इनकार

नई दिल्ली। अपनी 2021 की प्राइवेसी पॉलिसी को लेकर व्हाट्सऐप फंसता नजर आ रहा है। जांच पर रोक लगाने संबंधी उसकी एक याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक और व्हाट्सऐप की मूल कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दाखिल की थी। इसमें भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) द्वारा व्हाट्सऐप की 2021 की अपडेटेड प्राइवेसी पॉलिसी की जांच के आदेश को चुनौती दी गई

थी। हालांकि शुक्रवार को कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया।

न्यायमूर्ति एम. आर. शाह और न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की पीठ ने कहा कि सीसीआई एक स्वतंत्र प्राधिकरण है और उसके समक्ष शुरू हुई कार्यवाही को रोका नहीं जा सकता है। इसके साथ ही न्यायालय ने मुख्य राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा नियामक द्वारा आदेशित जांच बरकरार रखने वाले दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ याचिकाएं खारिज कर दी।

पीठ ने कहा, ''हमने (संबंधित पक्षों के) वकीलों की दलीलें सुनी हैं और इसमें इस न्यायालय के हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है। सीसीआई 2002 के प्रतिस्पर्धा अधिनियम के प्रावधानों के किसी भी उल्लंघन पर विचार करने के लिए एक स्वतंत्र प्राधिकरण है ... सीसीआई को प्रतिस्पर्धा अधिनियम, 2002 के कथित उल्लंघन की जांच से नहीं रोका जा सकता है।''

पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय द्वारा की गई किसी भी टिप्पणी को अस्थायी/प्रथम दृष्टया माना जाना चाहिए। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 28 सितंबर को फेसबुक इंडिया की उस याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) द्वारा व्हाट्सऐप की 2021 की अद्यतन गोपनीयता नीति की जांच के आदेश को चुनौती दी गई थी।

सभी स्कूलों में योग कक्षायें शुरू हों : दत्तात्रेय

चंडीगढ़। बच्चों में योग के प्रति रुझान बढ़ाने के उद्देश्य से हरियाणा के सभी स्कूलों में योग कक्षाएं शुरू की जानी चाहिए, इससे बच्चे योग के साथ खेलों के प्रति और अधिक आकर्षित होंगे। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने गुजरात में आज से शुरू हुए 36वें राष्ट्रीय खेलों में योगा प्रतियोगिता में भाग लेकर व पदक जीतकर राजभवन में आए बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए कही। हरियाणा से योग में राष्ट्रीय खेलों से 15 बच्चों ने पदक जीतकर राष्ट्रीय स्तर पर योग प्रतियोगिता में तीसरा स्थान हासिल किया। इन बच्चों ने एक स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य पदक जीते हैं। राहुल और रिषभ की जोड़ी ने स्वर्ण, रोहित, अभिषेक, प्रवीन पाठक, अभिषेक, कमल, निकेश और करण ने रजत तथा देवी, भारती, स्नेहलता, मधु वर्मा ने कांस्य पदक जीत कर प्रदेश का नाम रोशन किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने योग के प्रचार-प्रसार के लिए सराहनीय कार्य किया। प्रदेश में 1100 व्यायामशालाएं बनाई गई हैं, जिनमें 400 आयुष योग सहायकों की नियुक्ति की गई। बाकी योगशालाएं में भी नियुक्ति प्रक्रिया जारी है। हरियाणा योग आयोग से जुड़ी संस्थाओं को चाहिए कि वे पार्कों, क्लबों तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों जहां लोग सैर करते हैं, वहां भी योग कक्षाएं शुरू करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पतंजलि योग पीठ, योग भारती, भारतीय योग संस्थान और विद्या भारती संस्थाएं सराहनीय कार्य कर रही हैं।

आईआईटी खड़गपुर के छात्रावास में मृत पाया गया असम का छात्र

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के खड़गपुर स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) के छात्रावास में एक छात्र का शव शुक्रवार को मिला।

पुलिस ने बताया कि लाला लाजपत राय हॉल में बंद कमरे से दुर्गंध आने के बाद इसकी सूचना पुलिस को दी गयी। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची कमरे का दरवाजा खोला, गया, तो मैकेनिकल इंजीनियरिंग का छात्र 23 वर्षीय फैजान अहमद मृत पाया गया। पुलिस के मुताबिक मृतक छात्र असम के तिनसुकिया का निवासी था। पश्चिमी मेदिनीपुर जिला में स्थित इस संस्थान से जुड़े सूत्रों ने बताया कि फैजल राजेंद्र प्रसाद हॉल में रहता था। पुलिस ने बताया कि अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि वह क्यों और कब एलएलआर हॉल में गया था और जब वह दो दिन से लापता था, तो किसी ने इस बात पर ध्यान क्यों नहीं दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह आत्महत्या का मामला लग रहा है, लेकिन पुलिस सभी तरीके से इस मामले की जांच कर रही है।

भारत ने पहली बार न्यूक्लियर सबमरीन से दागी बैलिस्टिक मिसाइल

नई दिल्ली। भारत की परमाणु बैलिस्टिक मिसाइल सबमरीन आईएनएस अरिहंत ने आज एक बैलिस्टिक मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। यह भारत के लिए एक बड़ा मील का पत्थर है क्योंकि पहले की टेस्ट-फायरिंग निश्चित पानी के नीचे पोंटून से की जाती थी। इस बार पनडुब्बी ने ही मिसाइल लॉन्च की है। भारत की रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण पनडुब्बी आईएनएस अरिहंत ने मिसाइल का परीक्षण एक पूर्व निर्धारित सीमा तक किया। मिसाइल ने बंगाल की खाड़ी में लक्ष्य पर पूरी सटीकता के साथ निशाना साधते हुए सभी परिचालन और

तकनीकी मानकों को पूरा किया।

पनडुब्बी से प्रक्षेपित बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण भारत के नौसैनिक परमाणु ताकत की विश्वसनीयता साबित करता है। भारतीय बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बियां अब तैनात होने पर पानी के भीतर से ही चीन और पाकिस्तान को निशाना बनाने में सक्षम हो सकती हैं। ताजा पनडुब्बी-प्रक्षेपित बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण साबित करता है कि घर में बनी आईएनएस अरिहंत श्रेणी की पनडुब्बियां हर तरह से चालू हैं।

मंत्रालय ने कहा, ''आईएनएस अरिहंत द्वारा एसएलबीएम (पनडुब्बी से बैलिस्टिक मिसाइल का प्रक्षेपण) का सफल उपयोगकर्ता प्रशिक्षण लॉन्च दल दक्षता को साबित करने और एसएसबीएन कार्यक्रम के अनुरूप महत्वपूर्ण है, जो भारत की परमाणु प्रतिरोधक क्षमता का एक प्रमुख तत्व है।'' बयान में कहा गया, ''यह भारत की 'विश्वसनीय न्यूनतम प्रतिरोधक क्षमता' की नीति को ध्यान में रखते हुए एक मजबूत, टिकाऊ और सुनिश्चित जवाबी क्षमता है जो इसकी 'पहले उपयोग न करने' की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।''

त्रिपुरा में भाजपा गठबंधन को झटका, सहयोगी दल आईपीएफटी के विधायक धनंजय का इस्तीफा

अगरतला। त्रिपुरा में आगामी विधानसभा चुना से पहले भाजपा की सहयोगी पार्टी के एक विधायक ने इस्तीफा दे दिया है। इस विधायक का नाम है धनंजय त्रिपुरा और वह इंडीजिनस पीपल्स फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (आईपीएफटी) के सदस्य हैं। आईपीएफटी त्रिपुरा में सत्ताधारी भाजपा का सहयोगी दल है। धनंजय ने शुक्रवार को अपना इस्तीफा विधानसभा अध्यक्ष रतन चक्रवर्ती को सौंपा। धनंजय के इस्तीफे के पीछे क्या वजह है, इस बारे में अभी कोई जानकारी नहीं मिली है। साल भर के अंदर भाजपा के सहयोगी दल से दूसरे विधायक ने इस्तीफा दिया है।

इस्तीफा हुआ स्वीकार

विधानसभा अध्यक्ष रतन चक्रवर्ती ने बताया कि आईपीएफटी के विधायक ने आज इस्तीफा दिया है। उनका इस्तीफा सौंप लिया गया है और गजट नोटिफिकेशन के लिए भेज दिया गया है। वहीं विधानसभा अध्यक्ष को इस्तीफा सौंपने के दौरान धनंजय तिप्रा मोथा पार्टी के प्रद्योत किशोर देबबार्म के साथ देखे गए थे। धनंजय ने 2018 के विधानभा चुनाव में धलाई जिले के रैमावेल्ली विधानसभा क्षेत्र से चुनाव जीता था। बता दें कि बीते एक साल के दौरान धनंजय आईपीएफटी के दूसरे विधायक हैं, जिन्होंने इस्तीफा दिया है। एक साल पहले इसी पार्टी के विधायक बृशकेतु देवबर्मा ने इस्तीफा देकर तिप्रा मोथा का दामन थाम लिया था। इसके बाद दल-बदल कानून का उल्लंघन करने पर विधानसभा से उनकी सदस्यता रद्द कर दी गई थी। वहीं एक महीने पहले भाजपा के विधायक बुर्बु मोहन त्रिपुरा ने भी इस्तीफा दे दिया था। 60 सदस्यों वाली त्रिपुरा विधानसभा में 2018 में भाजपा ने 36 जबकि आईपीएफटी ने 8 सीटों पर जीत हासिल की थी। आईपीएफटी के विधायकों के इस्तीफे अब विधानसभा में उसके पास छह सदस्य ही रह गए हैं।

कश्मीर के हजरतबल में हजारों लोगों ने नमाज अदा की

श्रीनगर। कश्मीर घाटी में धार्मिक उत्साह और उल्लास के साथ मनाए जा रहे पैगंबर मुहम्मद के जन्मदिन 'ईद-ए-मिलाद-उन-नबी' के बाद शुक्रवार को हजारों नमाजियों ने 'असर-ए-शरीफ' हजरतबल में नमाज अदा की। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि पूरे घाटी से बड़ी संख्या में लोग दरगाह शरीफ हजरतबल में सामूहिक नमाज में शामिल हुए, जिसमें डल झील के तट पर पैगंबर मुहम्मद के पवित्र अवशेष हैं। यहां गुरुवार को शब ख्वानी की नमाज में लोग शामिल हुए थे। आज नमाज का नेतृत्व हजरतबल दरगाह परिसर के चेरी बाग मिहराब के एक मौलवी ने किया। नमाज के तुरंत बाद, एक अन्य मौलवी ने नमाजियों के सामने 'मोई-ए-मुक़ादस' पवित्र अवशेष को प्रदर्शित किया।उन्होंने बताया कि दरगाह पर ईद-ए-मिलाद-उन-नबी के वार्षिक उर्स के समापन के दिन की हर नमाज के बाद नमाजियों को पवित्र अवशेष की झलक दिखाई देगी।

सेना ने श्वान सैनिक 'जूम' को दी श्रद्धांजलि

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में घायल सेना के श्वान दस्ते के सदस्य 'जूम' ने गुरुवार को श्रीनगर स्थित पशु चिकित्सा अस्पताल में दम तोड़ दिया और सेना ने भी शुक्रवार को उसे श्रद्धांजलि अर्पित कर उसके बलिदान को याद किया। 'जूम' सोमवार को जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान घायल हो गया था जिसमें लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकवादी मारे गए थे। श्रीनगर स्थित रक्षा प्रवक्ता ने कहा कि चिनार कोर के सभी जवानों और अधिकारियों की ओर से चिनार युद्ध स्मारक, बादामी बाग छावनी में एक भव्य समारोह में, लेफ्टिनेंट जनरल एडीएस औजला, जनरल ऑफिसर कमांडिंग चिनार कोर ने वीर सैनिक 'जूम' को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि 10 अक्टूबर को अनंतनाग में अभियान के दौरान 'जूम' ने न केवल आतंकवादियों के सटीक स्थान की पहचान करने में, बल्कि उनमें से एक को मौत के घाट उतारने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। प्रवक्ता ने कहा,इस प्रक्रिया में निडर 'जूम' को दो गोलियां लगीं। घायल होने के बावजूद, 'जूम' ने दूसरे छिपे हुए आतंकवादी का पता लगाया और लक्ष्य क्षेत्र से वापस लौट आया तथा गंभीर रूप से रक्त गिरने के कारण बेहोश हो गया। उसकी कार्रवाई ने टीम को लश्कर के दोनों आतंकवादियों के खिलाफ तेजी से कार्रवाई करने के लिए प्रेरित किया। बाद में जवान 'जूम' को तुरंत श्रीनगर के सेना के पशु चिकित्सा अस्पताल में ले जाया गया, जहां वह अंत तक लड़ता रहा। 'जूम' ने 13 अक्टूबर की सुबह 11:50 बजे अंतिम सांस ली। प्रवक्ता ने कहा,आर्मी कैनाइन जूम चिनार वारियर्स का एक अमूल्य सदस्य था। दो साल की अपनी छोटी उम्र के बावजूद, जूम कई सीटी (आतंकवाद विरोधी) अभियानों का अनुभवी था, जहां उसने अपनी ऊर्जा और साहस से खुद को प्रतिष्ठित किया था। 'जूम' के रूप में चिनार कोर ने एक बहादुर टीम सदस्य खो दिया है जो सभी रैंकों को विनम्रता, समर्पण और साहस के साथ अपना काम करने के लिए प्रेरित करता रहेगा।

एसवाईएल का मामला लटकाने के लिये भाजपा-अकाली-कांग्रेस तीनों पार्टियां जिम्मेदार

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी की पंजाब इकाई ने सतलुज-यमुना लिंक नहर(एसवाईएल) मुद्दे पर भाजपा-अकाली दल और कांग्रेस को घेरते हुये शुक्रवार को कहा कि इसके लिए तीनों पार्टियों की पिछली सरकारें जिम्मेदार है जिन्होंने अपने निजी स्वार्थ के लिए एसवाईएल के मामले को लटकाए रखा। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता मलविंदर सिंह कंग ने यहां पत्रकारों से कहा कि कांग्रेस एसवाईएल विवाद का जनक है। केंद्र सरकार ने पंजाब के पानी का हक मारा। उन्होंने कांग्रेस से सवाल किया कि 2004 में हरियाणा, पंजाब और केंद्र तीनों जगह कांग्रेस पार्टी की सरकार थी, फिर कांग्रेस ने इसका समाधान क्यों नहीं किया ? कंग ने पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल पर एसवाईएल मामले को आगे बढ़ाने का आरोप लगाया और कहा कि बादल सरकार ने 1978 में एसवाईएल के लिए जमीन अधिग्रहण करने का नोटिफिकेशन जारी किया था। हरियाणा की देवीलाल सरकार को एसवाईएल के लिए तीन करोड़ रुपए की किस्त जारी करने के लिए पत्र भी लिखा था। उन्होंने कैप्टन और भाजपा पर भी हमला बोला और कहा कि पंजाब के अधिकार की बात करने वाले कैप्टन अमरिंदर सिंह 1982 में एसवाईएल नहर खोदने के लिए चांदी कि कही (कुदाल) लेकर गए थे। हरियाणा को यमुना का पानी मिल रहा है तो पंजाब को क्यों नहीं मिल रहा ? और बीबीएमबी में पंजाब का प्रतिनिधित्व केंद्र सरकार द्वारा क्यों खत्म किया गया ?

कांग्रेस अध्यक्ष पद के उम्मीदवार खड़गे प्रचार के लिए ओड़िशा पहुंचे

भुवनेश्वर। कांग्रेस अध्यक्ष पद के उम्मीदवार एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे अपनी उम्मीदवारी के समर्थन में वोट के लिए शुक्रवार को यहां पहुंचे। खड़गे का यहां बीजू पटनायक अन्तरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पहुंचने पर कांग्रेस पार्टी के सदस्यों ने स्वागत किया। बाद में श्री खड़गे ने ओड़िशा कांग्रेस के 428 सदस्यों से राज्य के पार्टी मुख्यालय पर बातचीत की। इस अवसर पर विधायकों सहित कई कांग्रेसी नेता उपस्थित थे। खड़गे और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री शशि थरुर पार्टी अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ रहे हैं। चुनाव 17 अक्टूबर को होगा और परिणाम 19 अक्टूबर को घोषित किया जाएगा।

मणिपुर में लागू होगी 4 बच्चों की पॉलिसी

इम्फाल। मणिपुर में जनसंख्या नियंत्रण को लेकर राज्य सरकार की ओर से बड़ा फैसला लिया गया है। मणिपुर कैबिनेट ने एक अध्यादेश लाने का फैसला लिया है, जिसके तहत 4 से ज्यादा बच्चे पैदा होने पर परिवार को सरकारी योजनाओं से बाहर कर दिया जाएगा।

गुरुवार को राज्य के सीएम एन. बीरेन सिंह ने सचिवालय में यह जानकारी दी। कैबिनेट ने मणिपुर स्टेट पॉप्युलेशन कमिशन के संविधान को भी मंजूरी दे दी है। अब इस संविधान को एक अध्यादेश के जरिए लागू किया जाएगा। कैबिनेट मीटिंग के बाद स्वास्थ्य एवं सूचना मंत्री डॉ. सापम रंजन सिंह ने कहा कि कैबिनेट में इनर लाइन परमिट के मुद्दे पर भी बात हुई है। इसके अलावा फर्जी आधार कार्ड के मसले पर भी बात हुई है। उन्होंने कहा कि इनर लाइन परमिट को लेकर हालात को देखते हुए गंभीरता से विचार किया गया है। इसके अलावा यह तय किया गया है कि इस मसले पर निगरानी की जाए और जरूरी कदम उठाए जाएं। मणिपुर के मिनिस्टर ने कहा कि इनर लाइन परमिट सिस्टम को मजबूत करने के लिए यह फैसला लिया गया है कि राज्य में आने वाले सभी लोगों को अपने ठहरने का स्थान बताना होगा। इसके अलावा मोबाइल नंबर भी दर्ज कराना होगा, जो आधार कार्ड से लिंक हो। इससे पहले इनर लाइन परमिट पास डिप्टी लेबर कमिश्नर की ओर से जारी किया जाता था। अब डिप्टी कमिश्नर की ओर से ही यह पास जारी होगा।

मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का आईटी डिपार्टमेंट एक सॉफ्टवेयर तैयार कर रहा है, जिससे मणिपुर आने वाले लोगों की एंट्री और एग्जिट की निगरानी की जाएगी। मणिपुर में इनर लाइन परमिट की शुरुआत 1 जनवरी, 2020 से की जाएगी। अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड और मिजोरम के बाद देश का ऐसा चौथा राज्य है, जहां इनर लाइन परमिट की व्यवस्था लागू हो रही है। इन व्यवस्था में आने वाले राज्यों में एंट्री के लिए देश के दूसरे प्रांतों के लोगों और विदेशी नागरिकों को परमिशन लेनी होती है। मूल निवासियों की आबादी के संतुलन को बनाए रखने और उन्हें अवसर मुहैया कराने के लिए इन राज्यों में यह फैसला लिया गया है।

पेपर लीक मामला : बढ़ते दबाव के कारण नबाम का इस्तीफा

ईटानगर। पेपर लीक मामले में बढ़ते दबाव के कारण अरुणाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग (एपीपीएससी) अध्यक्ष निपो नबाम ने शुक्रवार को 'नैतिक आधार पर' इस्तीफा दे दिया।

श्री नबाम ने आज शाम ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) बी.डी मिश्रा को अपना इस्तीफा सौंप दिया। उन्होंने राज्य सरकार की ओर से आयोग के सचिव जयंत कुमार राय और संयुक्त सचिव सह परीक्षा नियंत्रक सूरज गुरुंग को इस मामलों को लेकर निलंबित करने के कुछ दिन बाद अपना इस्तीफा सौंपा है।

सरकार ने इन दोनों अधिकारियों को 27 और 28 अगस्त को एपीपीएससी की ओर से आयोजन मुख्य परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होने के मामले में निलंबित किया है। साथ ही सरकार ने इस मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो से करवाने की सिफारिश की है। अभी तक इस मामले की जांच राज्य पुलिस की विशेष जांच प्रकोष्ठ (विजिलेंस) की ओर से की जा रही थी। वहीं इस मामले में अब तक एपीपीएससी के उप सचिव ह उप परीक्षा नियंत्रक सहित 10 लोग गिरफ्तार हो चुके हैं। एक पीड़ित उम्मीदवार की ओर से 29 अगस्त को सहायक अभियंता (एई,सिविल) परीक्षा का पेपर लीक होने का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराने के बाद इस मामले जांच शुरू हुयी।

राज्य के शीर्ष छात्र निकाय - ऑल अरुणाचल प्रदेश स्टूडेंट्स यूनियन (एएपीएसयू) और ऑल न्याशी स्टूडेंट्स यूनियन (एएनएसयू) राज्य सरकार की शीर्ष भर्ती एजेंसी को भंग करने की मांग कर रहे हैं। इन संगठनों ने एपीपीएससी के अध्यक्ष, सचिव, सभी सदस्यों और कर्मचारियों को निलंबित करने की भी मांग की है।

श्री नबाम ने राज्यपाल को लिए अपने पत्र में कहा, अरुणाचल लोक सेवा आयोग के एक अधिकारी द्वारा सहायक अभियंता (सिविल) के पद के लिए लिखित परीक्षा (मुख्य) के पेपर लीक कराए जाने का मामला सामने आया है। आयोग का प्रमुख होने के नाते मैं इसे महसूस करता हूं कि नैतिक आधार पर मुझे अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। इसलिए एपीपीएससी के अध्यक्ष के पद से मेरा इस्तीफा तुरंत स्वीकार किया जाए और तत्काल प्रभाव से पद से हटने की अनुमति दी जाए।

उन्होंने कहा कि 27 और 28 अगस्त 2022 को एपीपीएस द्वारा आयोजित सहायक अभियंता (सिविल) के पद के लिए लिखित परीक्षा (मुख्य) के पेपर लीक मामले से राज्य की बदनामी हो रही है। उन्होंने कहा, मैंने आयोग के अधिकारी की चूक को स्वीकार करते हुए और नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। समुदाय की सर्वोच्च एवं शीर्ष सर्वोच्च सामाजिक परिषद की सलाह पर न्यिशी एलिट सोसाइट से मैं जुड़ा था।

सतर्कता अधिकारियों ने करोड़ों रुपये की सम्पति का पता लगाया

भुवनेश्वर। ओड़िशा के सतर्कता अधिकारियों ने शुक्रवार को बालासोर लघु कृषि उपखंड के कार्यकारी इंजीनियर महेश प्रसाद पटनायक और उसके परिवार के सदस्यों के नाम से करोड़ों रुपये की चल और अचल सम्पति का पता लगाया। सतर्कता कार्यालय के सूत्रों ने यहां बताया कि पटनायक द्वारा आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप पर सात टीमों ने एक साथ घर की तलाशी ली। तलाशी के दौरान सतर्कता अधिकारियों ने भुवनेश्वर और विशाखापट्टनम में पांच फ्लैट , छह भूखंड और 1.19 करोड़ रुपये की कीमत से ज्यादा के बैंक और बीमा जमाओं , 22 लाख रुपये का 825 ग्राम सोना और छह किलो चांदी और ढ़ाई लाख रुपये नकद का पता लगाया। सूत्रों ने कहा कि पटनायक से सम्पति के स्रोत के बारे में पूछताछ की जा रही है। तलाशी जारी है।

केन्द्रीय राज्यमंत्री ने हल्द्वानी एवं लालकुआं शहर को दी सौगात

एजेंसी

नैनीताल। केन्द्रीय रक्षा राज्यमंत्री अजय भट्ट ने दीपावली से पहले हल्द्वानी एवं लालकुआं के लोगों को सौगात दी। उन्होंने कहा कि 12 करोड़ की लागत से हल्द्वानी के मुख्य मार्ग को दुरूस्त किया जायेगा जबकि तेरह करोड़ रुपये की लागत से लालकुआं शहर की पेयजल लाइन का पुनर्गठन किया जायेगा।

भट्ट की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि बारह करोड़ रुपये की लागत से हल्द्वानी शहर की मुख्य सड़क को दुरूस्त किया जायेगा। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) से धनराशि को जल्द ही लोक निर्माण विभाग को हस्तांतरित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि बारह करोड़ रुपये की लागत से तीन पानी से नरीमन चौराहे तक नौ किलोमीटर मार्ग का जल्द डामरीकरण शुरू हो जायेगा। श्री भट्ट ने 560 करोड़ की लागत से बन रहे राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 109 के अंतर्गत हल्द्वानी से लालकुआं के बीच निर्माण कार्य के लंबित रहने और धीमी गति पर एनएचएआई के परियोजना निदेशक योगेंन्द्र शर्मा से सख्त नाराजगी जताई और कहा कि इस पर एक सप्ताह के अंदर कार्य शुरू करें। एनएचएआई की ओर से कहा गया कि सद्भाव इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण कार्य में असफल रहने पर अब गवार कंपनी को इस काम को सौंपा गया है। भट्ट ने कहा कि अमृत योजना के तहत लालकुआं शहर की पेयजल योजना के पुनर्गठन की स्वीकृति मिल चुकी है। तेरह करोड़ रुपये की लागत से इसका पुनर्गठन किया जायेगा।

शार्ट न्यूज

गुरुग्राम के मदरसे में पढ़ने वाले 11 साल के बच्चे से कुकर्म, मौलवी ने कबूला गुनाह

नई दिल्ली। दिल्ली से सटे गुरुग्राम के एक मदरसे में एक 11 वर्षीय लड़के के साथ यौन शोषण की घटना सामने आई है। पीड़ित बच्चा भी उसी मदरसे में पढ़ता है। बच्चे की मां ने इस घटना के संबंध में दिल्ली के करावल नगर थाने में मामला दर्ज कराया था। दिल्ली पुलिस द्वारा इस मामले की जांच करते हुए आरोपी मौलवी को गिरफ्तार कर लिया गया है। मौलवी की पहचान 24 वर्षीय मोहम्मद जावेद के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि पूछताछ के दौरान मौलवी मोहम्मद जावेद ने अपना गुनाह कबूल करते हुए खुलासा किया कि उसने लड़के का यौन शोषण किया था। दिल्ली पुलिस ने इस संबंध में करावल नगर थाने में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 377 और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। इस मामले में आगे की जांच जारी है। वहीं, अब पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि कहीं आरोपी मौलवी ने अब से पहले भी तो और बच्चों के साथ इस तरह की घिनौनी वारदात को अंजाम नहीं दिया था।

हादसे में बाइक सवार महिला की मौत

ग्रेटर नोएडा। सेक्टर ईकोटेक-3 थाना क्षेत्र में बालक इंटर कॉलेज के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौत हो गई, जबकि उसका बेटा घायल हो गया। बेटे की हालत गंभीर है। घायल के चचेरे भाई की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जाचं शुरू कर दी। दनकौर क्षेत्र के गांव धनौरी कलां निवासी रोहित और उनकी मां गजेंद्री बाइक से खैरपुर गांव में अपने रिश्तेदार के घर जा रहे थे। सेक्टर ईकोटेक-3 थाना क्षेत्र में बालक इंटर कॉलेज के पास उनकी बाइक में किसी वाहन ने टक्कर मार दी। सड़क हादसे में दोनों घायल हो गए। घायलों को यथार्थ अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से हालत गंभीर होने पर दोनों को दिल्ली के लिए रेफर किया गया। देर रात गजेंद्री की मौत हो गई। रोहित की हालत गंभीर है। रोहित के चचेरे भाई संदीप ने ईकोटेक-3 थाना वाहन चालक के खिलाफ शिकायत दी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

बाइक चोरी करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। कासना पुलिस ने बाइक चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा कर अमित निवासी खरखौदा जिला मेरठ, योगेंद्र निवासी भरतपुर राजस्थान और छोटू निवासी गांव टीकरी थाना बरला जिला अलीगढ़ को घंघोला के सामने से गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल बरामद हुई है। इस बाइक चोरी का मुकदमा थाना कासना में दर्ज है। पुलिस ने बताया कि आरोपी अमित पर चार, योगेंद्र पर दो और छोटू पर 10 मुकदमे दर्ज हैं।

केवाईसी अपडेट कराने का झांसा देकर ठगने वाले दबोचे

नोएडा। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने केवाईसी अपडेट कराने का झांसा देकर ठगने वाले गिरोह के दो जालसाजों को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों से तीन मोबाइल और सात सिमकार्ड बरामद किए हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों को अदालत में पेश कर जेल भेज दिया, जबकि गिरोह के सरगना सहित अन्य आरोपियों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। थाना प्रभारी रीता यादव ने बताया कि आशा कौल नाम की महिला ने शिकायत दी थी कि ठगों ने 12 फरवरी को उनके पीएनबी पेंशन बैंक खाता की केवाईसी अपडेट कराने के नाम पर उनके खाते से 6.25 लाख रुपये निकाल लिए थे। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान वाराणसी के राजा तालाब थानाक्षेत्र के जयापुर गांव के अंकित कुमार सिंह और सूरज सिंह के रूप में हुई है। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी अंकित ने सूरज का बैंक खाता खुलवाया था, जबकि अंकित ने अंकित इंटरप्राइजेज के नाम से खाता खुलवाया था। फिर दोनों ने अपने डेबिट कार्ड, रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर और चेक बुक अपने गिरोह के मास्टरमाइंड को दे दिए। ठगी की रकम आरोपियों के खाते में ही आती थी। इसके लिए मास्टरमाइंड द्वारा दोनों को कमीशन दिया जाता था। इस तरह दोनों ने करीब 150 लोगों के खाते खुलवाकर उनके डेबिट कार्ड सहित अन्य संबंधित दस्तावेज अपने मास्टरमाइंड को दिए। इनका सरगना जामताड़ा का रहने वाला है।

33 केंद्रों पर होने वाली पीईटी की तैयारियां पूरी

नोएडा। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) की प्रारंभिक चयन परीक्षा (पीईटी) जिले में शनिवार और रविवार को 33 केंद्रों पर सम्पन्न होगी। चारों पालियों में 62 हजार 400 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारी पूरी कर ली है। इस माह की 15 और 16 तारीख केवल परीक्षाओं के नाम रहेगी। जिले में दो परीक्षाएं आयोजित कराई जाएगी। सबसे ज्यादा परीक्षा उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की प्रारंभिक पात्रता परीक्षा (पीईटी) में शामिल होंगे। पीईटी की परीक्षा सुबह 10 से 12 और शाम तीन से पांच बजे की पाली में होगा। प्रत्येक पाली में 15,600 अभ्यर्थी शामिल होंगे। सबसे ज्यादा अभ्यर्थी पीईटी परीक्षा में शामिल होंगे। शिक्षा विभाग का अनुमान है कि जिले में दूरदराज जिलों व राज्यों से बच्चे पेपर देने आएंगे। उनका शुक्रवार रात से ही केंद्रों पर पहुंचना शुरू हो जाएगा। विद्यार्थियों के साथ उनके परिजन भी रहेंगे, ऐसे में केंद्रों पर डेढ़ लाख से अधिक लोगों के पहुंचने की संभावना है। शनिवार को कार्यदिवस भी है और पीईटी की परीक्षा भी। इस स्थिति में पुलिस के लिए शहर की सड़कों को जाम मुक्त रखना बड़ी चुनौती होगी।

उत्तर प्रदेश में ऐतिहासिक रूप से बढ़ी बिजली की मांग : ए के शर्मा

संवाददाता/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली/उदयपुर। राजस्थान के उदयपुर में दो दिवसीय ऊर्जा मंत्रियों के सम्मेलन का आयोजन 14-15 अक्टूबर 2022 को हुआ है। इस आयोजन में देश के कई राज्यों के ऊर्जा मंत्री एवं भारत सरकार के ऊर्जा मंत्री, ऊर्जा सचिव एवं राज्यों तथा भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश के ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री श्री ए के शर्मा जी भी हुए सम्मिलित। ए के शर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश में बिजली की माँग ऐतिहासिक रूप से बढ़ी है। उन्होंने बताया कि किस प्रकार इस गर्मी में बढ़ी हुई माँग को भारत सरकार की सहायता से कोयला ज्यादा खपत करके पूरा किया।

उन्होंने यह भी बताया कि नवीन ऊर्जा के लिए बायो फ्यूल नीति बनाई गयी है। नई सोलर पॉलिसी भी बन रही है। बढ़ती हुई ऊर्जा की माँग को सभी प्रकार के संसाधनों से पूरा करना है।

उन्होंने बताया कि किस प्रकार लाखों गाँवों-मज़रों और करोड़ों घरों का विद्युतीकरण श्री योगी जी के पाँच साल के कार्यकाल में हुआ।

शर्मा ने आगे यह भी आग्रह किया कि अभी भी बहुत से मजरे बचे हैं। उनके विद्युतीकरण के लिए भारत सरकार को मदद करनी चाहिए। उनके इस आग्रह को भारत सरकार के ऊर्जा मंत्री एवं टीम ने सहर्ष स्वीकार किया।

शर्मा ने यह भी कहा कि बड़े शहरों और पर्यटन स्थलों पर बिजली के तार और केबल अंडरग्राउंड करना यह समय की माँग है। इस कार्य में भी भारत सरकार मदद करे। इस प्रस्ताव को भी भारत के ऊर्जा मंत्री ने स्वीकार किया।

शर्मा ने यह भी सुझाव दिया की हवाई अड्डों की तर्ज़ पर भारत के चुनिंदा केंद्रीय सुरक्षा बलों को बिजली संयंत्रों की सुरक्षा में लगाया जाय। इससे सुरक्षा सम्बन्धी किसी अनहोनी को टाला जा सकता है। और जरूरत पड़ने पर बिजली चोरी रोकने में भी इनका उपयोग हो सकता है। भारत के ऊर्जा मंत्री इस सुझाव को भी स्वीकार किया।

शर्मा ने बताया कि बिजली बिल की वसूली के लिए किस प्रकार क्रमें महिला सेल्फ हेल्प ग्रुप की मदद ली जा रही है। इसे सभी प्रतिभागियों ने सराहा।

शर्मा ने अन्य कई सुझाव दिए जिसमें थर्मल प्लांट की स्थापना कोयले की खदानों पर की जाए। इससे कोयला ढोकर अन्य राज्यों में भेजने की बजाय बिजली भेजी जा सकती है। नेशनल ग्रिड बनने के बाद यह अब सम्भव है। इससे क़ीमत भी घटेगी और पर्यावरण का फायदा होगा और रेल की समस्या भी नहीं रहेगी। भारत के ऊर्जा मंत्री ने इस पर अमल करने को कहा।

नोएडा जोन में 10 चौकी प्रभारियों का तबादला

नोएडा। डीसीपी नोएडा ने कानून व्यवस्था के चलते थाना सेक्टर-39 के वरिष्ठ उपनिरीक्षक सहित 10 चौकी प्रभारियों का तबादला किया है। सात दरोगाओं को नई तैनाती दी गई है। डीसीपी हरिश चंदर ने बताया कि उपनिरीक्षक देवकी नंदन को चौकी प्रभारी बॉटनिकल गार्डन, राजेंद्र कुमार को चौकी प्रभारी सेक्टर-37, शैलेंद्र सिंह को चौकी प्रभारी सेक्टर-54, ओमप्रकाश सिंह को चौकी प्रभारी झुंडपुरा, अंकुर चौधरी को चौकी प्रभारी सेक्टर-12/22, सलाउद्दीन को चौकी प्रभारी सेक्टर-57, संजय पूनिया को चौकी प्रभारी निठारी, अजय सिंह यादव को चौकी प्रभारी सेक्टर-47, सुभाष चंद्र को चौकी प्रभारी डीएलएफ मॉल, बलवीर सिंह को चौकी प्रभारी सेक्टर-29 बनाया गया है। इसके अलावा उपनिरीक्षक मनोज राय को वरिष्ठ उपनिरीक्षक थाना सेक्टर-39 के पद पर तैनात किया गया है। उपनिरीक्षक अशोक बाबू शर्मा को थाना सेक्टर-20, सुभाष चंद को थाना सेक्टर-20, यशपाल सिंह को थाना सेक्टर-24, सत्यपाल सिंह को थाना सेक्टर-58, यतेंद्र कुमार को थाना सेक्टर-113 और राकेश कुमार को थाना सेक्टर-126 में तैनात किया गया है।

गुरुग्राम में भी पटाखों के निर्माण और बिक्री पर बैन

31 जनवरी 2023 तक रहेगी रोक

एजेंसी

गुरुग्राम। दिल्ली के साथ ही इस बार अब गुरुग्राम में भी पटाखे फोड़ने पर बैन लगा दिया गया है। गुरुग्राम के जिला कलेक्टर एवं उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने शुक्रवार को एक आदेश जारी करते हुए जिले में तत्काल प्रभाव से ग्रीन पटाखों के अलावा अन्य सभी प्रकार के पटाखों के निर्माण, बिक्री और फोड़ने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। ये आदेश तत्काल प्रभाव से पूरे गुरुग्राम जिले में लागू होंगे और 31 जनवरी, 2023 तक प्रभावी रहेंगे। जिला मजिस्ट्रेट द्वारा दंड प्रक्रिया अधिनियम 1973 की धारा 144, विस्फोटक अधिनियम 1883 और अन्य विस्फोटक नियमों के तहत आदेश जारी किए गए हैं। आदेशों के अनुसार, इन आदेशों को लागू करने की जिम्मेदारी गुरुग्राम पुलिस कमिश्नर, गुरुग्राम और मानेसर नगर निगमों, सभी एसडीएम, सभी तहसीलदारों और नायब तहसीलदारों, प्रखंड विकास और पंचायत अधिकारियों, सभी डीसीपी, कार्यकारी अधिकारियों और नगर निगम के सचिवों, नगर परिषद, सभी पुलिस थाना प्रभारी, दमकल अधिकारी गुरुग्राम व उनके स्टाफ की होगी। इन सभी अधिकारियों को आदेशों पर अमल करने और छापेमारी करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही इन अधिकारियों को प्रतिदिन जिला कलेक्टर को रिपोर्ट भेजने को कहा गया है।

बारबेक्यू नेशन ने शुरू किया 'बिग हार्ट एंड ए बिगर एपेटाइट' कैंपेन

दान उत्सव के सहयोग से एक महीने का 'साझाकरण का पर्व'

विवेक राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। 'सेव द चिल्ड्रन' एनजीओ के 30 बच्चों को आज रेस्तरां संस्था बारबेक्यू नेशन द्वारा उनके न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी आउटलेट, दिल्ली में खाना खिलाया गया। यह प्रयास उनके बिग हार्ट एंड ए बिगर एपेटाइट अभियान का हिस्सा है जिसे दान उत्सव सप्ताह के एक भाग के रूप में शुरू किया गया है। इस पहल के माध्यम से बारबेक्यू नेशन का लक्ष्य है वे भारत, यूएई, मलेशिया और ओमान के प्रमुख महानगरों में अपने चुनिंदा आउटलेट्स में 40,000 बच्चों को खाना खिलाएँ। बारबेक्यू नेशन ने इस उद्देश्य के लिए विभिन्न गैर-लाभकारी संगठनों के साथ मिलकर काम किया है। दिल्ली में होने वाली इस गतिविधि के लिए रेस्टोरेंट चेन ने एनजीओ सेव द चिल्ड्रन के साथ सहयोग किया है। दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद और लखनऊ में विभिन्न स्थानों के बच्चों को उनके आउटलेट में आमंत्रित किया जाएगा। इस अवसर पर, श्री राहुल अग्रवाल, सीईओ, बारबेक्यू नेशन हॉस्पिटैलिटी लिमिटेड, ने कहा, इस अभियान के माध्यम से, हम वर्षों से अपने ग्राहकों के संरक्षण को धन्यवाद देना चाहते हैं। ऐसे कैंपेन के माध्यम से हम समाज को वापस देने की कोशिश करते हैं। यह अभियान हमारे जल्द ही शुरू होने वाले 200वें आउटलेट के जश्न का भी प्रतीक है। यह अभियान हमारे बड़े कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी पहल का एक हिस्सा है जो हम 2006 में लॉन्च होने के बाद से कर रहे हैं। बिग हार्ट एंड ए बिग एपेटाइट कैंपेन एक महीने तक चलने वाली गतिविधि होगी, जिसे पूरे देशभर के 200 आउटलेट शुरू किया जाएगा। हम बारबेक्यू नेशन में आने वाले मेहमानों से भी इस मेगा परोपकारी अभियान में शामिल होने के लिए भोजन दान करने और योग्य लोगों तक पहुंचने के लिए अपने हाथों को मजबूत करने का आग्रह करते हैं, श्री अग्रवाल कहते हैं। दान उत्सव के स्वयंसेवक श्री सुजीत महापात्रा ने कहा, भोजनदान एक महत्वपूर्ण दान है। हम बारबेक्यू नेशन के इस तरह के हावभाव से उत्साहित हैं। इतने बड़े आकार का ऐसा अनुभव शायद ही कभी बच्चों को दिया गया हो। भोजन उपलब्ध कराने के माध्यम से दयालुता फैलाने का यह विचार उदारता का एक जबरदस्त कार्य है।

बारबेक्यू राष्ट्र के बारे में

बारबेक्यू नेशन 2006 में मुंबई में अपने पहले स्टोर के बाद से लाइव ऑन-द-टेबल ग्रिल की अवधारणा के साथ (डू-इट-योरसेल्फ) व्यंजन को बढ़ावा देने के लिए भारत में अग्रणी है। बारबेक्यू नेशन की स्थापना एक साधारण दृष्टि से की गई थी - ग्राहकों को आकर्षक कीमतों पर भोजन का संपूर्ण अनुभव प्रदान करना। दर्शन सेवा के सभी पहलुओं तक विस्तारित हुआ और श्रृंखला को तेजी से विस्तारित करने का कारण बना। पिछले 15+ वर्षों में, बारबेक्यू नेशन ने भारत और विदेशों में 189 आउटलेट्स के साथ 84 से अधिक शहरों में विस्तार किया है। इस अवधि के दौरान, ब्रांड ने इंटरैक्टिव लाइव काउंटर, कई कुल्फी किस्मों और बारबेक-इन-ए-बॉक्स के एक अद्वितीय डिलीवरी उत्पाद पोर्टफोलियो के साथ नवाचार किया।

दान उत्सव के बारे में

भारत में 6 मिलियन से अधिक लोग दयालुता के विभिन्न कार्य करके उत्सव में भाग लेते हैं। दान उत्सव 2009 में शुरू किया गया था और यह हर साल 2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर तक मनाया जाता है। ऑटो रिक्शा चालकों से लेकर सीईओ और स्कूली बच्चों से लेकर कलाकारों तक सभी क्षेत्रों के लोग उत्सव के लिए अपना समय, पैसा, संसाधन और/या कौशल का योगदान करते हैं। 100 से अधिक शहरों और कस्बों के साथ-साथ सैकड़ों गांवों में 2,000 से अधिक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

गोपाल इटालिया को पार्टी से बर्खास्त करने के लिए आप कार्यालय के बाहर किया गया प्रचंड विरोध प्रदर्शन

आम आदमी पार्टी के नेता मर्यादा की सारी सीमाएं लांघ चुके हैं : रामवीर सिंह बिधूड़ी

नई दिल्ली। गुजरात के आम आदमी पार्टी अध्यक्ष गोपाल इटालिया द्वारा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और उनकी माताजी के प्रति अभद्र भाषा इस्तेमाल करने से क्षुब्ध दिल्ली भाजपा महिला मोर्चा द्वारा आज आम आदमी पार्टी कार्यालय के बाहर प्रचंड विरोध प्रदर्शन किया गया। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी के नेतृत्व में हुए इस विरोध प्रदर्शन में दिल्ली प्रदेश भाजपा के उपाध्यक्ष श्री राजन तिवारी एवं श्री वीरेन्द्र सचदेवा, दिल्ली प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्षा श्रीमती योगिता सिंह, मोर्चा प्रभारी श्रीमती बरखा सिंह और मीडिया सह-प्रमुख श्री हरिहर रघुवंशी भी मौजूद थे।

गोपाल इटालिया ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को नीच कहकर संबोधित किया और उनकी माताजी के प्रति भी असम्मानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया है। इसके विरोध में भाजपा कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के नेता भारतीय संस्कृति को भी भूल बैठे हैं और एक मां का अपमान करके मर्यादा की सारी सीमाएं लांघ चुके हैं।

नेता प्रतिपक्ष श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के सर्वेसर्वा अरविंद केजरीवाल ने एक बार भी अपने कार्यकर्ताओं की अभद्रता पर रोष व्यक्त नहीं किया और न ही उन्हें ऐसा करने से रोका। इसके विपरीत वह सोशल मीडिया पर गोपाल इटालिया को बढ़ावा दे रहे हैं।

बिधूड़ी ने कहा कि देश की जनता इस प्रकार का अभद्र और अशोभनीय व्यवहार कभी भी बर्दाश्त नहीं करेगी। केजरीवाल गोपाल इटालिया और उनके जैसे तमाम नेताओं को पार्टी से निकालें और पूरे देश से इस अपराध के लिए माफी मांगें। देश की जनता में आम आदमी पार्टी के नेताओं के लिए कितना रोष है, यह गुजरात तथा हिमाचल प्रदेश के आगामी चुनावों में पता चल जाएगा। जनता इन्हें कड़ा सबक सिखाएगी। उन्होंने कहा कि एक बुजुर्ग मां के प्रति असम्मानजनक शब्दों का इस्तेमाल अक्षम्य अपराध है। गोपाल इटालिया ने जैसा कृत्य किया है, उससे विशेषकर महिलाओं में बहुत रोष है और वे इन नेताओं को कदापि माफ नहीं करेंगी।

लूट के बजाए गुमशुदगी में कार्रवाई का आरोप

नोएडा। बाइक सवार बदमाशों ने युवक से हथियार के बल पर मोबाइल, नकदी और पर्स लूट लिया। पीड़ित का आरोप है कि सेक्टर-58 पुलिस ने लूट की जगह गुमशुदगी में कार्रवाई की है। इसको लेकर पीड़ित ने सोशल मीडिया पर अपना वीडियो जारी कर शिकायत की है। वीडियो में रोहित नाम के युवक ने कहा कि है कि वह निजी कंपनी में काम करता है। वह गुरुवार रात करीब दस बजे ऑफिस से घर जा रहा था। जब वह सेक्टर-58 पहुंचा तो बाइक सवार बदमाशों ने उसे रोक लिया। फिर उसे तमंचा दिखाकर उससे मोबाइल, चार हजार रुपये और पर्स सहित अन्य सामान लूट लिया। इसके बाद वह सेक्टर-58 थाने में शिकायत लेकर पहुंचा। आरोप है कि पुलिस ने लूट की जगह गुमशुदगी में कार्रवाई की। युवक का वीडियो वायरल होने के बाद डीसीपी नोएडा ने मामले में संज्ञान लिया।

दिसंबर में हो सकते हैं दिल्ली नगर निगम चुनाव, निर्वाचन आयोग ने शुरू की तैयारियां

नई दिल्ली। दिल्ली राज्य चुनाव आयोग ने निगम चुनाव को लेकर तैयारियां शुरू कर दी हैं। आयोग की ओर से गुरुवार को जारी आदेश में निगम के सहायक आयुक्त और शिक्षा विभाग के उप-निदेशक सहित अन्य अधिकारियों को नोडल अफसर बनाते हुए चुनावी प्रक्रिया संबंधी तमाम कार्य को अपडेट कर उनकी समीक्षा करने के लिए कहा है। आदेश के बाद से राजनीतिक गलियारों में सरगर्मियां तेज हो गई हैं। आदेश में कहा गया है कि वर्ष 2022-23 के लिए होने वाले दिल्ली नगर निगम चुनाव पहले से लंबित चल रहा है। राज्य चुनाव आयोग ने चुनावी प्रक्रिया को लेकर मुस्तैदी से तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसे लेकर आयोग की तरफ से तीन अधिकारी कुलदीप सिंह, पंकज चमोली और उदित बी.बडौनी को नामित किया गया है। वहीं, निगम के सभी 12 जोन के सहायक आयुक्त को चुनाव के मद्देनजर अपने-अपने जोन का नोडल अधिकारी बनाया गया है। साथ ही कहा गया कि निगम के सभी जोन के शिक्षा विभाग के उप-निदेशक को सब-नोडल अधिकारी और सहायक उप-निदेशक को सब नोडल अधिकारी (मैन पावर) का कार्य देखने की जिम्मेदारी दी है। निगम के सभी अधिकारी अपने-अपने जोन के पोलिंग स्टेशन का विवरण, काउटिंग सेंटर, सेक्टर अफसर सहित चुनाव प्रक्रिया से जुड़ी तमाम जानकारी एकत्रित कर उसकी समीक्षा कर रिपोर्ट उक्त अधिकारियों को पेश करेंगे। आदेश के आने के बाद राजनैतिक गलियारों में सरगर्मियां तेज हो गई हैं और तरह-तरह की चर्चाएं चल रही हैं। भाजपा की ओर से 16 अक्तूबर को रामलीला मैदान में होने जा रहे पंच परमेश्वर सम्मेलन को चुनावी तैयारियों से जोड़कर देखा जा रहा है। यह बात अलग है कि डिलीमिटेशन कमेटी की ओर से अबतक अंतिम ड्राफ्ट जारी नहीं किया गया है। अब देखना यह है कि चुनाव कब तक होंगे।

हेड कॉन्स्टेबल रतन लाल मर्डर की आरोपी महिला नोएडा से गिरफ्तार, कॉल सेंटर में कर रही थी जॉब

नई दिल्ली । दिल्ली दंगे 2020 के दौरान दिल्ली पुलिस के हेड कॉन्स्टेबल रतन लाल की हत्या की आरोपी 27 वर्षीय एक महिला को नोएडा से गिरफ्तार किया गया है। ढाई साल से फरार महिला नोएडा के एक कॉल सेंटर में काम कर रही थी। इसे 5 सितंबर 2020 को भगोड़ा घोषित करने के बाद 50,000 रुपये का इनाम रखा गया था।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि दंगे के दौरान रतन लाल के अलावा, शाहदरा के तत्कालीन डीसीपी अमित शर्मा और तत्कालीन एसीपी गोकलपुरी अनुज कुमार को भी गंभीर चोटें आई थीं और घायलों में पचास अन्य पुलिसकर्मी भी शामिल थे।

पुलिस अधिकारी ने कहा कि तकनीकी निगरानी के दौरान यह सामने आया कि आरोपी का मोबाइल नंबर उपयोग में नहीं था, लेकिन कॉल डिटेल रिकॉर्ड का गहन विश्लेषण करने पर पता चला कि उसके एक करीबी रिश्तेदार के मोबाइल नंबर से नोएडा में स्थित एक कंपनी के कस्टमर केयर नंबर पर बार-बार कॉल की जा रही थी, जिसने संदेह पैदा किया।

गुरुवार को नोएडा के सेक्टर-63 में कोजेंट बिल्डिंग के पास जाल बिछाया गया। पुलिस उपायुक्त (उत्तर-पूर्वी) संजय कुमार सेन ने बताया कि शाम करीब साढ़े पांच बजे भजनपुरा के सुभाष मोहल्ला निवासी महिला को गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस ने कहा कि उसने अपराध कबूल कर लिया और खुलासा किया कि फरवरी 2020 में दंगों के दौरान, वह सीएए और एनआरसी के विरोध में सक्रिय रूप से शामिल थी।

नौकरी लगवाने वाले से कर ली थी शादी

डीसीपी ने कहा कि दंगों के बाद वह अपने घर से भाग गई थी और इस दौरान वह अलग-अलग जगहों पर किराये के मकान में रह रही थी। उसने एक ऐसे व्यक्ति से शादी कर ली थी, जिसने उसके लिए नोएडा स्थित एक कंपनी में कस्टमर केयर एग्जीक्यूटिव की नौकरी की व्यवस्था की।

दिल्ली पुलिस ने रखा था 50,000 रुपये का इनाम

उसने आगे खुलासा किया कि उसने कभी भी अपने मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं किया और एप्लिकेशन के माध्यम से केवल इंटरनेट कॉलिंग का इस्तेमाल करती थी। पुलिस ने कहा कि वह अपने रिश्तेदारों और परिवार के सदस्यों से संपर्क करने के लिए कस्टमर केयर नंबर का इस्तेमाल कर रही थी। पुलिस ने कहा कि उसे 5 सितंबर, 2020 को भगोड़ा घोषित करने के बाद उस पर 50,000 रुपये का इनाम भी रखा गया था। पुलिस के अनुसार, घटना वाले दिन हेड कॉन्स्टेबल रतन लाल को हल्का बुखार था और उनके साथियों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी थी, लेकिन क्षेत्र में गंभीर तनाव को देखते हुए वह ड्यूटी में शामिल हो गए थे। उन्होंने भीड़ को शांत करने और स्थिति को नियंत्रित करने में तत्कालीन डीसीपी और एसीपी की मदद की। जब भीड़ ने उन पर हमला करना शुरू किया तो अधिकारियों को बचाने के दौरान उन्हें लगी 24 चोटों के कारण उन्होंने दम तोड़ दिया था।

इस महीने की शुरुआत में, पुलिस ने कहा था कि घटना के सिलसिले में उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ से एक 33 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया था। चांद बाग निवासी आरोपी मोहम्मद वसीम उर्फ बबलू उर्फ सलमान को दिल्ली हाई कोर्ट ने घोषित अपराधी घोषित किया था।

व्यक्ति के गले से सोने की चेन लूटी

नोएडा। बाइक सवार बदमाशों ने गुरुवार शाम को अंतरिक्ष ग्रीन सोसाइटी के गेट के बाहर एक व्यक्ति के गले से सोने की चेन लूट ली। इस संबंध में पीड़ित ने सेक्टर-49 थाने में शिकायत दी है। पुलिस को दी शिकायत सत्य नारायण ने बताया कि वह परिवार के साथ सेक्टर-50 में रहते हैं। सत्य नारायण शाम को अंतरिक्ष ग्रीन सोसाइटी के बाहर टहल रहे थे। जब वह सोसाइटी के मुख्य गेट के बाहर पहुंचे तो पीछे से बाइक पर सवार होकर दो बदमाश आए। बाइक पर पीछे बैठे बदमाश ने उनके गले से सोने की चेन तोड़ ली और दोनों भाग गए। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दिल्ली सरकार के स्मॉग टावर से 70 से 80 प्रतिशत तक कम हो रहा वायु प्रदूषण

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कनॉट प्लेस स्थित स्मॉग टावर का किया दौरा

प्रफुल्ल राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने आज कनॉट प्लेस स्थित स्मॉग टावर का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पिछले एक साल के अध्ययन की अंतरिम रिपोर्ट आइआइटी मुंबई की आयी है। उसमें यह स्मॉग टॉवर वायु प्रदूषण को 50 मीटर तक 70 से 80 प्रतिशत और 300 मीटर की दूरी पर 15 से 20 प्रतिशत तक कम करता है। वायु प्रदूषण को कम करने में 300 मीटर की दूरी तक स्मॉग टावर का प्रभाव रहा है। उन्होंने आगे कहा कि प्रदूषण से निपटने के लिए दिल्ली सरकार तात्कालिक तथा दीर्घकालिक सभी प्रकार के कदम उठा रही है तथा टेक्नालॉजी का अधिकतम प्रयोग कर प्रदूषण को दूर करने का पूरा प्रयास कर रही है।

उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार पिछले साल दिल्ली में स्मॉग टावर स्थापित किया गया था। दुनिया के अंदर चीन में इस प्रकार के स्मॉग टावर स्थापित किया गया था, लेकिन उसकी टेक्नालॉजी अलग थी। वह नीचे से हवा खींचता था, उसे स्वच्छ करके ऊपर से छोड़ता था। यह स्मॉग टावर ऊपर से दूषित हवा को खीचता है तथा उसे स्वच्छ करके नीचे से बाहर निकालता है। पिछले साल अक्टूबर में इसे पायलट प्रोजेक्ट के तहत शुरू किया गया था। यह पायलट स्टडी प्रोजेक्ट दो साल का है। आईआईटी मुंबई और आईआईटी दिल्ली और डीपीसीसी की टीम इसको लागातार मॉनिटर कर रही है। अलग-अलग मौसमों में यह किस प्रकार दूषित हवा को स्वच्छ कर रही है। इसपर लगातार अध्ययन कर रहें हैं।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि पिछले एक साल के अध्ययन की जो रिपोर्ट आई है उसमें यह देखा गया है कि 50 मीटर की दूरी तक इसकी वायु प्रदूषण को कम करने की क्षमता 70 से 80 प्रतिशत है और 300 मीटर की दूरी पर 15 से 20 प्रतिशत तक कमी आ जाती है। इससे यह पता चला रहा है कि 300 मीटर की दूरी तक इस स्मॉग टावर का प्रभाव दिख रहा है। उन्होंने बताया कि इसको और बेहतर किया जा रहा है। वैज्ञानिक को जो दिक्कतें सामने आ रही हैं उन्हें एक-एक करके दूर कर रहे हैं। आने वाली सर्दियों में यह कितना प्रभावशाली होगा इसका अध्ययन करने के बाद ही यह टीम अपनी फाइनल रिपोर्ट सौंपेगी। इसके आधार पर सरकार आगे निर्णय लेगी।

उन्होंने कहा कि हमने एक्सपर्ट टीम से आग्रह किया है कि इस स्मॉग टावर को लगाने में 20 करोड़ रूपए की लागत आई है।

यदि हमें दिल्ली के और भी जगहों पर इसे लगाने हैं तो इसकी लागत में कमी लाने का अध्ययन करें। दिल्ली के परिस्थिति के हिसाब से स्मॉग टावर को और कैसे बेहतर किया जा सके, इसको लेकर भी एक्सपर्ट टीम को अध्ययन करने को कहा गया है। एक्सपर्ट टीम के रिपोर्ट के आधार पर सरकार आगे का कदम उठाएगी।

तीनों प्राधिकरण के खिलाफ ग्रेटर नोएडा में किसानों का अनिश्चितकालीन धरना

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। भारतीय किसान यूनियन ने शुक्रवार को नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण के खिलाफ अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। ग्रेटर नोएडा में जीरो प्वाइंट पर एक्सप्रेसवे के नीचे महापंचायत के बाद धरने का ऐलान हुआ। तीनों प्राधिकरणों के अधिकारी किसानों से बातचीत करने पहुंचे, लेकिन वार्ता बेनतीजा रही। किसानों ने कहा कि जब तक उनकी मांगों को पूरा नहीं किया जाता, तब तक धरना चलता रहेगा।

तय कार्यक्रम के अनुसार भारतीय किसान यूनियन ने ग्रेटर नोएडा में जीरो प्वाइंट पर एक्सप्रेसवे के नीचे महापंचायत की। इसमें नोएडा, ग्रेटर नोएडा और जेवर के किसान शामिल हुए। ट्रैक्टर, जेसीबी और बस के जरिये किसान महापंचायत स्थल तक पहुंचे। धरने की अध्यक्षता श्याम सिंह प्रधान एवं संचालन सुनील प्रधान ने किया। ग्रामीणों ने कहा कि यमुना प्राधिकरण क्षेत्र के किसानों को 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त मुआवजा नहीं मिल पा रहा है। सभी किसानों को 10 प्रतिशत का आबादी भूखंड दिया जाए। शोर की जमीन का मुआवजा दिया जाए। तीनों प्राधिकरण क्षेत्र में कॉलोनाइजर पर कार्रवाई की जाए।

किसानों का आरोप है कि प्रशासन कॉलोनाइजर के बजाय खरीदारों पर कार्रवाई कर रहा है। यह भी मांग की कि ट्रैक्टर-ट्राली पर सवारी बैठाने पर कार्रवाई करने वाला आदेश रोका जाए। किसानों ने प्राधिकरण के खिलाफ नारेबाजी की। कहा कि उनकी मांगों को पूरा नहीं किया जा रहा है। वह उनसे वार्ता करेंगे।

धरने में भाकियू के पश्चिमी उत्तर प्रदेश अध्यक्ष पवन खटाना, सुभाष चौधरी, मटरू नागर, अनित कसाना, सरदार मंजीत सिंह, दीपक शर्मा आदि मौजूद रहे।

संपादकीय

बेकाबू महंगाई

खुदरा महंगाई दर बढ़ कर 7.41 फीसद पर पहुंच गई और औद्योगिक उत्पादन में 0.8 फीसद का संकुचन दर्ज हुआ। ये दोनों आंकड़े अगस्त महीने के हैं। महंगाई पर पिछली तीन तिमाहियों से काबू पाना कठिन बना हुआ है। रिजर्व बैंक की कोशिश है कि महंगाई को घटा कर छह फीसद तक लाया जा सके। मगर इसमें कामयाबी नहीं मिल पा रही।

चिंता की बात है कि खाने-पीने की चीजों की महंगाई 8.6 फीसद पर पहुंच गई है, जिससे आम लोगों के रोजमर्रा की जिंदगी पर बुरा असर पड़ रहा है। पिछले दिनों रिजर्व बैंक ने दावा किया कि अगले दो सालों में महंगाई की दर चार फीसद पर स्थिर हो जाएगी, मगर जिस तरह अर्थव्यवस्था के विभिन्न पहलुओं में संतुलन साधना मुश्किल बना हुआ है, उससे यह दावा धुंधला ही बना हुआ है। महंगाई को लेकर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व व्यापार संगठन समेत तमाम रेटिंग एजंसियां अपना अनुमान बदल चुकी हैं। विश्व व्यापार संगठन का कहना है कि पूरी दुनिया में महंगाई की मार अगले दो सालों तक बनी रहेगी। मंदी का दौर अगले चार सालों तक चलेगा।

सरकार के लिए सबसे अधिक चिंता का विषय है कि औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि नहीं हो रही। चूंकि सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी में सबसे अधिक महत्त्व औद्योगिक क्षेत्र के योगदान का माना जाता है, उसके शिथिल पड़ने का अर्थ है कि पूरी अर्थव्यवस्था डावांडोल स्थिति में बनी रहेगी। पिछले दिनों वित्तमंत्री ने उद्योग क्षेत्र में निवेश न बढ़ पाने को लेकर चिंता जताते हुए एलान किया था कि उद्योग जगत अपनी समस्याएं बताए, जिसके आधार पर सरकार सहूलियतें देने का प्रयास करेगी। हालांकि पहले ही उद्योग जगत को काफी रियायतें दी जा चुकी हैं, कोरोनाकाल के बाद राहत पैकेज की घोषणा भी की गई थी, मगर उद्योग जगत गति नहीं पकड़ पा रहा, तो इसकी वजहों पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि अगर सितंबर और अक्तूबर के महीने में औद्योगिक उत्पादन की दर पांच फीसद तक नहीं पहुंची तो जीडीपी पर बुरा असर पड़ेगा। हालांकि ये दो महीने त्योहारों के हैं, जिनमें बाजार में कुछ गतिशीलता रहती है, इसलिए अनुमान है कि इस दौरान उद्योग जगत को कुछ बल मिलेगा। मगर बुनियादी कमजोरियों को दूर करने की जरूरत फिर भी बनी रहेगी। औद्योगिक उत्पादन गिरने का सीधा कारण है कि वस्तुओं की बाजार में खपत नहीं बढ़ पा रही। फिर खुदरा महंगाई की दर रोकने के लिए रिजर्व बैंक रेपो दरों में लगातार बढ़ोतरी कर रहा है। अभी फिर इसमें पैंतीस आधार अंक तक बढ़ोतरी के कयास लगाए जा रहे हैं। इससे भी औद्योगिक उत्पादन पर असर पड़ता है। फिर निर्यात की दर नीचे का रुख किए हुए है। पूरी दुनिया में मंदी का दौर है, इसलिए भारतीय वस्तुओं की खपत बाहरी बाजारों में घटी है। इसके अलावा लोगों का रोजगार खत्म हो जाने, कमाई घटने, नौकरियां जाने की वजह से क्रयशक्ति काफी कमजोर हो गई है। इसलिए लोग बड़े खर्चों को लेकर अपने हाथ रोके हुए हैं। इस संतुलन को साधना सरकार के लिए कठिन बना हुआ है। जब तक यह संतुलन नहीं सधता, तब तक औद्योगिक उत्पादन की दर बेहतर होने का दावा कमजोर ही साबित होगा। इस बार असमान बरसात की वजह से कृषि उत्पादन पर भी बुरा असर पड़ने का अनुमान है। ऐसे में खाने-पीने की चीजों की कीमतों में संतुलन लाना भी चुनौतीपूर्ण बना रहेगा।

फिर वही पराली

एक अर्से से यह देखने को मिल रहा है कि सरकारें तब चेतती हैं, जब पराली जलाई जाने लगती है।

वायु प्रदूषण पराली जलाए जाने के साथ सड़कों एवं निर्माण स्थलों से उड़ने वाली धूल वाहनों के उत्सर्जन कारखानों से निकलने वाले धुएं के कारण भी फैलता है। इसके अतिरिक्त कचरा जलाने और जेनरेटर चलाने से भी फैलता है।

पराली यानी फसलों के अवशेष खेत में जलाने से पैदा होने वाले पर्यावरण संकट के समाधान के लिए केंद्र सरकार की सक्रियता स्वाभाविक है, क्योंकि पंजाब में उसे जलाया जाने लगा है। पंजाब के साथ अन्य राज्यों में पराली एक ऐसे समय जलाई जाती है, जब सर्दियां दस्तक देने लगती हैं। इसके कारण पंजाब से लेकर दिल्ली और उत्तर भारत के अन्य क्षेत्रों में वायु प्रदूषण बढ़ने लगता है। तापमान में गिरावट के साथ यह और बढ़ता जाता है।

विडंबना यह है कि एक अर्से से यह देखने को मिल रहा है कि सरकारें तब चेतती हैं, जब पराली जलाई जाने लगती है। अभी यह कहना कठिन है कि पराली जलाए जाने से पैदा होने वाले संकट के समाधान के लिए केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री जो योजना प्रस्तुत करने जा रहे हैं, वह कितनी कारगर होगी, लेकिन इसमें संदेह नहीं कि पराली दहन को रोकने के लिए प्रभावी उपाय करने की आवश्यकता है। इसमें सफलता तब मिलेगी, जब केंद्र और वे राज्य सरकारें मिलकर समय से काम करेंगी, जहां पराली जलाई जाती है। इसमें किसानों का भी सहयोग चाहिए होगा, लेकिन वे तभी सहयोग दे सकेंगे, जब उनकी समस्याएं हल की जाएंगी। नि:संदेह पराली को खेतों में जलाने से रोका ही जाना चाहिए, लेकिन इसी के साथ यह भी समझा जाना चाहिए कि केवल वही वायु प्रदूषण का एकमात्र कारण नहीं है।

वायु प्रदूषण पराली जलाए जाने के साथ सड़कों एवं निर्माण स्थलों से उड़ने वाली धूल, वाहनों के उत्सर्जन, कारखानों से निकलने वाले धुएं के कारण भी फैलता है। इसके अतिरिक्त कचरा जलाने और जेनरेटर चलाने से भी फैलता है। ऐसे में पराली को जलाने से रोकने के साथ ही प्रदूषण के इन कारणों का भी निवारण प्राथमिकता के आधार पर होना चाहिए। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि दिसंबर-जनवरी में जब पराली नहीं जलती, तब भी देश के एक हिस्से में वायु प्रदूषण बना रहता है। कहीं-कहीं तो यह पूरे वर्ष रहता है और उससे छुटकारा पाने के लिए पटाखों पर पाबंदी लगाने जैसे सीमित प्रभाव वाले निर्णय करने पड़ते हैं या फिर बरसात की प्रतीक्षा करनी पड़ती है।

पराली दहन के अतिरिक्त वायु प्रदूषण के अन्य कारणों का निवारण तब होगा, जब शहरों के आधारभूत ढांचे को संवारने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस बारे में दावे तो खूब किए जाते हैं, लेकिन यह किसी से छिपा नहीं कि प्रमुख शहरों में ट्रैफिक जाम की समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। यदि वाहन रेंगते हुए चलेंगे तो वे प्रदूषण फैलाने में सहायक ही बनेंगे। वायु प्रदूषण की चुनौती से पार पाने में जनता का भी सहयोग चाहिए होगा। उसे अपने हिस्से की सक्रियता इसलिए दिखानी होगी, क्योंकि जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाले बदलाव भी पर्यावरण पर गहरा प्रभाव डाल रहे हैं।

सुशासन एवं देश-विकास के लिये नौकरशाह स्वयं को बदले

- ललित गर्ग-

प्रशासनिक सुधार की जरूरत महसूस करते हुए नौकरशाहों को दक्ष, जिम्मेदारी, ईमानदार, कानूनों की पालना करने वाले एवं उनकी समयबद्ध कार्यप्रणाली की आवश्यकता लंबे समय से रेखांकित की जाती रही है। जबकि बार-बार ऐसे उदाहरण सामने आते रहे हैं जिनसे पता चलता है कि देश की नौकरशाही न केवल अदालतों के फैसलों का पालन करने-कराने में विफल हो रही है, बल्कि उनके भ्रष्टाचार से जुड़े मामले एवं लापरवाह नजरिया देश के विकास की एक बड़ी बाधा के रूप में सामने आ रहा है। निश्चित ही उनकी भ्रष्टाचारयुक्त कार्यप्रणाली, अपने आपको सर्वेसर्वा मानने की मानसिकता, जनता के प्रति गैरजिम्मेदाराना व्यवहार, सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में कोताही, ये स्थितियां देश को अपने उद्देश्य हासिल करने में भी विफल कर रही है। उनके अहंकार का उदाहरण है राजस्थान के नागौर के एक एसडीएम और सरकारी डॉक्टर का एक-दूसरे से तू-तू मैं-मैं करना। भ्रष्टाचार के उदाहरणों में प्रमुख है झारखंड की खान सचिव और उनके करीबियों पर प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी में 19 करोड़ की राशि नगद मिलना एवं कानून की अनुपालना में कोताही का ताजा मामला आइटी अधिनियम की धारा 66-ए का है। नौकरशाह ही वास्तव में देश के विकास को गति देते हैं, लेकिन इनमें जब काम करने के बजाय पैसे कमाने की होड़ और काम अटकाने की प्रवृत्ति दिखाई देती है, तो निराशा होती है।

प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों से जिस तरह की अपेक्षाएं हैं, वे पूरी नहीं हो पा रही है, यह एक गंभीर चुनौती एवं त्रासद स्थिति है। अधिकारियों-कर्मचारियों में जब तक इन गुणों का अभाव बना रहेगा, जब तक भ्रष्टाचारमुक्त प्रशासन असंभव है, आम नागरिकों को परेशानियों से मुक्ति नहीं मिलेगी एवं सरकारी योजनाओं, कार्यक्रमों में अपेक्षित गति नहीं आ पाएगी। भले ही सरकार ने इसके लिये राष्ट्रीय सिविल सेवा क्षमता कार्यक्रम-मिशन कर्मयोगी की शुरुआत की हो। लेकिन सरकारी नौकरशाही तंत्र को सुधारने की दिशाएं उद्घाटित करने के साथ उन पर कठोर कार्रवाई का प्रावधान किया जाना अपेक्षित है। आजादी के करीब 75 साल बाद भी नौकरशाही पर कोई कठोर नियंत्रण की व्यवस्था न हो पाना बड़ी नाकामी हैं। केंद्र हो या राज्य, नौकरशाही को न तो कानून की परवाह है न ही अवमानना का डर। वजह साफ है कि नौकरशाही ने राजनीति से हाथ मिला लिया है और अपने आकाओं को खुश करने के लिए किसी भी कानून को ताक पर रखने से उन्हें परहेज नहीं है। इसके बदले उसे अपना उल्लू सीधा करने का मौका मिल रहा है।

सुप्रीम कोर्ट से आइटी अधिनियम की धारा 66-ए को अमान्य करार दिए जाने के बावजूद विभिन्न राज्यों में इसका दुरुपयोग लगातार जारी है। 2015 में ही श्रेया सिंघल मामले में सुप्रीम कोर्ट इस कानून को खत्म कर चुका है। विचारणीय यह है कि आखिर कार्यपालिका में बैठे वे कौन लोग हैं जिन्हें शीर्ष कोर्ट की अवमानना का भय भी नहीं है। करीब सात साल बाद सुप्रीम कोर्ट ने फिर इस पर चिंता जाहिर की है और देश में चल रहे सभी मुकदमों से इस धारा का संदर्भ हटाने का आदेश दिया है। इस कानून में प्रावधान था कि ऑनलाइन कंटेंट पर आपत्ति की शिकायत दर्ज होते ही किसी व्यक्ति को गिरफ्तार किया जा सकता है। इसके तहत उसे तीन साल की कैद और जुर्माने की सजा हो सकती थी। सुप्रीम कोर्ट मान चुका है कि ऐसा करना व्यक्ति की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उल्लंघन होगा। लेकिन अब भी देश में सैकड़ों मामले चल रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को कहा था कि राज्यों के सचिवों से संपर्क कर आदेश का पालन कराया जाए। नौकरशाहों के लिये यह मान्यता रही है कि वे बिना राजनीति या अन्य किसी दबाव से प्रभावित हुए कानून के अनुसार अपना काम करेगा, ताकि न्याय का शासन बना रहे।

झारखंड की खान सचिव और उनके करीबियों पर प्रवर्तन निदेशालय को छापेमारी के दौरान करीब 19 करोड़ रुपये कैश बरामद हुए। आलम यह था कि बेड के नीचे छुपाए पैसों को गिनने के लिए मशीन तक मंगानी पड़ी। कार्रवाई में करीब 150 करोड़ की संपत्ति के दस्तावेज भी मिले। उच्च स्तर के प्रशासनिक अधिकारी के पास इतनी काली कमाई मिलने का यह कोई पहला उदाहरण नहीं है। इससे पहले और बाद भी न जाने कितने पूजा सिंघल पकड़े जाते रहे हैं। राजस्थान के नागौर स्थित जेएलएन अस्पताल का मामला अहंकार एवं पद के मद का है, जहां सरकारी डॉक्टर, एसडीएम सुनील सियाग से पर्ची कटवाए बगैर इलाज नहीं करने की बात कह रहे हैं। वहीं एसडीएम भी अपने पद का रौब जमाते हुए उसे देख लेने की बात कहते हैं। सवाल है कि जनता के लिए तैनात ड्यूटी डॉक्टर और जनसेवक एसडीएम आपस में ही जूतम-पैजार कर रहे हैं, तो आम जनता की सुध ये क्या खाक लेंगे?

नौकरशाहों की मनमानी पर अंकुश लगाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले वर्ष केंद्र एवं राज्य सरकारों में कार्यरत सभी आईएएस अधिकारियों को अपनी संपत्ति का विवरण देने और उसका स्रोत बताने के लिए कहा था। किसी अधिकारी ने परिवार से बाहर के किसी नाम पर अचल संपत्ति खरीदी हो तो उसका भी विवरण देना था। लेकिन अधिकांश नौकरशाह संपत्ति का विवरण देने में आनाकानी कर रहे हैं। सरकार अपने स्तर पर ऐसे अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई रही है। इसके अलावा कई नकारा वरिष्ठ अधिकारियों को सरकार ने जबरन रिटायर भी किया है। लेकिन इन सब प्रयासों के बाद भी नौकरशाहों के रवैये में बहुत ज्यादा बदलाव नहीं देखने को मिलता। इन पर अब तक कानून का चाबुक वांछित सख्ती से पड़ा भी ही नहीं। इक्का-दुक्का मामले ही ऐसे सामने आते हैं जब नौकरशाही पर कोई ठोस कार्रवाई हो पाती है। होती भी है तो कुछ समय के बाद वह अपना दामन बचा ले जाने में सफल हो जाते हैं।

चोर-चोर मौसेरे भाई की तर्ज पर एक-दूसरे की मदद करने वाली भ्रष्ट नौकरशाही को बदलने का समय आ गया है। पुराने नौकरशाहों से भले ही ज्यादा उम्मीद न हो पर नए नौकरशाहों को जरूर स्थिति बदलने पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। इसके लिए व्यवस्था में आमूल-चूल परिवर्तन करना होगा।

ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल ने साल 2018 की करप्शन इंडेक्स रिपोर्ट में भ्रष्टाचार के मामले में भारत की स्थिति पहले से बेहतर हुई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी भाजपा सरकार अपने पिछले कार्यकाल से ही सरकारी दफ्तरों के कामकाज में सुधार लाने के प्रयास करती रही है। इसके लिए उसने कई कदम भी उठाए हैं, जिसमें हर कर्मचारी के समय पर दफ्तरों में पहुंचने और उनके काम करने पर निगरानी का तंत्र विकसित किया गया। उनकी जवाबदेही सुनिश्चित की गई। इन कारणों से थोड़ा-बहुत सुधार हुआ भी है, तो वह बहुत ऊंचे स्तर पर, लेकिन कुल मिलाकर इतना अप्रभावी कि उसे ऊंट के मुंह में जीरा से अधिक कुछ नहीं कहा जा सकता। भ्रष्टाचार शासन एवं प्रशासन की जड़ों में पैठा हुआ है, इन विकट एवं विकराल स्थितियों में एक ही पंक्ति का स्मरण बार बार होता है, घर-घर में है रावण बैठा इतने राम कहां से लांऊ। भ्रष्टाचार, बेईमानी और अफसरशाही इतना हावी हो गया है कि सांस लेना भी दूभर हो गया है। राशन कार्ड बनवाना हो, ड्राइविंग लाइसैंस बनवाना हो, डीडीए में मकान/फ्लैट को फ्रीहोल्ड करवाना हो, चालान जमा देना हो, स्कूल में प्रवेश लेना, सरकारी अस्पताल में इलाज कराना हो और यहाँ तक की सांस लेना हो तो उसके लिए भी रिश्वत की जरूरत पड़ती है। प्रशासनिक सुधार आयोग का कहना है कि राजनीतिक कार्यपालिका व स्थायी नौकरशाही के मध्य दायित्वों का सुस्पष्ट निर्धारण होना जनता के कल्याण व सुशासन की दृष्टि से अत्यंत आवश्यक है।

ऐसे कर्मयोगी अर्जुनरूपी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जरूरत है जो अपने अदम्य साहस, कर्त्तव्यनिष्ठा, काम के प्रति जबावदेही, जनता की सेवा और संकल्प की बदौलत हमारे लिए धूप के टुकड़े बनें और काले सिस्टम में रोशनी देते रहे। अपने-अपने कुरुक्षेत्र में हर अर्जुन के सामने अपने ही लोग होते हैं जिनसे उन्हें लड़ना होता है। यह हर अर्जुन की नियति है।

धर्म परिवर्तन आस्था का विषय है लेकिन राजनीतिक रैलियों वाली आक्रामकता चिंता पैदा करती है

अवधेश कुमार

टीवी चैनलों और डिजिटल माध्यमों पर एक साथ कुछ हजार लोगों को यह कहते सुनें कि हम राम, कृष्ण, ब्रह्मा, विष्णु, महेश को भगवान नहीं मानेंगे और उनकी पूजा नहीं करेंगे तो भ अंतर्मन में एक साथ गुस्सा और हैरत के भाव पैदा होंगे। 7 अक्टूबर को राजधानी दिल्ली के अंबेडकर भवन का यह दृश्य निश्चित रूप से हमारे आपके जेहन में लंबे समय तक कायम रहेगा। आयोजकों का दावा है कि 10 हजार दलितों ने हिंदू धर्म त्याग कर बौद्ध धर्म ग्रहण किया है। हमारा संविधान व्यक्ति को अपने इच्छानुसार किसी भी धर्म को त्यागने , अपनाने और उपासना करने की स्वतंत्रता देता है। इस नाते जिन लोगों ने बौद्ध धर्म स्वीकार किया यह उनके व्यक्तिगत आस्था का मामला है। किंतु इसके साथ कुछ दूसरे पहलू भी जुड़े हैं। दो चार लोग या परिवार धर्मांतरण करते हैं तो बहुत ज्यादा आश्चर्य नहीं होता। हालांकि अंदर प्रश्न उठता रहता है कि इन्होंने अपना धर्म त्याग कर अचानक जिस धर्म से इनका वास्ता नहीं रहा उसे कैसे स्वीकार लिया होगा? वर्तमान धर्म परिवर्तन में भी यह प्रश्न उठ रहा है कि एक साथ इतनी संख्या में लोगों को कैसे हिंदू धर्म अस्वीकार्य लगा और बौद्ध धर्म के प्रति उनकी आस्था घनीभूत हो गई?

आयोजन में दिल्ली प्रदेश के मंत्री राजेंद्र पाल गौतम की सक्रियता ने मामले को ज्यादा विवादास्पद बना दिया है।आयोजन में दिल्ली प्रदेश के मंत्री राजेंद्र पाल गौतम गौतम की सक्रियता ने मामले को ज्यादा विवादास्पद बना दिया।

हालांकि कार्यक्रम के तीसरे दिन उन्हें इस्तीफा देना पड़ा लेकिन गौतम ने पहले अपना बचाव किया और बाद में कहा कि हम किसी धर्म के विरुद्ध टिप्पणी नहीं कर सकते।

कुछ बातें यहां ध्यान रखना जरूरी है। एक, पंथ और उपासना पद्धति व्यक्तिगत आस्था का मामला है। किंतु क्या वाकई इस आयोजन को व्यक्तिगत आस्था का मामला मान लिया जाए।

दो, हमारे आपके विश्लेषण पर निर्भर है कि राम कृष्ण ब्रह्मा विष्णु महेश को देवता नहीं मानने और उसकी पूजा न करने की शपथ किसी धर्म धर्म और उपासना पद्धति का अपमान है या नहीं?

तीन, हिंदुओं के बड़े समूह ने इसे अपने धर्म और देवी-देवताओं का अपमान माना है।

चार, हिंदू धर्म इतना उदार और व्यापक है कि इसके अंदर अनेक मत मतांतर रहे हैं और सब को सम्मान प्राप्त हुआ है।

शिव के उपासकों ने विष्णु की आलोचना की तो विष्णु के उपासकों ने शिव की और इन दोनों ने काली और दुर्गा की आलोचना की। किसी ने इन सबका सम्मान किया और सब के बीच समन्वय स्थापित किया। इस नाते विचार करें तो हमें इनकी भावना का सम्मान करना चाहिए।

पांच, आयोजकों की भाषा इतनी हैं उदार और विनम्र नहीं है। समारोह में डॉ. अंबेडकर के पड़पोते राजरत्न अंबेडकर ने लोगों को शपथ दिलाई। शपथ के रूप में बाबा साहेब की 22 प्रतिज्ञाओं को दोहराया जिनमें हिंदू देवी- देवताओं को न मानने और उनकी पूजा करने की बात थी। उनके वक्तव्य में हिंदू धर्म और भारतीय समाज व्यवस्था को लेकर आक्रामकता भरी हुई है। इनका कहना है कि बाबा साहब अंबेडकर ने 14 अक्टूबर, 1956 को स्वयं बौद्ध धर्म स्वीकारने के बाद चंद्रपुर में सामूहिक धर्म परिवर्तन के कार्यक्रम में जो 22 शपथ दिलवाए थे वही हमने दिलवाया है तो इसमें गलत क्या है? हमारे देश में अपने किसी कदम को सही ठहराने के लिए कोई न कोई महापुरुष सामने ला रख दिया जाता है।

बाबा साहब ऐसे महापुरुष हैं जिनके नाम पर कुछ भी करो का माहौल हो गया है।

आओ ग्रामीण महिलाओं को सशक्त करने हाथ बढ़ाएं

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर जगत जननी महिलाओं का एक विशेष महत्वपूर्ण दर्जा रहा है। दुनिया के हर देश के विकास में महिलाओं की विशेष भागीदारी रही है। उनकी मेहनत प्रोत्साहन और पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर उनके हाथ बढ़ाकर महिला पर्दे के पीछे से सशक्त रोल, पहल भी अदा करती है और आज भी अपनी जिम्मेदारी बहुत संजीदगी से निभाती है, जिसके कारण पहले की अपेक्षा वर्तमान परिपेक्ष में महिलाओं की स्थिति का कद बहुत ऊंचा हुआ है। पुरुष प्रधान स्थित अब धीरे-धीरे समानता की ओर बढ़ रही है आज महिलाएं सामाजिक राजनीतिक और आर्थिक क्षेत्र में दुनिया में अपना डंका बजा रही है अपनी सफलताओं के बल पर चाहे, वह अभी अभी बनी ब्रिटेन की पीएम हो या अमेरिका की कमला हैरस या फिर इन क्षेत्रों में भारत की बड़ी बड़ी महिला हस्तियां!! परंतु हम महसूस कर रहे हैं कि यह सब उपलब्धियां शहरी क्षेत्रों की महिलाएं द्वारा अपेक्षाकृत अधिक अर्जित की है बल्कि ग्रामीण महिलाओं का विकास हम आज तक वैश्विक स्तरपर अपेक्षाकृत कम देख रहे हैं चाहे वह कृषि, ग्रामीण हो या खाद्य सुरक्षा, गरीबी उन्मूलन जैसे अन्य क्षेत्र हो इनमें ग्रामीण महिलाओं के प्रति सजगता नहीं है। हम अनेक योजनाओं के अधीन महिलाओं के लिए चूल्हा गैस, घर राशन इत्यादि अनेक दैनिक जीवन चक्र चलाने में महिलाओं की इन्हें प्राथमिक जरूरतवस्तुओं की उपलब्धियां हर मौकों पर गिनाते हैं। 80 करोड़ जनता को राशन मुक्ति की समय सीमा बढ़ाते हैं, परंतु हमें इसकी भी सुनिश्चितता करनी चाहिए कि कितने चूल्हे एवं गैस अभी शुरू हैं!! आखिर 80 करोड़ जनता को मुफ्त राशन की समय सीमा बढ़ाने की जरूरत आखिर क्यों पड़ गई है? इत्यादि सवालों का जवाब हमें ग्रामीण महिलाओं के परिपेक्ष में सुनिश्चित कर स्थिति का आंकलन करना होगा। चूंकि 15 अक्टूबर 2022 को हम अंतर्राष्ट्रीय महिला ग्रामीण दिवस मना रहे हैं इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से आओ ग्रामीण महिलाओं को सशक्त करने हाथ बढ़ाएं।

साथियों बात अगर हम ग्रामीण महिलाओं की प्रमुख चुनौतियों की करें तो (1)सबसे बड़ी चुनौती ग्रामीण क्षेत्रों की बेटियों के लिए शिक्षा की है जिसके लिए उन्हें बाहर जाने आर्थिक मजबूरी है और शिक्षा से वंचित हो रही हैं (2) लैंगिक रूपरेखा (3)भावना की पीड़ा समुचित पोषणस्वच्छता एवं स्वास्थ्य(4) सुविधाओं का अभाव तथा महिलाओं के विरुद्ध लैंगिक हिंसा (5) ग्रामीण समाज का बंद परिवेश (6) पितात्मक मानसिकता शहर की तरह खुले पनकी सूट का अभाव (7)संसाधनों की कमी सहित अनेक चुनौतियों का सामना ग्रामीण महिलाओं को करना पड़ता है।

साथियों बात अगर हम अर्थव्यवस्था में ग्रामीण महिलाओं के अभूतपूर्व योगदान सहभागिता की करें तो महिलाओं को ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहा जाता है।अपनी देखभाल सुविधाओं के अलावा ग्रामीण अर्थव्यवस्था में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका के कारण महिलाओं को ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहा जाता है।ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित होने वाले उद्योगों एवं कुटीर उद्योगों में ग्रामीण महिलाओं के द्वारा श्रम बल के रूप में महती भूमिका निभाई जाती है।इसी के साथ ग्रामीण महिलाएं स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से कई सारे उत्पादन गतिविधियों में शामिल होकर आपूर्ति श्रृंखला में अपना योगदान देती है।विकासशील देशों में कृषि का अधिकांश कार्य महिलाओं के द्वारा किया जाता है जैसे विकसित देशों में कुल कृषि श्रम बल में महिलाओं का आंकड़ा 80 फ़ीसदी तक है तो वहीं भारत में है 43 फ़ीसदी है। हालांकि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और डीआरडब्ल्यूए के शोध के निष्कर्षों से पता चलता है कि महत्वपूर्ण फसलों के पैदावार के संदर्भ में महिलाओं के श्रमबल का हिस्सा 75 फ़ीसदी तक है।बागवानी और फसल कटाई के उपरांत अन्य कार्यों में महिला का श्रम बल में हिस्सा क्रमश: हिस्सा 79 फ़ीसदी और 51 फ़ीसदी है। पशुपालन और मत्स्य उत्पादन में यदि महिला श्रम बल का हिस्सा देखा जाए तो यह क्रमश: 58 फ़ीसदी और 95 फ़ीसदी है।आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार पुरुषों के शहरों की ओर पलायन होने से भारतीय कृषि मेंमहिलाओं का हिस्सा निरंतर बढ़ता जा रहा है। महिलाएं सभी कृषि गतिविधियों उदाहरण के लिए बुवाई से लेकर रोपाई, निराई, सिंचाई, उर्वरक डालना, पौध संरक्षण, कटाई, भंडारण इत्यादि से व्यापक रूप से जुड़ी हुई है। इसके साथ ही वह पशुपालन और अन्य सहायक कृषि गतिविधियों जैसे मवेशी पालन, चारे का संग्रह, दुग्ध उत्पादन, मधुमक्खी पालन, मशरूम उत्पादन, सूकर पालन, बकरी पालन, मुर्गी पालन आदि में भी अपनी पर्याप्त भूमिका सुनिश्चित कर रही है।अपनी आर्थिक सहभागिता के साथसाथ घरेलू कार्यों में भी ग्रामीणमहिलाएं महती भूमिका निभाती हैं जिसका उन्हें कोई परिश्रमिक नहींमिलता। इसमें खाना बनाना, साफ सफाई, बच्चों का पालन पोषण इत्यादि जैसी गतिविधियां शामिल है। साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय ग्रामीण महिला दिवस को मनाने के इतिहास और उद्देश्यों की करें तो 18 दिसंबर, 2007 को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा पारित एक प्रस्ताव 62/136 के अनुसार, 15 अक्टूबर को वैश्विक स्तरपर ग्रामीण महिलाओं के अंतर्राष्ट्रीय दिवस के रूप में मान्यता दी जाएगी। उस समय से, कई देशों में ग्रामीण महिलाओं का अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता रहा है। विश्वभर में। यह कठिनाइयों और रूढ़ियों के बावजूद, ग्रामीण घरों और समग्र रूप से समुदाय की निरंतरता सुनिश्चित करने में इन महिलाओं के लचीलेपन और उपलब्धियों का सम्मान करता है।

अखबार

मायानगरी की तस्वीरे
घनी बनाने की तरकीबें
वजन घटाने वाली गोली
गोरा करने वाली क्रीमें

कुछ विज्ञापन आकर्षक से
कुछ विज्ञापन है बेकार
काला चोला छोड़ छाड़कर
रंगों से सज बरखुरदार
लेकर खबरों का अंबार
कहाँ चले मिस्टर अखबार?

कैसे कर लेते हत्याओं
की खबरों को हजम मियाँ
कैसे सह लेते हो झूठों
मक्कारों को सहन मियाँ
कैसे युद्धों और दंगों की
खबरों पर चुप रहते हो
चोरों और मुनाफाखोरो
से भी कुछ नहीं कहते हो

फड़ फड़ करते बारंबार
कहाँ चले मिस्टर अखबार?

सुनो दोस्त! मुझ पर आरोपों
की बरसातें ठीक नहीं
मैं बचाव भी करता हूँ
क्या लगती बातें ठीक नहीं
साहसभरी साफ़गोई और
न्याय नीति भी लाता हूँ
शिक्षा, कला , खेलकूद
इतिहास, धर्म सिखलाता हूँ

शार्ट न्यूज

बीजेपी सांसद मनोज तिवारी की इकलौती बहन की हार्ट अटैक से मौत, गम में डूबा परिवार

वाराणसी। भोजपुरी गायक-अभिनेता और भाजपा सांसद मनोज तिवारी की इकलौती बहन माया चौबे का गुरुवार को निधन हो गया। बहन के अंतिम संस्कार में शामिल होने मनोज तिवारी दिल्ली से बनारस पहुंचे। वह सामने घाट स्थित बहन के आवास पहुंचे। इकलौती बहन की अचानक मृत्यु से हतप्रभ मनोज कुछ भी कहने की स्थिति में नहीं दिखे। उनकी बहन माया चौबे को गुरुवार की भोर में अचानक हृदयाघात हुआ। जब तब परिजन अस्पताल लेकर पहुंचते उन्होंने दम तोड़ दिया। उनकी अवस्था 56 वर्ष थी। वह पांच भाई बहनों में तीसरे नंबर पर थीं। उनका अंतिम संस्कार मणिकर्णिका घाट पर किया गया। मुखाग्नि उनके पति कन्हैया चौबे ने दी। मनोज तिवारी के साथ ही उनके सबसे बड़े भाई साधु शरण तिवारी, दूसरे नंबर के दुर्गाशंकर तिवारी और छोटे भाई अशोक तिवारी ने भी इकलौती बहन के पार्थिव शरीर को कंधा दिया। अंतिम यात्रा में कृष्णा चौबे, डॉ अशोक राय, कन्हैया दुबे केडी, गुलशन कपूर, प्रभुनाथ राय, बंटी सोनकर, आनंद बारी, विशाल शर्मा सहित बड़ी संख्या में कलाकार, साहित्यकार और शुभचिंतक मौजूद रहे।

पिता ने मोबाइल देखने से मना किया तो बेटी ने खुद को फांसी लगाकर कर ली खुदकुशी

गोरखपुर। गोरखपुर के शाहपुर इलाके में एक पिता ने बेटी को मोबाइल देखने से मना किया तो बेटी ने फंदे से लटककर खुदकुशी कर ली। गुरुवार की सुबह आठ बजे तक बाहर न निकलने पर पिता ने धक्का देकर दरवाजा खोला तो पंखे से बंधे दुपट्टे से शव लटक रहा था। शाहपुर पुलिस मामले की जांच कर रही है। बिहार, सिवान जिले के ममवलिया निवासी राजेश श्रीवास्तव शाहपुर थाना क्षेत्र के इद्रप्रस्थपुरम कालोनी में मकान बनवाकर परिवार के साथ रहते हैं। उनकी 15 वर्षीय बेटी दिव्यांशी हाईस्कूल में पढ़ती थी। बुधवार की रात नौ बजे वह कमरे में बैठकर मोबाइल फोन देख रही थी। इसी दौरान कमरे में पहुंचे राजेश ने डांटते हुए मोबाइल फोन बंद करके पढाई करने को कहा। पिता के जाने पर दिव्यांशी ने दरवाजा बंद कर लिया। गुरुवार की सुबह आठ बजे तक दिव्यांशी के कमरे से बाहर न निकलने पर पिता और सौतेली मां ने आवाज दी लेकिन उसने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। पांच साल पहले दिव्यांशी की मां की मृत्यु हो गई थी। जिसके बाद पिता ने दूसरी शादी कर ली। प्रभारी निरीक्षक थाना शाहपुर रणधीर मिश्रा ने बताया कि राजेश श्रीवास्तव ने बताया कि रात में बेटी मोबाइल देख रही थी। डांटने हुए उसे पढ़ने के लिए कहा था, जिससे आहत होकर उसने खुदकुशी कर ली है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मृत्यु की वजह स्पष्ट होगी।

वहशी बना पति : पहले डंडों से की पत्नी की पिटाई, फिर गला दबाकर मार डाला

रायबरेली। यूपी के रायबरेली में एक पति ऐसा वहशी बना कि उसने अपनी पत्नी को डंडे से पीट-पीटकर बेहाल कर दिया। इसके बाद गला दबाकर उसकी जान ले ली। पति-पत्नी में किसी मामूली बात को लेकर झगड़ा हुआ था। रायबरेली के गुरुबख्शगंज थाने के अटौरा चौकी क्षेत्र के पूरे सोमवंशी गांव में यह घटना हुई है। मिली जानकारी के अनुसार पूरे सोमवंशी गांव में मजरा अटौरा के रहने वाले बच्चूलाल और उसकी पत्नी विन्देश्वरी के बीच किसी मामूली बात पर विवाद हो गया। तू-तू, मैं-मैं के दौरान पति ने आपा खो दिया। उसने पत्नी की डंडे से पिटाई शुरू कर दी। बाद में गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। विन्देश्वरी की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने विन्देश्वरी के शव को सील कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है।

जौनपुर : मामूली विवाद में मां बेटे ने पड़ोसी युवक की हत्या की

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में हत्या का नायाब तरीका अपनाते हुए एक मां ने बेटे के साथ मिलकर मामूली विवाद में पड़ोसी युवक के प्राइवेट पार्ट पर इस प्रकार हमला किया कि उसकी तत्काल मौत हो गयी। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि सुजानगंज थाना क्षेत्र के सर्वेमऊ गांव में आज सुबह मामूली विवाद में एक महिला ने अपने बेटे के साथ मिलकर पड़ोसी युवक के प्राइवेट पार्ट पर हमला करके उसे मौत के घाट उतारा दिया। यह वारदात पूरे इलाके में चर्चा का विषय बन गयी है। मृतक के परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके आरोपियों की तलाश शुरु कर दी है। पुलिस के अनुसार सर्वेमऊ गांव के निवासी के सत्यप्रकाश शुक्ला (26 साल) सुबह घर के बाहर नाली की सफाई कर रहे थे। इसी बीच किसी विवाद को लेकर पड़ोस की एक महिला ने अपने पुत्र के साथ उनके ऊपर हमला बोल दी। आरोप है कि सत्यप्रकाश के प्राइवेट पार्ट पर भी हमला किया गया। बेहोशी की हालत में उन्हें सुजानगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां पर डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) देहात शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। परिवार वालों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज करके कार्रवाई की जा रही है। घटना के पश्चात मां बेटे फरार हो गए हैं दोनों की तलाश की जा रही है।

बीटेक छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म के दो आरोपी गिरफ्तार

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर जिले में इंजीनियरिंग (बीटेक) की छात्रा के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने बीती रात दो आरोपियों को एक मुड़भेड़ में गिरफ्तार किया है। पुलिस की गिरफ्त से भागने के प्रयास में एक अपराधी को पुलिस की गोली भी लग गयी है। सुलतानपुर के पुलिस अधीक्षक सोमेन वर्मा ने बताया कि गत 07 अक्टूबर को लखनऊ में बीटेक की पढाई कर रही छात्रा शाम को सुलतानपुर रेलवे स्टेशन पहुंची। जहां से एक स्कॉर्पियो सवार दो व्यक्तियों ने छात्रा को जयसिंहपुर पहुंचाने के लिये लिफ्ट देकर बैठा लिया। रास्ते में जयसिंहपुर थाना क्षेत्र के अन्तर्गत सुनसान जगह पर लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। पुलिस ने थाना जयसिंहपुर में मुकदमा पंजीकृत किया गया। विवेचना के दौरान सूरज पाण्डेय व रंजीत उपाध्याय की गिरफ्तारी हुई। रंजीत उपाध्याय द्वारा घटना के दिन प्रयुक्त कपडों की बरामदगी हेतु पुलिस द्वारा घटनास्थल पर लाया गया। जहां पर रंजीत उपाध्याय ने घटना स्थल पर छुपाये गये अपने अवैध असलहे से पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग की। जिसमें रंजीत को गोली लग गयी। उसे इलाज हेतु प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र जयसिंहपुर पहुंचाया गया है। विवेचना के क्रम में अपराध में प्रयुक्त एक स्कॉर्पियो गाड़ी ,तमंचा और फॉरेंसिक एवं डिजिटल साक्ष्य प्राप्त हुए हैं।

सहारनपुर : अतिवृष्टि से 172 मकान क्षतिग्रस्त, दी जायेगी 30 लाख रुपये की क्षतिपूर्ति

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में बारिश में जनधन की हानि के आकलन के आधार पर शासन की ओर से 30 लाख रुपये की क्षतिपूर्ति दी जायेगी। बारिश के दौरान जिले में 172 मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं। जिला प्रशासन की ओर से दी गयी जानकारी के अनुसार अतिवृष्टि के चलते जनधन की हानि के एवज में आपदा विभाग की ओर से प्रभावित परिवारों को 30 लाख 45 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) रजनीश मिश्र ने शुक्रवार को बताया कि जिले में किसी भी किसान का 15 फीसद से ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है। नियमानुसार 33 प्रतिशत से ज्यादा फसल नष्ट होने पर ही सरकार की ओर से मुआवजा मिलता है। अतिवृष्टि से हुए नुकसान के आकलन में पूरे जिले में 172 मकान क्षतिग्रस्त होने की बात सामने आयी है। बारिश के दौरान ग्राम कोटतला में मकान की छत गिरने एक व्यक्ति की मौत हुयी थी, उसके परिजनों ने राहत सहायता लेने से मना कर दिया। ग्राम गोरधनपुर ढुलानी में एक व्यक्ति की नदी में डूबने से मौत हो गई थी। गांव गंदेवड़ में एक व्यक्ति की जोहड़ में डूबने से मौत हुई थी। मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये की सहायता दी गई। गांव जयंतिपुर में एक महिला की सांप द्वारा काटे जाने से मौत हो गई थी। गांव चंदाबाई कालोनी की एक महिला की नदी में डूबने से मौत हो गई उनके परिजनों को भी चार-चार लाख रूपए की सहायता प्रदान की गई।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर कंटेनर के अंदर घुसी कार, चार लोगों की मौत

धंसी सड़क वाली जगह पर हादसा

एजेंसी

सुल्तानपुर। पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर सुल्तानपुर में बड़ा हादसा हुआ है। यहां कंटेनर से टक्कर के बाद कार उसी के अंदर घुस गई है। हादसे में कार सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा उसी जगह पर हुआ है जहां पिछले दिनों सड़क धंस गई थी और एक कार फंस गई थी। मौके पर पुलिस व यूपीडा की टीम ने राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया है। घटना हलियापुर थाना क्षेत्र के चरू83.750 पर हुई है।

बताया जाता है कि कार सुलतानपुर की ओर से जा रही थी और लखनऊ की ओर से उसी रोड पर आ रहे कंटेनर ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का इंजन और चारों लोग दूर जा गिरे। एक व्यक्ति का सिर धड़ से अलग हो गया। कार के परखच्चे उड़ गए हैं। मृतकों की पहचान अब तक नहीं हो सकी है।

कार पर यूके 01 सी 0009 नंबर अंकित है, जो उत्तराखंड का बताया जा रहा है। कार के नम्बर के जरिए मृतकों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। क्रेन मंगवा कर वाहनों को हटवाया जा रहा है। इसी पहले हलियापुर थाने के इस स्थान से थोड़ा दूर पर बीते दिनों सड़क धसने के कारण बड़ा गड्ढा बन गया था। बीते गुरुवार को भारी बरसात के बाद KM 83 पर 5 फीट गहरा और 15 फीट चौड़ा सड़क पर गड्ढा हो गया था। जिसमें एक कार फंस गई थी।

बताया जाता है कि हाई स्पीड को हादसे का कारण बताया जा रहा है। यूपीडा के अधिकारी जांच कर रिपोर्ट देंगे। सभी उतराखंड के निवासी हैं। अभी और जानकारी की जा रही है।

बेतवा नदी के कंचना घाट पर होगा गंगा आरती का आयोजन

झांसी। उत्तर प्रदेश की वीरांगना नगरी झांसी के निकट बेतवा नदी के कंचना घाट पर दिव्य आलौकिक गंगा आरती का आयोजन होने जा रहा है। गंगा समग्र ओरछा आरती समिति के प्रदेश प्रभारी राजस्थान राजेंद्र सिंह कुशवाहा ने शुक्रवार को संवाददाताओं को इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि झांसी के निकट रामराजा सरकार की नगरी ओरछा धाम में शनिवार को इस महाआरती का आयोजन किया जायेगा। शाम पांच बजे इस कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ़ रामविलास वेदांती पूर्व सांसद और कार्यकारी अध्यक्ष श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या धाम, विशिष्ट अतिथि सांसद झांसी -ललितपुर अनुराग शर्मा होंगे। इसके अलावा राजेश जी प्रांत संयोजक गंगा समग्र कानपुर प्रांत, झांसी सदर विधायक रवि शर्मा, विधायक निवाडी अनिल जैन सहित कई अन्य गणमान्य उपस्थित रहेंगे।

वाराणसी के कब्रिस्तान में हुई चार लोगों की हत्या में तीन को फांसी, महिला को उम्रकैद

वाराणसी । वाराणसी के बेनियाबाग स्थित कब्रिस्तान में चार लोगों के बहुचर्चित हत्याकांड में शुक्रवार को जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत ने फैसला सुना दिया। मामले में दोषी पाए गए अमजद, रमजान व अरशद को फांसी की सजा सुनाई गई है। एक महिला आरोपित शकीला को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। चारों लोगों पर 75-75 हजार का जुर्माना भी लगाया गया है। जुर्माना की आधी राशि पीड़ित परिवार को दी जाएगी। मामले में एक अन्य आरोपित इकबाल राइन पहले ही आरोप सिद्ध न होने पर दोषमुक्त हो चुका है। अदालत में अभियोजन की ओर से डीजीसी आलोक चंद्र शुक्ला व वादी के अधिवक्ता अनिल कुमार सिंह, मोहम्मद फौजुद्दीन खान ने पक्ष रखा। अभियोजन पक्ष के अनुसार सरायगोवर्धन चेतगंज निवासी सईद उर्फ काजू ने 16 जून 2012 को चौक थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। आरोप था कि रात साढ़े 8 बजे वह अपने दो भाइयों मो. शफीक उर्फ राजू और मो. शकील उर्फ जाऊ, भतीजे चांद रहीमी व शालू के साथ बाबा रहीम शाह की मजार से निकलकर घर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान अमजद, इकबाल राइन, अरशद, रमजान व अमजद की पत्नी शकीला व उसकी बेटी शबनम आदि ने कब्रिस्तान के समीप घेर लिया और बांस के डंडे से बेतहाशा सिर व शरीर पर मारना शुरू कर दिया। शोर सुनकर मजार की साफ-सफाई करने वाले कामिल भाई और भतीजा बीच बचाव करने पहुंचे तो हमलावरों ने उन्हें भी मारना-पीटना शुरू कर दिया। पिटाई से मौके पर ही भाई शफीक उर्फ राजू व कामिल भाई की मौत हो गई। एक और भाई शकील उर्फ जाऊ की मौत अस्पताल पहुंचने पर हो गई। वहीं घटना में गंभीर रूप से घायल भतीजे चांद रहीम की कुछ दिनों बाद उपचार के दौरान मौत हो गई थी। अदालत में अभियोजन की ओर से कुल 13 गवाहों को पेश कराया गया।

सहारनपुर : सभी छह चीनी मिलों में 28 अक्टूबर से होगा पेराई सत्र प्रारंभ

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले की गन्ना पट्टी में स्थित सभी छह चीनी मिलों में इस साल के गन्ना पेराई सत्र की शुरुआत आगामी 28 अक्टूबर से हो जायेगी। जिला गन्ना अधिकारी आरडी द्विवेदी ने शुक्रवार को बताया कि गन्ना पेराई सत्र को लेकर चीनी मिलों की तैयारियां पूरी हो गई हैं। इस साल 28 अक्टूबर से 06 नवंबर के बीच पेराई सत्र शुरू हो जायेगा। उन्होंने बताया कि गन्ना किसानों का गन्ना कलेंडर जारी कर दिया गया है। गन्ना सत्र शुरू किए जाने को लेकर किसानों में भारी उत्साह है। गन्ना विभाग ने किसानों के बेसिक कोटे के मुख्य गन्ना कलेंडर को ई-गन्ना एप पर जारी कर दिया है। जिला गन्ना अधिकारी ने कहा कि किसानों को किसी भी तरह की कोई समस्या नहीं आने दी जाएगी।

पब्जी गेम खेलते हुए निकाल ली असली बंदूक, दोस्त की गोली मारकर हत्या

एजेंसी

आजमगढ़। आजमगढ़ नगर कोतवाली के एलवल में युवक की हुई हत्या की घटना का पुलिस ने शुक्रवार को खुलासा किया। पबजी खेल के विवाद में युवक की गोली मार कर हत्या की गई थी। पुलिस ने घटना में शामिल तीन लोगों को गिरफ्तार किया है।

नगर के एलवल में मंगलवार की शाम दिव्यांशु चौधरी घर से घूमने के लिये निक्की के हाता के तरफ गया था। हाता के पास उसकी गोली मार कर हत्या कर दी गई थी।

दिव्यांशु के पिता विजय कुमार चौधरी की तहरीर पर पुलिस चार नामजद व अज्ञात के रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही थी। शुक्रवार को कोतवाल शशीचन्द्र चौधरी अपराध निरीक्षक राजेश कुमार, उप निरीक्षक संजय कुमार सिंह व एलवल चौकी प्रभारी उप निरीक्षक विजय प्रताप सिंह ने मुखबिर की सूचना पर रोडवेज के पास घटना में शामिल अभियुक्त सौरभ यादव उर्फ निरहू, गुड्डु शर्मा व राजीव यादव उर्फ राजू निवासीगण एलवल को गिरफ्तार किया।

घटना का खुलासा करते हुए एसपी सिटी शैलेन्द्र लाल ने बताया कि घटना के समय अभिषेक उपाध्याय उर्फ निक्की के हाता में ये सभी पबजी खेल रहे थे। खेलते समय दिव्यांशु से विवाद हो गया। कहा सुनी के बाद धक्का मुक्की होने लगी।

दिव्यांशु ने मारने के लिए दौड़ा लिया। इसके बाद लोगों ने दिव्यांशु को गोली मार दी थी। एसपी सिटी ने बताया कि घटना में शामिल अभिषेक उपाध्याय उर्फ निक्की ने न्यायालय में समर्पण कर दिया है।

बरेली के सत्कार रेस्टोरेंट में घुसाई कार, वन राज्यमंत्री के भतीजे को दो साथियों समेत किया गिरफ्तार

बरेली। रेस्टोरेंट में तोड़फोड़ और कर्मचारियों पर कार चढ़ाने के आरोपी अमित सक्सेना को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। अमित वन राज्यमंत्री एवं नगर विधायक डॉ. अरुण कुमार का भतीजा है। शासन तक मामला पहुंचने के बाद मुकदमे में जानलेवा हमले की धारा बढ़ाकर पुलिस ने गुरुवार शाम कार्रवाई की। शुक्रवार को उसे कोर्ट में पेश किया जाएगा। अमित के दो साथियों को हिरासत में लिया गया है। मामला मंगलवार की रात का है। जनकपुरी में सत्कार रेस्टोरेंट पर वन राज्यमंत्री डॉ. अरुण कुमार के भतीजे अमित सक्सेना और उसके साथियों ने जमकर हंगामा किया था। रेस्टोरेंट के स्टाफ से मारपीट के दौरान जानलेवा हमला कर कार चढ़ा दी थी। साथ ही आरोप है कि एक लाख रुपये की रंगदारी भी मांगी थी। घटना की सीसीटीवी फुटेज वायरल हो गई थी। बुधवार को मामले में रेस्टोरेंट मालिक नरेश कश्यप के बेटे सुशांत कश्यप की तहरीर पर थाना प्रेमनगर में अमित और उसके साथियों के खिलाफ एकराय होकर हमला करने, धमकी देने और रंगदारी मांगने के आरोप में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी।

दोपहर से सक्रिय हुई पुलिस मंत्री के भतीजे के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज होने के बाद यह मामला सुर्खियों में आ गया। कहा जा रहा है कि इसके बाद शासन ने सख्ती दिखाई और बरेली के उच्च अधिकारियों से पूरे मामले की जानकारी लेकर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए। मगर जिन धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई थी, उनमें गिरफ्तारी का प्रावधान नहीं था। इसके बाद तहरीर के आधार पर मुकदमे में जानलेवा हमले की धारा बढ़ाकर अमित की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने दबिश देना शुरू कर दिया। देर रात अमित को गिरफ्तार कर लिया गया।

पुराने मामले से लिया सबक जून में अमित और उसके साथियों के डेलापीर मंडी गेट पर होमगार्ड के प्लाटून कमांडर ओमेंद्र से मारपीट और अभद्रता की थी। इस मामले में थाना इज्जतनगर में ओमेंद्र ने रिपोर्ट भी दर्ज कराई थी। मगर मामला मंत्री से जुड़ा होने के चलते पुलिस ने कई दिन तक कार्रवाई नहीं की। जब पुलिस की काफी फजीहत हुई तो उसका शांतिभंग में चालान कर दिया और कुछ ही देर में उसे जमानत मिल गई थी। इस वजह से उसके हौसले बढ़े हुए थे और उसने रेस्टोरेंट पर हंगामा कर दिया। यही वजह है कि पुलिस इस पर बार उस पर कड़ी कार्रवाई कर सबक सिखाने की तैयारी में है।

रायबरेली : अस्पताल में गैस की गंध फैलने पर अफरातफरी

रायबरेली। उत्तर प्रदेश में रायबरेली के जिला अस्पताल में शुक्रवार को उस समय अफरा तफरी मच गई, जब किसी गैस की तीखी गंध अचानक फैलने लगी। अस्पताल प्रशासन ने तत्काल मरीजों को गैस प्रभावित वार्ड से हटाकर दूसरे वार्ड में पहुंचाया। इसकी सूचना मिलने पर रायबरेली की जिलाधिकारी माला श्रीवास्तव भी तत्काल अस्पताल पहुंच गई। अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक डा अल्ताफ ने बताया कि जिस समय गैस का रिसाव हुआ, उस समय वह टेलीमेडिसिन विभाग में थे। उन्होंने तुरंत गैस प्रभावित वार्डों के मरीजों को अन्यत्र शिफ्ट कराया। इस बीच जिलाधिकारी ने भी जिला अस्पताल पहुंच कर हालात का जायजा लिया।

लखीमपुर जा रहे डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के काफिले की गाड़ियों में टक्कर

एंबुलेंस और जीप क्षतिग्रस्त, 10 घायल

सीतापुर। लखीमपुरखीरी जा रहे उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक के काफिले में भीषण हादसा हो गया। कापिले में चल रही पुलिस स्कार्ट वाहन को एम्बुलेंस ने पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एंबुलेंस बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। वहीं पुलिस की जीप भी पीछे से क्षतिग्रस्त नजर आई। हादसे में पुलिसकर्मी और डॉक्टर समेत करीब 10 लोग घायल हो गए हैं।

हादसा सीतापुर और लखीमपुर रास्ते कोतवाली देहात क्षेत्र में नानकारी पुलिया के पास हुआ है। भारी पुलिस और बचाव करने वाले अधिकारी कर्मचारी पहुंच गए सभी को जिला अस्पताल भर्ती कराया गया है हालांकि कुछ घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया। डिप्टी सीएम का काफिला लखीमपुर के लिए रवाना हो गया है। दरअसल डिप्टी सीएम बृजेश पाठक पहले हेलीकॉप्टर से जाने वाले थे।

सीतापुर के जीआईसी ग्राउंड से उन्हें वाया सड़क मार्ग जाना था, मगर लखनऊ से ही वह सड़क मार्ग से निकले। घायलों पुलिसकर्मियों में राजेश रावत वाहन चालक, सब इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार मिश्र, हेड कांस्टेबिल राजवीर सिंह, इंद्रसेन सिंह, कांस्टेबिल मोहम्मद नसीम व सुभाष शामिल हैं।

मेडिकल टीम में शामिल डॉ. नबी सरवर, डॉ. पीसी विश्वकर्मा, फार्मासिस्ट विनय सिंह, राजीव कुमार लैब सहायक, अरशद जमाल फिजियोथेरेपिस्ट व एम्बुलेंस स्टाफ विशाल वर्मा व राम बाबू शामिल हैं।

सड़क निर्माण में वरदान साबित हो रही है एनटीपीसी की राख

रायबरेली। उत्तर प्रदेश में रायबरेली में स्थित राष्ट्रीय ताप ऊर्जा निगम (एनटीपीसी) के बिजली घर से निकलने वाली राख का सड़क निर्माण में हो रहा इस्तेमाल 'अपशिष्ट प्रबंधन' की नजीर साबित हो रहा है।

इस लिहाज से रायबरेली के ऊंचाहार में स्थित एनटीपीसी का यह सयंत्र 'आम के आम, गुठलियों के दाम, कहावत को चरितार्थ करते हुए न सिर्फ विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में अनेक कीर्तिमान स्थापित कर रहा है, बल्कि बिजली उत्पादन के अनिवार्य अपशिष्ट के रूप में निकलने वाली राख का भी देश के विकास में इस्तेमाल करने का उत्कृष्ट उदाहरण पेश कर रहा है।

एनटीपीसी की ओर से शुक्रवार को जारी एक परिपत्र के अनुसार ऊंचाहार परियोजना ने वित्तीय वर्ष 2020-21 में 166 प्रतिशत तथा 2021-22 में 160 प्रतिशत राख का सदुपयोग करके एनटीपीसी की अन्य परियोजनाओं में शानदार कीर्तिमान स्थापित किया है। जिसे विद्युत मंत्रालय द्वारा भी सराहा गया है।

विद्युत उत्पादन के दौरान लगभग 80 प्रतिशत फ्लाई ऐश व 20 प्रतिशत पॉन्ड ऐश निकलती है। फ्लाई ऐश का सदुपयोग सीमेंट, एस्बेस्टस तथा ईंट निर्माण में शत-प्रतिशत किया जाता है। जबकि पॉन्ड ऐश का शत-प्रतिशत सदुपयोग सड़क निर्माण में किया जा रहा है। वर्तमान में सड़क निर्माण के क्षेत्र में प्रयागराज-फाफामऊ बाईपास, कानपुर-प्रयागराज हाईवे, लखनऊ रिंग रोड प्रथम व द्वितीय व रायबरेली रिंग रोड के सभी फेज, लालगंज-उन्नाव रोड के निर्माण में एनटीपीसी की राख एनएचएआई, यूपीडा व पीडब्लयूडी के माध्यम से शत-प्रतिशत मुहैया करवाई जा रही है।

इतना ही नहीं गंगा एक्सप्रेस वे तथा अयोध्या मार्ग के लिए एनटीपीसी की राख की भारी मांग की जा रही है।

ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में यूपी के छात्र को 11 बार चाकू से गोदा, हालत गंभीर; हमलावर गिरफ्तार

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में यूपी के आगरा मूल के 28 वर्षीय छात्र पर जानलेवा हमला हुआ है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि देर रात सड़क पर पैदल चलते वक्त हमलावर ने उस पर चाकू से 11 बार हमला किया। छात्र की हालत अभी भी चिंताजनक बनी हुई है। उसके चेहरे, छाती और पेट पर गंभीर घाव हैं। पुलिस ने हत्यारोपी को गिरफ्तार कर लिया है। दूसरी ओर उसके मां-पिता अभी भी ऑस्ट्रेलिया जाने के लिए वीजा पाने की कोशिश में हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से मदद भी मांगी है।

सिडनी में न्यू साउथ वेल्स विश्वविद्यालय से पीएचडी कर रहे 28 वर्षीय शुभम गर्ग पर 6 अक्टूबर को हमला किया गया था। उनके माता-पिता, जो उत्तर प्रदेश के आगरा में रहते हैं, ऑस्ट्रेलिया जाने के लिए वीजा पाने की कोशिश कर रहे हैं। शुभम 1

सितंबर को आईआईटी मद्रास से ग्रेजुएशन करने के बाद ऑस्ट्रेलिया गए थे।

ऑस्ट्रेलियाई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शुभम 6 अक्टूबर की रात करीब 10.30 बजे सड़क से पैदल गुजर रहा था। इसी दौरान एक शख्स उससे टकराया और चाकू की नोंक पर पैसे मांगे। जब शुभम ने इनकार कर दिया तो हमलावर चाकू से कई वार करके शुभम को खून से लथपथ अवस्था में छोड़कर भाग निकला।

शुभम के चेहरे, छाती और पेट पर कई घाव हैं, रिपोर्ट्स में कहा गया है कि उस अवस्था में भी वह पास के एक घर में जाने में कामयाब रहा और कुछ लोगों की मदद से उसे अस्पताल ले जाया गया। उधर, पुलिस ने मामले में 27 वर्षीय एक व्यक्ति को हत्या के प्रयास के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शुभम को हमलावर के बारे में पता नहीं था। सूत्रों ने बताया कि इस बात का कोई सबूत नहीं है कि यह एक नस्लवादी हमला था।

अपील पर हरकत में आई सरकार

शुभम को कई सर्जरी की जरूरत थी, उसकी बहन काव्या गर्ग ने ट्वीट में भारत सरकार से आपातकालीन वीजा के साथ परिवार की मदद करने की अपील की गई है। बीते बुधवार को पीएमओ, विदेश मंत्री एस जयशंकर और यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ को टैग करके काव्या ने ट्वीट किया, यूपी के रहने वाले 28 वर्षीय मेरे भाई शुभम गर्ग पर ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में चाकू से 11 बार बेरहमी से हमला किया गया था और वह गंभीर स्थिति में है। हम इस मामले में आपकी तत्काल मदद और परिवार के सदस्य को उसकी देखभाल के लिए आपातकालीन वीजा चाहते हैं। काव्या ने गुरुवार को भी ट्वीट किया, अपडेट !! मेरे भाई के कई ऑपरेशन चल रहे हैं और डॉक्टर ने कहा कि शरीर में संक्रमण फैल रहा है। इस मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से तत्काल मदद के लिए अनुरोध करती हूं। परिवार की अपील के बाद सरकार हरकत में आई है। ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग के एक प्रवक्ता ने बताया, सिडनी में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने परिवार को सहायता प्रदान की है। ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग परिवार के एक सदस्य के लिए वीजा की सुविधा के लिए सहायता कर रहा है।

योगी ने गोरखपुर व महराजगंज जिलों में किया बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा

गोरखपुर/महराजगंज। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को गोरखपुर और महराजगंज जिलों में बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर इनमें चलाये जा रहे राहत अभियान का निरीक्षण कर बाढ़ पीड़ितों से भी मुलाकात कर उन्हें दी जा रही सहायता की जानकारी ली।

मुख्यमंत्री ने इस दौरान गोरखपुर जिले में कैंपियरगंज और सहजनवां में हवाई सर्वेक्षण कर बाढ़ की स्थिति का निरीक्षण कर बाढ़ प्रभावितों का कुशलक्षेम पूछा और संवाद किया। मुख्यमंत्री ने इन इलाकों में बाढ़ प्रभावितों को राहत सामग्री भी वितरित की।

उन्होंने इलाके में अतिवृष्टि के कारण हुयी गृह हानि तथा पशुधन की

हानि से प्रभावित हुए लोगों को मुआवजा वितरित किया। इसके अलावा 13 अन्य ऐसे लोगों को अनुदान राशि का चेक वितरित किया जो अतिवृष्टि से प्रभावित हुये।

योगी ने बाढ़ की स्थिति में सभी जनप्रतिनिधियों तथा जिला प्रशासन के अधिकारियों से बाढ़ प्रभावितों की सेवा में तत्परता से कार्य करने का आह्वान करते हुए उनके अब तक के काम की सराहना भी की। उन्होंने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार ने सभी पीड़ित परिवारों के लिए हर प्रकार की सहायता के लिए पर्याप्त धनराशि और सामग्री सभी प्रभावित जनपदों को उपलब्ध करायी है।

मुख्यमंत्री ने बाढ़ के कारण जिन लोगों के मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं, उन्हें मुख्यमंत्री आवास योजना की तर्ज पर आवास बनाने के लिए 01 लाख 20 हजार रुपये की दर से धनराशि उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि आपदा से हुई जनहानि पर पीड़ित परिवार को 04 लाख रुपये की आर्थिक सहायता तत्काल प्रदान करने को कहा।

योगी ने कहा कि बाढ़ प्रभावित किसानों को नि:शुल्क दलहन, तिलहन तथा सब्जी के बीज उपलब्ध कराने की कार्रवाई चल रही है। उन्होंने कहा कि जहां भी जलजमाव हुआ है या बाढ़ की स्थिति है, वहां पर्याप्त संख्या में नौकाओं की व्यवस्था करते हुए लोगों को सुरक्षा दी जाये।

योगी ने काशी का 101वीं बार दौरा किया

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने काशी यात्रा का शतक पूरा कर शुक्रवार को 101वीं बार वाराणसी के संक्षप्त प्रवास पर ओ। भगवान बुद्ध की उपदेश स्थली सारनाथ स्थित बुद्धा थीम पार्क सभागार में योगी ने 'सद्भावना वाराणसी अध्याय' कार्यक्रम में शिरकत करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश को 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' बनाने के लिए सभी की सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया। यह कार्यक्रम दिल्ली के सामाजिक संगठन 'हैर्टफेल्ट द लिगेसी ऑफ फेथ' एवं 'एनआईडी फाउंडेशन' द्वारा आयोजित किये गये थे। योगी ने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय मे भारत, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दुनिया की महाशक्ति बनेगा और विश्व कल्याण का नेतृत्व करेगा। उन्होंने दलील दी कि भारत ब्रिटेन को पीछे कर दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था बनी है। शीघ्र ही भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने वाला है। उन्होंने विशेष रूप से जोर देते हुए कहा कि यदि देश के 135 करोड़ लोग मिलकर कार्य करें तो भारत शीघ्र ही विश्व का पहला अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया में एक बहुत बड़े ताकतवर देश के रूप में उभर रहा हैं। यह सौभाग्य की बात है कि देश का नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों में हैं। जिन्होंने वैदिक उद्घोष को अपने जीवन का हिस्सा बनाया है। उन्होंने कहा कि एक नेता एक लंबे समय तक जन विश्वास को कायम नहीं रख सकता। यह चुनौती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो कहते हैं, वही करते हैं।

शार्ट न्यूज

रुपया पांच पैसे चढ़ा

मुंबई। दुनिया की प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर के स्थिर रहने के बीच घरेलू स्तर पर शेयर बाजार में रही तेजी के बल पर आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया पांच पैसे चढ़कर 82.19 रुपये प्रति डॉलर पर रहा। रुपया पिछले दिवस नौ पैसे चढ़कर 82.24 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। रुपया आज तीन पैसे टूटकर 82.27 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। सत्र के दौरान यह 82.43 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक टूटा लेकिन शेयर बाजार में रही तेजी से विदेशी मुद्रा प्रवाह बढ़ने की उम्मीद में इसमें तेजी लौटी और यह 82.12 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर तक चढ़ा। अंत में यह पिछले दिवस की तुलना में पांच पैसे की तेजी लेकर 82.19 रुपये प्रति डॉलर पर रहा।

मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स का दिल्ली में विस्तार

नयी दिल्ली। आभूषणों के स्टोरों का नेटवर्क संचालित करने वाली कंपनी मलाबर गोल्ड एंड डायमंड्स ने आज राजधानी दिल्ली में अपना विस्तार करते हुये धनतेरस से पहले आज अपना सिंग्चेनर आर्टिस्टी स्टोर लाँच करने की घोषणा की। इस मौके पर मलाबार समूह के अध्यक्ष एम पी अहमद ने कहा कि आर्टिस्टी स्टोर का उद्देश्य हर अवसर के लिए आभूषणों का एक अद्वितीय चयन प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि साउथ एक्स में खुले इस स्टोर से दिल्ली के लोग शानदार अनुभव करेंगे। उन्होंने कहा कि यह स्टोर कंपनी के खुदरा उपस्थिति को बढ़ाता है और इस वित्तीय वर्ष में समूह की तेजी से राष्ट्रव्यापी विस्तार रणनीति का अनुरूप है। कंपनी अभी 285 स्टोर के साथ दुनिया भर के 10 देशों में मौजूद है। अहमद ने कहा कि समूह की सीएसआर पहल के तौर पर उनकी कंपनी दिल्ली एनसीआर में विभिन्न धर्मार्थ और परोपकारी गतिविधियों के लिए आर्टिस्टी स्टोर द्वारा अर्जित लाभ का पांच प्रतिशत आवंटिक करेगी। सीएसआर गतिविधियों में मुख्य फोकस स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला अधिकारिता, आवास और पर्यावरण जैसे क्षेत्र होंगे।

शानदार तिमाही नतीजों के बाद कंपनी के शेयर खरीदने टूटे निवेशक, रॉकेट बना स्टॉक, 52 वीक हाई रू 132 पर गया भाव

नई दिल्ली। प्राइवेट सेक्टर के फेडरल बैंक के शेयर शुक्रवार को कारोबारी दिन में लगभग 6त्न तक चढ़ गए। कंपनी के शेयरों में आज जबरदस्त तेजी रही। फेडरल बैंक के शेयर इंट्रा डे ट्रेड में 52 वीक हाई 132.10 रुपये पर पहुंच गए। हालांकि, बाद मामूली बिकवाली देखी गई और कारोबार के अंत में यह लगभग 5 प्रतिशत तक चढ़कर 130.75 रुपये पर बंद हुआ। शेयरों में यह तेजी शानदार सितंबर तिमाही नतीजों के बाद आई है। फेडरल बैंक का सितंबर 2022 में खत्म तिमाही में एकल आधार पर शुद्ध मुनाफा 52.89 फीसदी बढ़कर 703.71 करोड़ रुपये रहा है। लाभ में वृद्धि की वजह फंसे कर्ज के लिए प्रावधान में कमी से हुई। पिछले वर्ष समान तिमाही में बैंक को 460.26 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। फेडरल बैंक ने शेयर बाजारों को बताया कि जुलाई–सितंबर तिमाही में एकल आधार पर उसकी कुल आय बढ़कर 4,630.30 करोड़ रुपये हो गई। पिछले वर्ष समान अवधि में यह 3,870.90 करोड़ रुपये थी। सितंबर तिमाही के अंत में बैंक की सकल गैर निष्पादित आस्तियां (एनपीए या फंसा कर्ज) घटकर सकल अग्रिम का 2.46 फीसदी रह गईं। सितंबर 2021 में यह 3.24 फीसदी थी। बैंक का सकल एनपीए 4,031.06 करोड़ रुपये रहा जो पिछले वर्ष 4,445.84 करोड़ रुपये था। शुद्ध एनपीए 0.78 फीसदी (1,262.35 करोड़ रुपये) हो गया। पिछले वर्ष यह 1.12 फीसदी (1,502.44 करोड़ रुपये) था। सितंबर तिमाही में फंसे कर्ज या आकस्मिकताओं के लिए प्रावधान घटकर 267.86 करोड़ रुपये रहा। पिछले वर्ष समान तिमाही में यह 292.62 करोड़ रुपये था।

केनरा बैंक में घट गई दिवंगत झुनझुनवाला की हिस्सेदारी, बिकवाली के माहौल में स्टॉक 2 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ा

नई दिल्ली। शेयर बाजार के दिग्गज निवेशक रहे दिवंगत राकेश झुनझुनवाला के पोर्टफोलियो में एक अहम बदलाव हुआ है। दरअसल, जुलाई से सितंबर 2022 की अवधि के दौरान केनरा बैंक में झुनझुनवाला की हिस्सेदारी कम हो गई है। शेयर बाजार के बिग बुल रहे दिवंगत झुनझुनवाला की हिस्सेदारी 1.96 फीसदी से घटकर 1.48 फीसदी पर आ गई है। हालांकि, यह जानकारी नहीं मिल सकी है कि यह हिस्सेदारी खुद झुनझुनवाला ने बेची थी, या निधन के बाद बेची गई है। आपको बता दें कि भारतीय शेयर बाजार के बिग बुल ने अप्रैल से जून 2022 तिमाही के दौरान अपनी शेयरधारिता में कोई बदलाव नहीं किया था। सितंबर तिमाही में दिवंगत राकेश झुनझुनवाला के पास केनरा बैंक के 2,68,47,400 शेयर थे। वहीं, जून तिमाही में केनरा बैंक के 3,55,97,400 शेयर या 1.96 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। हाल की तिमाहियों में केनरा बैंक के शेयर बिकवाली के दौर से गुजर रहे हैं। पिछले छह महीनों में यह पीएसयू बैंकिंग स्टॉक लगभग रू 235 से गिरकर रू 227 के स्तर पर आ गया है। इस दौरान शेयरधारकों को लगभग 3.5 प्रतिशत का नुकसान हुआ है। पिछले एक महीने में, यह बैंकिंग स्टॉक लगभग रु 255 से गिरकर 227 रुपये के स्तर पर आ गया है। इस दौरान 10 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है। हालांकि, शुक्रवार को स्टॉक की खरीदारी बढ़ गई। यह 2 फीसदी से ज्यादा चढ़कर 230 रुपये के स्तर पर है।

करवाचौथ पर बिक गए 3000 करोड़ रुपये के आभूषण, पिछले साल के मुकाबले सोना 3400 रुपये महंगा

नई दिल्ली। देश भर में करवाचौथ के मौके पर सोने और सोने से बने गहनों की बिक्री का आंकड़ा लगभग तीन हजार करोड़ का रहा, जो पिछले वर्ष के समान दिन में लगभग 2200 करोड़ रुपये का था। यानी इस साल 800 करोड़ रुपये की अधिक सेल हुई। कॉन्फेडरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) एवं देश के छोटे ज्वेलर्स के संगठन आल इंडिया ज्वेलर्स एवं गोल्डस्मिथ फेडरेशन (एआईजेजीएफ) ने एक संयुक्त बयान में कहा कि देश भर के ज्वेलरी व्यापारियों को करवा चौथ पर एक बेहतर व्यापार का बड़ा अवसर मिला है। भारतीय परंपरा के मुताबिक आगामी नवम्बर से शुरू होने वाले शादियों के लिए भी सोने के गहनों आदि की बुकिंग भी आज से शुरू हो गयी है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल एवं आइजेजीएफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज अरोड़ा ने कहा कि देश भर में सोने और सोने के आभूषणों की बक्रिी में बढ़ोतरी दर्ज की गयी। पिछले वर्ष के करवाचौथ त्योहार के मुकाबले सोना 3400 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा, लेकिन चांदी 11 हजार रुपये किलो सस्ती रही। राजधानी में 24 कैरट सोने के दाम 52 हजार रुपये और 22 कैरट सोना 48 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम है। चांदी 59 हजार रुपये प्रति किलो है। उन्होंने कहा की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भू–राजनीतिक उतार–चढ़ाव को देखते हुए आने वाले समय में सोने के दामों में वृद्धि की संभावना है।

भारत की डिजिटल पहल ने बैंकिंग को बनाया आसान, डिजिटलाइजेशन के पांच फायदे

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के मुख्य अर्थशास्त्री पियरे ओलिवर गोरिंचेस ने भारत के डिजिटलीकरण के प्रयासों की सराहना करते हुए बुधवार को कहा कि यह कदम बहुत बड़ा बदलाव लाने वाला रहा है क्योंकि इससे भारत की सरकार के लिए ऐसे काम करना संभव हुआ है, जो अन्यथा बेहद कठिन होते। वहीं आईएमएफ में वित्तीय मामलों के विभाग के उप निदेशक पाओलो माउरो ने प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) की तारीफ करते हुए कहा कि भारत जटिल मुद्दों का समाधान निकालने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के लिहाज से सबसे प्रेरणादायी मिसाल पेश कर रहा है और इस देश की बहुत सी बातें सीखने लायक है।

निर्यात सितंबर में 4.82 प्रतिशत बढ़ा, व्यापार घाटा बढ़कर 25.71 अरब डॉलर

नयी दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार भारत का वाणिज्यक वस्तुओं का निर्यात सितंबर 2022 माह में सालाना आधार पर 4.82 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 35.45 अरब डॉलर और आयात 8.66 प्रतिशत बढ़कर 61.61 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार आलोच्य माह के दौरान व्यापार घाटा भी बढ़कर 25.71 अरब डॉलर हो गया। सितंबर 2022 में भारत का कुल निर्यात (वस्तुओं और सेवाओं सहित) 61.10 अरब डॉलर होने का अनुमान है, जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 10.24 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है, जबकि सितंबर 2022 में कुल आयात (वस्तुओं और सेवाओं को मिला कर) अरब 76.26 बिलियन होने का अनुमान है, जो सितंबर 2021 की तुलना में 10.73 प्रतिशत की सकारात्मक वृद्धि दर्शाता है।

आंकड़ों के अरनुसार अप्रैल–सितंबर 2022 के बीच देश से वस्तु निर्यात 231.88 अरब डॉलर रहा, जो 2021 में इसी अवधि के दौरान हुए 198.25 अरब डॉलर के निर्यात से 16.96 प्रतिशत की सकारात्मक वृद्धि दर्शाता है। इसी दौरान वाणिज्यिक वस्तुओं का आयात 380.34 रहा, जो एक वर्ष पहले की इसी अवधि में 274.50 अरब डॉलर के आयात के मुकाबले 38.55 फीसदी अधिक है।

भारतीय इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद (ईईपीसी इंडिया) के अध्यक्ष श्री अरुण गरोडिया ने निर्यात–आयात के इन आंकड़ों पर टिप्पणी करते हुए कहा, नवीनतम व्यापार आंकड़ों से पता चलता है कि इंजीनियरिंग सामान निर्यात सितंबर 2022 में सालाना आधार पर लगभग 11 प्रतिशत घटकर 8.39 अरब डॉलर रहा। यह गिरावट मुख्य रूप से कुछ उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में मंदी और चीन में कोविड से संबंधित प्रतिबंधों के प्रभाव को दर्शाती है। यह देखते हुए कि विश्व बैंक और आईएमएफ जैसी विभिन्न एजेंसियों ने चालू वर्ष के लिए और अगले वर्ष भी विश्व अर्थव्यवस्था के आर्थिक वृद्धि के के अनुमानों में कटौती की है, निश्चित रूप से समग्र वैश्विक व्यापार पर प्रभाव पड़ेगा।

निर्यात संघों के महासंघ फियो के अध्यक्ष डॉ. ए. शक्तिवेल ने एक बयान में कहा कि सितंबर माह में पेट्रोलियम उत्पादों, इलेक्ट्रॉनिक सामान, रत्न और आभूषण, दवाओं और सहित 17 प्रमुख उत्पाद श्रेणियों के निर्यात प्रदर्शन से कुल मिला का वाणिज्यक निर्यात में वृद्धि दर्ज की गयी।

फार्मास्यूटिकल्स, जैविक और अकार्बनिक रसायन और कृषि उत्पादों के निर्यात में सुधार रहा। उन्होंने कहा कि रत्न और आभूषण और पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात में वृद्धि के अच्छे संकेत दिखे हैं और इलेक्ट्रॉनिक सामानों के निर्यात में निरंतर मजबूती दिख रही है।

फियो अध्यक्ष ने कहा कि जब तक कि विश्व में भू–राजनीतिक स्थिति में बड़ा सुधार नहीं होता, आने वाले कुछ महीने काफी चुनौतीपूर्ण होंगे। उन्होंने कहा हमें उम्मीद है कि आने वाले महीनों में ऊर्जा की कीमतों में और कमी आएगी, जिससे हमें व्यापार घाटे पर और राहत मिलेगी।

आडी ने लखनऊ में खोला प्री-ओन्ड कार का शोरूम

लखनऊ। भारत में प्री–ओन्ड कार बाजार मे प्रचुर संभावनाओं के मद्देनजर जर्मनी की लक्जरी कार निर्माता कंपनी ऑडी ने शुक्रवार को यहां देश में अपने 19वें आडी अप्रूव्ड्प्लस फैसिलिटी का उदघाटन किया।

इस मौके पर ऑडी इंडिया के प्रमुख बलबीर सिंह ढिल्लन ने कहा, जनवरी से सितंबर के बीच ऑडी अप्रूव्ड:प्लस बिजनेस में 73 फीसदी की की वृद्धि हुई है। वर्ष 2020 में हमने सात आडी अप्रूव्ड : प्लस फैसिलिटी के साथ प्री –ओन्ड कार के व्यवसाय को देश में शुरू किया था। वर्ष 2021 मे यह संख्या 14 हो गयी जबकि इस साल के अंत तक हमे भरोसा है कि अन्य शहरों में हमारे विस्तार से इस वृद्धि में और भी तेजी आएगी और भारत में हमारी 22 ऑडी अप्रूव्ड : प्लस फैसिलिटीज होंगी। उन्होंने कहा कि यूं तो आडी की कार की रेंज 45 लाख के आसपास से शुरू होती है मगर ग्राहकों को प्री ओन्ड कार आकर्षक कीमतों पर उपलब्ध होंगी और गुणवत्ता और सर्विसिंग का पूरा ख्याल रखा जायेगा। आडी अप्रुव्ड : प्लस शोरूम्स में दिखने और बिकने वाला हर प्री–ओन्ड व्हीकल मेकैनिकल बॉडीवर्क, 300 से ज्यादा मल्टी–पॉइंट चेक्स पर इंटीरियर और इलेक्ट्रिकल परीक्षणों, कई स्तरों की गुणवत्ता जाँचों और सड़क पर पूरे परीक्षण से गुजरता है, ताकि कार खरीदते समय ग्राहक निश्चिंत रहे। ऑडी इंडिया 24×7 रोडसाइड असिस्टेन्स और खरीदी से पहले वाहन की पूरी हिस्ट्री की पेशकश करती है। इसके अलावा, ग्राहकों को इस प्रोग्राम से आसान फाइनेंसिंग और बीमा के फायदे भी मिल सकते हैं।

ऑडी लखनऊ के डीलर प्रिंसिपल श्री गौतम गर्ग ने कहा, लखनऊ और आस–पास के इलाकों में प्री–ओन्ड कारों की मांग काफी बढ़ी है और हमें विश्वास है कि यह नई फैसिलिटी इस क्षेत्र में प्री–ओन्ड कारों को हमारे ग्राहकों के लिये ज्यादा सुलभ बनाएगी। हम अपने ग्राहकों का बेसब्री से स्वागत करने का इंतजार कर रहे हैं। गौरतलब है कि 2021 में, ऑडी ग्रुप ने ग्राहकों को ऑडी ब्रांड की लगभग 1.681 मिलियन कारों, लैम्बोर्गिनी ब्रांड की 8,405 स्पोर्ट्स कारों और डुकाटी ब्रांड की 59,447 मोटरसाइकिलों की डिलीवरी की। वर्तमान में, पूरी दुनिया में कंपनी के लिए 85 हजार लोग काम करते हैं, जिनमें से 60 हजार कर्मचारी जर्मनी में हैं।

4जी डाउनलोड व अपलोड स्पीड में भी जियो का जलवा

नयी दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज की दूरसंचार सेवायें देने वाली कंपनी रिलायंस जियो ने औसत 4जी डाउनलोड स्पीड के साथ अपलोड स्पीड में भी नंबर वन की पोजीशन हासिल कर ली है। दूरसंचार नियामक ट्राई द्वारा जारी सितंबर माह के आंकड़ों के मुताबिक जियो की औसत 4जी डाउनलोड स्पीड 19.1 एमबीपीएस मापी गई। वहीं अगस्त माह में जियो की औसत 4जी डाउनलोड स्पीड 17.4 एमबीपीएस थी। वोडाफोन–आइडिया की 4जी डाउलनोड स्पीड लगातार घट रही है। फरवरी–2022 में 18.4 एमबीपीएस की डाउनलोड स्पीड से गोता लगाकर यह सितंबर में 12.7 एमबीपीएस पहुंच गई है। सितंबर में एयरटेल की डाउनलोड स्पीड मामूली सुधार के साथ 14 एमबीपीएस दर्ज की गई। वोडाफोन आइडिया के खराब प्रदर्शन का फायदा एयरटेल को मिला और वह तीसरे नंबर से खिसककर दूसरे नंबर पर पहुंच गई है। हालांकि अब भी एयरटेल अपनी प्रतिद्वंदी रिलायंस जियो से पीछे है। ट्राई की डाउनलोड स्पीड टेस्ट में जियो शुरूआत से ही नंबर वन बना हुआ है। सबसे बड़ा उलटफेर औसत 4जी अपलोड स्पीड में हुआ है। लंबे समय से नंबर वन पोजीशन पर काबिज वोडाफोन आइडिया को पछाड़ कर रिलायंस जियो औसत 4जी अपलोड स्पीड में भी नंबर वन बन गई है। ट्राई के आंकड़े बताते हैं कि सितंबर में जियो को छोड़ सभी की अपलोड स्पीड में कमी देखने को मिली। जियो की औसत 4जी अपलोड स्पीड 6.4 एमबीपीएस तो वीआई की 5.9 एमबीपीएस रही। एयरटेल की स्पीड गिर कर सरकारी कंपनी बीएसएनएल के बराबर हो गई है। दोनों की औसत 4जी अपलोड स्पीड 3.4 एमबीपीएस रही।

याहू मेल ऐप के लिए नयी सुविधाओं की घोषणा

एजेंसी

नयी दिल्ली। याहू ने याहू मेल के लिए आज एंड्रायड और आईओएस पर उपलब्ध अपने ऐप के लिए नई सुविधाओं के लॉन्च की घोषणा की। ये खूबियां उपभोक्ताओं को उनके इनबॉक्स के लिए बाजार में सर्वप्रथम उपलब्ध अनुभव प्रदान करेंगी, जिससे समय की बचत होगी और उत्पादकता बढ़ेगी। याहू मेल के नए अपडेट उन उपभोक्ताओं की जरूरतों को पूरा करते हैं जो महामारी के बाद से अधिक ऑनलाइन काम कर रहे हैं, और अपनी डिजिटल जीवन शैली का समर्थन करने के लिए अपने इनबॉक्स को प्रबंधित और वैयक्तिकृत करना चाहते हैं। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि नए अपडेट याहू मेल की प्रमुख पेशकशों को और अधिक बढ़ाते हैं जो प्रतिदिन लाखों उपयोगकर्ताओं को जोड़ते हैं – जिसमें 1 टीबी मुफ्त स्टोरेज की उपयोगकर्ता–पसंदीदा सुविधा शामिल है। न्यू याहू मेल ऐप उपयोगकर्ताओं की बातचीत और रुचियों के आधार पर उनके जीवन को आसान बनाता है, जबकि उपयोगकर्ताओं को सबसे महत्वपूर्ण जानकारी तक त्वरित एवं आसान पहुँच प्रदान करने के लिए विश्व स्तरीय उपयोगिताएँ प्रदान करता है।

याहू कम्युनिकेशंस के जीएम और एसवीपी जोश जैकबसन ने कहा याहू मेल 25 वर्षों से उपभोक्ताओं के जीवन का एक हिस्सा रहा है, इसलिए हम जानते हैं कि लोगों के लिए यह कितना महत्वपूर्ण है कि वे जल्दी से अपनी जरूरत की चीजें ढूंढ लें, चाहे वह कल की उड़ान का समय हो या दोस्तों के साथ सप्ताहांत की छुट्टी के दौरान किया गया खर्च।

ये नई सुविधाएँ लोगों की प्रतिक्रियाओं, उनके सुझावों एवं अपेक्षाओं को बेहतर ढंग समझ पाने की हमारी कुशलता का परिणाम हैं कि उन्हें क्या चाहिए और कौन–सी खूबियां याहू मेल को उनका अभिन्न अंग बनाती हैं।

रिलायंस जियो नेटवर्क औसत 4जी डाउनलोड रफ्तार में पहुंचा पहले नंबर पर

नयी दिल्ली। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकारण (ट्राई) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार रिलायंस जियो सितंबर में 4जी नेटवर्क पर औसतन 19.1 एमबीपीएस डाउनलोड रफ्तार के साथ सबसे ऊपर रहा।

ट्राई द्वारा जारी सितंबर माह के आंकड़ों के मुताबिक जियो के 4जी नेटवर्क पर औसत डाउनलोड स्पीड 19.1 एमबीपीएस मापी गई जो अगस्त में 17.4 एमबीपीएस थी।

ट्राई के आंकड़ों के अनुसार वीआई (वोडाफोन–आइडिया) की 4जी डाउलनोड रफ्तार सितंबर में गिर कर 12.7 एमबीपीएस रह गयी, वीआई की 4जी रफ्तार फरवरी–2022 में 18.4 एमबीपीएस थी।

सितंबर में एयरटेल की डाउनलोड रफ्तार मामूली सुधार के साथ 14एमबीपीएस दर्ज की गई और वह तीसरे नंबर से खिसककर दूसरे नंबर पर पहुंच गई है।

आलोच्य माह में जियो की औसत 4जी अपलोड रफ्तार 6.4 एमबीपीएस तो वीआई की रफ्तार 5.9 एमबीपीएस रही।

एयरटेल और बीएसएनएल औसत 4जी अपलोड रफ्तार में एक दूसरे के बराबर 3.4 एमबीपीएस रही।

हाल में प्राइवेट फर्म ओकला ने राजधानी सहित चार शहरों की औसत 5जी स्पीड के आंकड़े जारी किए थे। जिसमें रिलायंस जियो 5जी की औसत डाउनलोड स्पीड में 600 एमबीपीएस के साथ अपनी निकटतम प्रतिद्वंदी एयरटेल से ऊपर थी।

प्रधानमंत्री कल 75 डिजिटल बैंकिंग इकाइयां राष्ट्र को करेंगे समर्पित

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वित्तीय समावेशन को और ज्यादा व्यापक बनाने के एक अन्य उपाय के रूप में 16 अक्टूबर को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 75 डिजिटल बैंकिंग इकाइयां (डीबीयू) राष्ट्र को समर्पित करेंगे।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वर्ष 2022–23 के बजट भाषण में देश की आजादी के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में देश के 75 जिलों में 75 डीबीयू की स्थापना किए जाने की घोषणा की थी। डीबीयू की स्थापना डिजिटल बैंकिंग का लाभ देश के कोने–कोने तक पहुंचाने के उद्देश्य से की जा रही है और इनके अंतर्गत सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को कवर किया जाएगा। सार्वजनिक क्षेत्र के 11 बैंक, 12 निजी बैंक और एक लघु वित्त बैंक इस प्रयास में भाग ले रहे हैं।

ये डीबीयू ब्रिक एंड मोर्टार आउटलेट्स से संचालित की जाएंगी, जहां लोगों को बचत खाता खोलने, बैलेंस–चेक करने, पासबुक प्रिंट करने, राशि अंतरित करने, फिक्स्ड डिपॉजिट में निवेश करने, ऋण के लिए आवेदन करने, जारी किए गए चेक के लिए स्टॉप–पेमेंट निर्देश देने, क्रेडिट/डेबिट कार्ड के लिए आवेदन करने, खाते का विवरण देखने, करों का भुगतान करने, बिलों का भुगतान करने, नामांकन करने, आदि जैसी विभिन्न डिजिटल बैंकिंग सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

डीबीयू ग्राहकों को साल भर बैंकिंग उत्पादों और सेवाओं तक किफायती, सुविधाजनक पहुंच और बेहतर डिजिटल अनुभव प्रदान करने में सक्षम बनाएगी। वे डिजिटल वित्तीय साक्षरता का प्रसार करेंगी तथा ग्राहकों को साइबर सुरक्षा जागरूकता और सुरक्षा उपायों के बारे में शिक्षित करने पर विशेष जोर दिया जाएगा। इसके अलावा डीबीयू द्वारा प्रत्यक्ष रूप से या उसके बिजनेस फैसिलिटेटर्स/कॉरस्पोंडेंट्स के माध्यम से प्रस्तुत किए जा रहे व्यवसाय और सेवाओं से संबंधित ग्राहकों की शिकायतों का निवारण करने और उनको रीयलटाइम सहायता उपलब्ध कराने के लिए पर्याप्त डिजिटल व्यवस्थाएं होंगी।

त्योहारी सीजन में मोबिक्विक का एक्स्ट्रा पर 12 प्रतिशत सालाना रिटर्न की पेशकश

नयी दिल्ली। फिनटेक मोबिक्विक ने अपने फ्यूचरिस्टिक एवं फ्लेक्सिबल अल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट प्रोडक्ट 'एक्स्ट्रा' को लॉन्च करने का ऐलान किया है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि इससे करोड़ों फोन पर आसानी से वित्तीय सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। जीरो लॉक–इन, रोजाना क्रेडिट होने वाले ब्याज, 12 प्रतिशत सालाना की दर और 1000 रुपये के न्यूनतम डिपोजिट के साथ एक्स्ट्रा में ऐसी कई खूबियां हैं, जो नई पीढ़ी की निवेश की जरूरतों के अनुरूप हैं। यूजर फ्रेंडली मोबिक्विक ऐप पर उपलब्ध एक्स्ट्रा का लक्ष्य डिजिटल को अपनाने वाले युवाओं के लिए निवेश का नया पैटर्न तैयार करना है। मोबिक्विक ने कई ऐसे प्रोडक्ट लॉन्च किए हैं, जो इंडस्ट्री में अपनी तरह के पहले प्रोडक्ट हैं। एक्स्ट्रा भी इसी कड़ी में एक और प्रोडक्ट है। मोबिक्विक के सीईओ, फाइनेंशियल सर्विसेज मुकुल सक्सेना ने कहा, 90 प्रतिशत भारतीयों के पास सही फाइनेंशियल प्रोडक्ट तक पहुंच नहीं है या फिर उन्हें यह पता नहीं कि अपनी बचत को कैसे बढ़ाया जाए।

ब्रिटेन-भारत के बीच एफटीए के लिए दीपावली की समयसीमा को ध्यान में रखकर काम नहीं कर रहे

लंदन। ब्रिटेन की व्यापार मंत्री केमी बादेनोच ने कहा है कि भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर जो बातचीत हो रही है वह अब दीपावली की समयसीमा को ध्यान में रखते हुए नहीं की जा रही है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार विभाग में एफटीए वार्ता की प्रभारी कैबिनेट मंत्री केमी बादेनोच ने कहा कि भारत के साथ जिस समझौते पर बातचीत चल रही है, वह उद्योग जगत के लिए बहुत लाभकारी रहने वाला है, क्योंकि इसमें 150 फीसदी तक शुल्क खत्म कर दिए जाएंगे। बादेनोच ने कहा कि वार्ता में काफी अच्छी प्रगति हो रही है, लेकिन मसौदा समझौते पर 24 अक्टूबर तक हस्ताक्षर करने का लक्ष्य लेकर नहीं चल रहे है। उन्होंने कहा, हम काफी करीब हैं। समझौते पर अभी भी काम चल रहा है। इसमें एक परिवर्तन है और वह यह कि अब हम दीपावली की समयसीमा को ध्यान में नहीं रख रहे। हम समझौते की गति के बजाए इसकी गुणवत्ता पर ध्यान दे रहे हैं। समझौते को पूरा करने के लिए दीपावली की समयसीमा अब नहीं है इस बारे में आधिकारिक पुष्टि पहली बार हुई है। यह समयसीमा पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने अप्रैल में भारत दौरे के वक्त घोषित की थी।

भारत ने स्वदेशी 5 जी इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया है : सीतारमण

वाशिंगटन। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अमेरिका में कहा है कि भारत ने स्वदेशी 5 जी इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया है जिसे अन्य देशों के साथ भी साझा करने के लिए तैयार है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक की वार्षिक बैठक में भाग लेने के लिए अभी अमेरिकी दौरा पर गयी श्रीमती सीतारमण ने जॉन्स हॉपकिन्स स्कूल ऑफ एडवांस्ड इंटरनेशनल स्टडीज में छात्रों के साथ चर्चा में यह बात कही। उन्होंने भारतीय 5 जी प्रौद्योगिकी की सराहना करते हुये कहा कि भारत में 5त्न तकनीक पूरी तरह से स्वदेशी है। इसे कहीं और से आयात नहीं किया गया है और यह देश का अपना उत्पाद है।

उन्होंने कहा हमने अपने देश में जो 5जी लॉन्च किया है, वह पूरी तरह से स्वदेशी है। इसका प्रसार बहुत तेजी से होता है। 2024 के अंत तक देश के अधिकांश लोग इस तकनीक का लाभ उठा सकेंगे। हमें भारत की उपलब्धि पर बहुत गर्व है। वित्त मंत्री ने कहा कि भारत की 7.5 लाख पंचायतों में से 80 प्रतिशत में ऑप्टिकल फाइबर पहुंच चुका है। भारत में टेक्नोलॉजी के उपयोग से सुशासन हासिल किया जा रहा है और अर्थव्यवस्था के डिजिटलीकरण की क्षमता को बढ़ाने के कारण परिवर्तन हुआ है।

सीतारमण ने कहा कि भारत सरकार ने जनता की भलाई के लिए जो ओपन–सोर्स नेटवर्क बनाया है, वह छोटे और मध्यम उद्योगों को अपने संचालन को बढ़ाने में मदद कर रहा है।

महामारी के बाद लोगों ने सेहतमंद जीवनशैली को अपनाया : सर्वे

नयी दिल्ली। कोरोना महामारी के बाद अधिकांश लोगों ने सेहतमंद जीवन जीने में मदद करने वाली आदतों को अपनाना शुरू कर दिया है और अब वे पाचन में सुधार लाने, तनाव के स्तर को कम करने और प्रतिरक्षा बढ़ाने के प्रति अधिक जागरूक हो गए हैं।

भारतीय उपभोक्ताओं की भलाई को बेहतर ढंग से समझने के लिए किए गए एक सर्वेक्षण में यह भी बताया गया है कि महामारी के बाद से, 90 प्रतिशत से अधिक उत्तरदाताओं ने सेहतमंद जीवन जीने में मदद करने वाली आदतों को अपनाना शुरू कर दिया है। अध्ययन बताता है कि 70 प्रतिशत से अधिक उत्तरदाताओं ने अब अधिक पोषक पदार्थों का सेवन शुरू किया है, 44 प्रतिशत उत्तरदाता प्रतिदिन विटामिन/सप्लीमेंट्स का सेवन कर रहे हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि नाश्ता दिन का सबसे महत्वपूर्ण भोजन होता है और 82 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने अपनी सेहत से जुड़ी आदतों में अधिक पौष्टिक नाश्ते को शामिल करने की बात कही है।

विश्व खाद्य दिवस और राष्ट्रीय पोषण माह 2022 को ध्यान में रखते हुए पेप्सिको इंडिया ने अपने ब्रांड क्वेकर और लंदन स्थित दिग्गज मार्केट रिसर्च कंपनी यूरोमॉनिटर इंटरनेशनल के माध्यम से %लाइफस्टाइल च्वाइस ऐंड एजिंग परसेप्शन ऑफ अर्बन इंडिया% पर सर्वेक्षण रिपोर्ट जारी की। रिपोर्ट के लॉन्च के बाद भारतीय उद्योग परिसंघ के सहयोग से एक पैनल चर्चा हुई, जिसमें प्रमुख निष्कर्षों और बेहतर स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिए उम्र बढ़ने के सात स्वस्थ आदतों को शामिल करने के महत्व के बारे में बताया गया। चार प्रमुख महानगरों यानी दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और कोलकाता में रहने वाले 18 वर्ष एवं इससे अधिक उम्र के 1,000 से अधिक लोगों को इस सर्वेक्षण में शामिल किया गया। सेहत को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों को समझने पर ध्यान देने के साथ, अध्ययन ने अच्छी सेहत में मदद करने वाले तत्वों और बाधाओं की पहचान करने में भी मदद की है। इस अध्ययन से सेहत एवं खुशहाली, ऊर्जा और वजन को नियंत्रित रखने के प्रति भारतीयों के बदलते व्यवहार का भी पता चला है। बेहतर सेहत की दिशा में ये सभी बेहद महत्वपूर्ण हैं।

सेलिब्रिटी शेफ और क्वेकर के ब्रांड एंबेसडर विकास खन्ना ने कहा, युवा पीढ़ी को बेहतर स्वास्थ्य के प्रति गंभीर प्रयास करते हुए और अपने रोजाना के जीवन में अधिक पोषण को शामिल करने के तरीकों की तलाश करते हुए देखना बहुत ही उत्साहजनक है। महामारी बिल्कुल नए तरीके से फूड कम्युनिटी को एक साथ लेकर आई है, यह फिट रहने और बेहतर खाना खाने की कोशिशों में एक–दूसरे की मदद भी कर रहे हैं। हमने देखा है कि दुनिया भर के शेफ्स दिलचस्प और मजेदार व्यंजनों के साथ बातचीत में शामिल हो रहे हैं, इसके साथ ही बेहतर खाने को बढ़ावा मिल रहा है। क्वेकर के साथ अपने लंबे संबंधों के साथ, मेरा लक्ष्य है कि मैं लोगों को ऐसे पौष्टिक और स्वादिष्ट व्यंजन उपलब्ध कराउं, जो आज की युवा पीढ़ी को भी पसंद आए। सेहतमंद जीवन का सफर शुरू करने वालों के लिए रोजमर्रा के जीवन में पौष्टिक नाश्ते को शामिल करना बेहद जरूरी है। मैं खुद भी व्यक्तिगत रूप से नाश्ते को दिन का सबसे महत्वपूर्ण भोजन मानता हूं।

अध्ययन के अनुसार, जेन एक्स सेहतमंद रुटीन का पालन करके खुद को युवा महसूस कर रहा है और यंग इंडिया अपनी आधुनिक जीवनशैली के साथ अपनी मौजूदा उम्र से बूढ़ा महसूस कर रहा है। हालांकि, 90 प्रतिशत से अधिक उत्तरदाताओं के बीच अपने रोजमर्रा के जीचन में सेहतमंद आदतों को शामिल करने और जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में बदलाव करते हुए देखना हमारे लिए एक अच्छी बात थी। नाश्ता दिन का सबसे महत्वपूर्ण भोजन है। सर्वेक्षण से पता चला है कि ओट्स और अनाज उन लोगों के लिए पसंदीदा विकल्प हैं जो अपने रोजमर्रा के जीवन में सेहतमंद नाश्ते को शामिल करने की दिशा में काम कर रहे हैं। इसमें यह भी पता चला है कि 18 से 40 वर्ष के आयु वर्ग के भारतीय मुख्य रूप से कम पोषक तत्व लेने के कारण अपनी वर्तमान आयु से अधिक उम्र के महसूस करते हैं।

शार्ट न्यूज

पाकिस्तान ने अनुभवी फखर जमां को टीम में दी जगह

इस्लामाबाद। टी-20 विश्वकप में अपनी बल्लेबाजी को धार देने के इरादे से पाकिस्तान ने चोटिल स्पिनर उस्मान कादिर के स्थान पर अनुभवी फखर जमां को 15 सदस्यीय दल में शामिल किया है। बायें हाथ के जमां पिछले महीने टी-20 एशिया कप में श्रीलंका के खिलाफ मुकाबले में क्षेत्ररक्षण के दौरान घुटने की चोट खा बैठे थे जिसके बाद उन्हे चार सप्ताह के आस्ट्रेलिया दौरे पर गयी टीम में रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर जगह दी गयी थी मगर चयनकर्ताओं ने बल्लेबाजी को मजबूत करने के मकसद से जमां को 15 सदस्यीय टीम में जगह दी है। पाकिस्तान विश्वकप में अपना पहला मैच भारत के खिलाफ मेलबर्न में 23 अक्टूबर को खेलेगा। एशिया कप में 32 वर्षीय जमां ने छह पारियों में महज 96 रनो का योगदान दिया था मगर हांगकांग के खिलाफ शुरूआती ग्रुप मैच में उन्होने शानदार अर्धशतक जड़ा था। जमान अब तक अपने देश के लिये 71 टी-20 मुकाबले खेल चुके हैं। उधर कादिर पिछले महीने इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज के दौरान चौथे टी-20 मैच में फील्डिंग करते समय अंगूठा तुड़वा बैठे थे। विश्वकप में पाकिस्तान की टीम इस प्रकार है- बाबर आजम (कप्तान), शादाब खान, आसिफ अली, फखर जमां, हैदर अली, हरीस राउफ, इफ्तिखार अहमद, खुशदिल शाह, मोहम्मद हसनैन, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद रिजवान, मोहम्मद वसीम, नसीम शाह, शाहीन शाह अफरीदी, शान मसूद।

फॉर्मिडेबल्स ने टेक्सन एसिज़ पर बनाई बढ़त

गुरुग्राम। फॉर्मिडेबल्स ने 19वीं एचसीएल अंतरराष्ट्रीय ब्रिज चैंपियनशिप (4*14 बोर्ड) के गोल्ड इवेंट क्वार्टरफाइनल के आधे चरण तक टेक्सन एसिज़ पर 46-35 की बढ़त बना ली है। भारतीय ब्रिज महासंघ के तत्वावधान में आयोजित प्रतियोगिता के चौथे दिन शुक्रवार को होप एन प्रे ने मैवरिक्स के खिलाफ 83-48 की आसान बढ़त बनाई, जबकि धामपुर शुगर 104-36 की बढ़त के साथ रैम्पेज के खिलाफ आरामदायक स्थिति में है। माइंड एंड मैटर 59.7-51 के मामूली अंतर से टोर्नाटे से आगे चल रही है। बचे हुए दो सत्रों के बाद आगे रहने वाली टीम शनिवार को खेले जाने वाले सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेगी। इसी बीच, सिल्वर इवेंट के क्वार्टरफाइनल (4*14 बोर्ड) में दो चरण के बाद महाकल अपने मुकाबले में 50-30 से आगे चल रही है, जबकि प्रदीप 85.5-48 से आगे चल रहे हैं। ईआईएसके ने संगम पर 60-56 की बढ़त बनाई है जबकि गोल्ड गैलेक्सी 57-30 से प्रयास से आगे चल रही है।

हॉप्स को पहला प्रीमियर लीग खिताब

नयी दिल्ली। हॉप्स फुटबॉल क्लब गुरुवार को खेलो इंडिया दिल्ली महिला फुटबाल लीग का पहला विजेता बन गया। पहले ही खिताब जीत चुकी हॉप्स ने नेहरू स्टेडिम पर खेले गए लीग के अंतिम मुकाबले में ईव्स को 4-0 से हराकर सौ फीसदी कामयाबी के साथ विजयश्री का वरण किया। विजेता टीम के लिए रजनी बाला ने दो जबि मोना और तन्नू ने एक-एक गोल जमाए। गढ़वाल एफसी ने उपविजेता का खिताब हासिल किया। प्रीमियर लीग की टॉप स्कोरर हॉप्स की मोना और दिल्ली लीग के लिए अहबाब एफसी की विपसना थापा को श्रेष्ठ खिलाड़ी आंका गया। दिल्ली महिला सीनियर डिवीज़न लीग का विजेता अहबाब क्लब बना, जिसने सुपर सिक्स में खेले गए पांच मैचों में अजेय रहते हुए 13 अंक जुटाए। दूसरे स्थान पर ईमी एफसी रहा। ईमी ने गुरुवार को खेले गये अंतिम लीग मुक़ाबले में दिल्ली एफसी को 2-2 से ड्रा पर रोका।

न्यूजीलैंड को हरा कर पाकिस्तान ने जीती त्रिकोणीय सीरीज

क्राइस्टचर्च। मोहम्मद नवाज (38 नाबाद) और इफ्तिखार अहमद (25 नाबाद) के बीच छठे विकेट के लिये धुआंधार 36 रनों की भागीदारी की बदौलत पाकिस्तान ने शुक्रवार को मेजबान न्यूजीलैंड को पांच विकेट से परास्त कर न सिर्फ टी-20 त्रिकोणीय श्रृंखला का खिताब अपने नाम कर लिया बल्कि चंद घंटों बाद शुरू हो रहे टी-20 विश्वकप अभियान में मनोवैज्ञानिक बढ़त हासिल कर ली। टास हार कर पहले बल्लेबाजी करते हुये न्यूजीलैंड ने निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट पर 163 रन बनाये जिसके जवाब में पाकिस्तान ने 19.3 ओवर के खेल में पांच विकेट पर 168 रन ठोक दिये। एक समय 16.1 ओवर में पाकिस्तान पांच अहम विकेट मात्र 132 रन पर खोकर संघर्ष की स्थिति में आ गया था, मगर क्रीज पर आये इफ्तिखार ने नवाज का भरपूर साथ देते हुये मैदान के चारों ओर रनों की बरसात कर दी। दोनों बल्लेबाजों ने महज 3.2 ओवरों में 36 रन बनाकर टीम की जीत को आसान कर दिया। इफ्तिखार ने 14 गेंदों पर एक छक्का और एक चौके की मदद से 25 रन बनाये जबकि दूसरे छोर में नवाज में अपनी नाबाद पारी में 22 गेंदों का सामना कर तीन जानदार छक्के और दो चौके उड़ाये। न्यूजीलैंड के स्कोर को 163 रनों तक पहुंचाने में कप्तान केन विलियम्सन (59) की भूमिका अहम रही। उन्होंने अपनी अर्द्धशतकीय पारी में 38 गेंदों का सामना किया और चार चौके और दो छक्के जड़े। हालांकि 134 रनों के स्कोर पर विलियम्सन का विकेट गिरने के बाद मेजबान टीम का निचला क्रम बुरी तरह लड़खड़ा गया, जिसका सीधा असर रन रेट पर पड़ा। पाक की ओर से नसीम शाह और हैरिस राउफ ने दो-दो विकेट चटकाये जबकि शादाब खान और मोहम्मद नवाज को एक एक विकेट मिला। मोहम्मद नवाज को प्लेयर आफ द मैच के खिताब से नवाजा गया।

जलवायु आपदाओं के लिए वैश्विक पूर्व-चेतावनी जारी करने की आश्यकता : गुटेरेस

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने जलवायु आपदाओं से निपटने के लिए वैश्विक पूर्व चेतावनी प्रणाली विकसित करने करने की आवश्यकता पर जोर दिया है और कहा है कि वह जल्द ही इसके लिए एक योजना की शुरुआत करेंगे। गुटेरेस ने अंतराष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस के मौके पर गुरुवार को अपने वीडियो संदेश में कहा कि मौजूदा समय में जलवायु आपदाओं का विभिन्न देश और अर्थव्यवस्थाओं पर अभूतपूर्व तरीके से मार पड़ रही है। उन्होंने कहा कि ग्रीनहाउस गैस का उत्सर्जन निरंतर बढ़ने के कारण पूरी पृथ्वी पर मौसम विकट स्थित में पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद दुनिया अग्रिम पंक्ति के लोगों के जीवन और आजीविका की रक्षा करने में निवेश करने में विफल हो रही है। उन्होंने कहा कि जिन्होंने जलवायु संकट को कम करने के लिए बहुत कम काम किया है, वे सबसे अधिक कीमत चुका रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिना किसी पूर्व चेतावनी के व्यापक जलवायु आपदाओं से पूरी आबादी को अंधकार में रखा जा रहा है। उन्होंने कहा, लोगों को विकट मौसम की घटनाओं के लिए तैयार करने के लिए पर्याप्त चेतावनी की आवश्यकता है। इसलिए मैं अगले पांच वर्षों में वैश्विक पूर्व-चेतावनी कवरेज की अपील कर रहा हूं। गुटेरेस ने कहा कि पूर्व-चेतावनी प्रणाली और उन पर कार्य करने की क्षमता साबित जीवन रक्षक है, यह देखते हुए कि वह अगले महीने मिस्र में संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में पांच साल के भीतर सभी के लिए पूर्व चेतावनी प्रणाली प्रदान करने के लिए एक कार्य योजना शुरू करेंगे।

भारतीय टीम में चोटिल बुमराह की जगह लेंगे शमी

मुबंई। आस्ट्रेलिया में होने वाले टी-20 विश्वकप टूर्नामेंट के लिये मध्यम तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को चोटिल जसप्रीत बुमराह के स्थान पर भारतीय टीम में शामिल किया गया है।

भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) की चयन समिति ने शुक्रवार को मोहम्मद शमी को टी-20 विश्वकप के लिये आस्ट्रेलिया गयी 15 सदस्यीय भारतीय टीम में शामिल करने का फैसला किया है। बीसीसीआई के अनुसार शमी आस्ट्रेलिया पहुंच चुके है और वह ब्रिसबेन में अभ्यास मैचों के लिये भारतीय टीम से जुड़ जायेंगे।

शमी का नाम पहले तीन रिजर्व खिलाड़ियों की सूची में शामिल किया गया था, मगर अब वह टूर्नामेंट के लिये भारत की 15 सदस्यीय टीम के सदस्य होंगे। पीठ की चोट से जूझ रहे बुमराह के टी-20 विश्वकप के लिये फिट न होना भारतीय खेमे के लिये चिंता का सबब बन गया था, मगर अनुभवी शमी के शामिल होने से टीम प्रबंधन के आत्मविश्वास में इजाफा होगा।

दिलचस्प है कि शमी ने पिछले टी 20 विश्व कप के बाद से टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भाग नहीं लिया है, लेकिन उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने पहले सीज़न में गुजरात टाइटन की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

वह टूर्नामेंट में छठे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने थे, जिन्होने 16 मैचों में आठ की इकॉनमी से 20 वि के ट लिये थे। शमी के अलावा दीपक चाहर को भी रिजर्व में नामित किया गया था, मगर वह भी पीठ की चोट के कारण ऑस्ट्रेलिया के लिए उड़ान नहीं भर सके। भारत ने दो खिलाड़ियों मोहम्मद सिराज और शार्दुल ठाकुर को नामित किया है जो श्रेयस अय्यर और रवि बिश्नोई के साथ रिजर्व में रहेंगे। तीनों खिलाड़ी पहले ही ऑस्ट्रेलिया रवाना हो चुके हैं और टीम के साथ जुड़ चुके हैं। भारतीय टीम में रोहित शर्मा (कप्तान), के एल राहुल, विराट कोहली, सूर्य कुमार यादव, दीपक हुड्डा, रिषभ पंत, दिनेश कार्तिक, हार्दिक पांड्या, रविचंद्रन अश्विन, यजुवेन्द्र चहल, अक्षर पटेल, भुवनेश्वर कुमार, हर्षल पटेल, अर्शदीप सिंह और मोहम्मद शमी हैं स्टैंडबाई खिलाडी: मोहम्मद सिराज, श्रेयर अय्यर, रवि बिश्नोई और शार्दुल ठाकुर। गौरतलब है कि हाल ही में यूएई में संपन्न टी-20 एशिया कप में भी बुमराह और चाहर के अलावा रवीन्द्र जडेजा चोट के कारण भारतीय टीम में शामिल नहीं हो सके थे। भारत का एशिया कप अभियान सेमीफाइनल में थम गया था। भारत के टी-20 विश्वकप अभियान की शुरुआत 23 अक्टूबर को चिर प्रतिद्वंदी पाकिस्तान के खिलाफ मैच से होगी।

आत्मविश्वास से भरपूर श्रीलंका बन सकता है बड़ा खतरा : गंभीर

एजेंसी

कोलकाता। आईसीसी टी-20 विश्वकप जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य रहे गौतम गंभीर और इरफान पठान का मानना है कि हाल ही में संपन्न टी-20 एशिया कप विजेता श्रीलंका आत्मविश्वास से लबरेज है और यदि टीम सुपर-12 चरण के लिये क्वालीफाई करती है तो वह भारत के लिये गंभीर खतरा साबित हो सकती है।

टी-20 विश्वकप 16 अक्टूबर से शुरू होकर 13 नवम्बर तक चलेगा। टूर्नामेंट के सुपर 12 चरण में भारत को ग्रुप बी में पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश के साथ रख्हा गया है, जबकि एशिया कप विजेता श्रीलंका और दो बार की टी-20 विश्वकप विजेता वेस्टइंडीज को ग्रुप चरण के लिये क्वाईफाई करना है। इस बात की प्रबल संभावना है कि इनमें से एक टीम ग्रुप बी में अपना स्थान बनायेगी।

स्टार स्पोर्टस के कार्यक्रम 'गेम प्लान' में गौतम गंभीर ने कहा कि विश्वकप में ग्रुप चरण में वेस्टइंडीज की तुलना में श्रीलंका भारत को अधिक चुनौती पेश कर सकता है। श्रीलंका ने अपना दमखम एशिया कप में दिखाया है। चामीरा और लहिरू कुमारा के आने से टीम और मजबूत हुयी है और टी-20 विश्वकप को लेकर उनका आत्मविश्वास निश्चित ही बढ़ा हुआ होगा।

इरफान ने कहा, यदि भारत को अंत तक ग्रुप में पहले स्थान पर रहना है तो उसे वेस्टइंडीज और श्रीलंका में से एक के खिलाफ जीत हासिल करनी होगी।

अगले दो साल में भारत को मिल सकता है एक और गोपीचंद

एजेंसी

बेंगलुरू। आल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप के फाइनल में स्थान बनाने वाले लक्ष्य सेन का नाम लिये बगैर भारतीय बैडमिंटन टीम के मुख्य कोच पुलेला गोपीचंद ने कहा कि अगले दो सालों में देश को एक और पुलेला गोपीचंद मिलने की प्रबल संभावना है।

दिग्गज शटलर गोपीचंद ने शुक्रवार को यूनीवार्ता से विशेष बातचीत में कहा, पिछले साल हम आल इंग्लैंड चैंपियनशिप का फाइनल हार गये थे मगर मुझे उम्मीद है कि 2023 और 2024 में हमे पदक मिल सकते हैं।

खेल में नैतिकता और नेतृत्व विषय पर आर्ट आफ लिविंग द्वारा आयोजित विश्व शिखर सम्मेलन में भाग लेने आये गोपीचंद ने कार्यक्रम के इतर कहा, बैडमिंटन में भारत ने कुल मिलाकर अच्छे परिणाम दिये हैं। इस साल थामस कप जीतना एक विशेष उपलब्धि कहा जा सकता है। इस जीत ने भारतीय शटलरों को प्रेरणा दी है। आल इंग्लैंड चैंपियनशिप का खिताब हमसे दूर हो गया लेकिन लक्ष्य सेन फाइनल में अपनी जगह बनाने में सफल रहे।

विश्व चैंपियनशिप में इस साल हमे रजत और कांस्य पदक मिले। पिछले साल बी साई प्रणीथ समेत कुछ खिलाडी अच्छा खेले जबकि इस साल सात्विक साईराज और चिराग शेट्टी ने विश्व चैंपियनशिप में उम्दा प्रदर्शन किया।

उन्होंने कहा, मैं समझता हूं कि हमने इस साल अच्छे परिणाम दिये हैं जिनमें थामस कप जीतना महान उपलब्धि है।

मैं भारतीय शटलर के प्रदर्शन से संतुष्ट और बेहद खुश हूं। मुझे भरोसा है कि हम प्रतिष्ठित आल इंग्लैंड चैंपियनशिप जरूर जीतेंगे।

सैयद मुश्ताक : यूपी ने आसानी से हराया दिल्ली को

एजेंसी

जयपुर। शिवम मावी (14 रन पर चार विकेट) की कातिलाना गेंदबाजी और कप्तान करन शर्मा (52 नाबाद) के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत उत्तर प्रदेश ने शुक्रवार को टी-20 सैयद मुश्ताक अली ट्राफी के एलीट ग्रुप बी के एक मुकाबले में दिल्ली को आठ विकेट से हरा दिया।

सवाई मानसिंह स्टेडियम में दिल्ली की टीम पहले खेलते हुये 19.5 ओवर में मात्र 99 बना कर ढेर हो गयी। कप्तान नीतिश राना (45) एक छोर पर अपनी टीम को ताश के पत्तों से बनी इमारत की माफिक ढहते हुये देखते रहे।

दिल्ली के आठ बल्लेबाज दहाई के अंक तक पहुंचने में नाकाम रहे। दिल्ली का सस्ते में पुलिंदा बांधने में शिवम के अलावा करन शर्मा, कुलदीप यादव, कार्तिक त्यागी (एक एक विकेट) का योगदान रहा जबकि शिवा सिंह को दो विकेट मिले।

आसान लक्ष्य का पीछा करने उतरे यूपी के कप्तान करन शर्मा और अक्षदीप नाथ (31 नाबाद) ने शानदार बल्लेबाजी करते हुये मैदान के चारों ओर आकर्षक शाट लगाये जिसके चलते विजय लक्ष्य को 17 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर पूरा कर लिया गया।

एलीट ग्रुप डी के एक मुकाबले में गुजरात ने बड़ौदा को रोमांचक मुकाबले में दो विकेट से हरा दिया। बड़ौदा ने पहले खेलते हुये 20 ओवर में 153 रन बनाये जिसके जवाब में गुजरात ने आखिरी गेंद तक चले मैच में आठ विकेट पर 156 रन बना लिये।

एलीट ग्रुप बी के एक अन्य मुकाबले में हैदराबाद ने गोवा को आसानी से 37 रनो से हराया।

हैदराबाद ने पहले खेलते हुये छह विकेट पर 177 रन बनाये जिसके जवाब में गोवा की पूरी टीम 18.5 ओवर के खेल में 140 रन बना कर पवेलियन लौट गयी।

राजकोट में राजस्थान ने एक रोमांचक मुकाबले में रेलवे के खिलाफ आठ रन से जीत अर्जित की। राजस्थान ने छह विकेट पर 167 रन बनाये। जवाब में रेलवे आठ विकेट पर 159 रन ही बना सकी।

मोहाली में जम्मू कश्मीर ने अनुभवी महाराष्ट्र को कांटे की टक्कर दी हालांकि आखिरी ओवर तक चले मैच में तीन विकेट से हार का सामना करना पड़ा।

जम्मू कश्मीर ने पहले खेलते हुये पांच विकेट पर 175 रन बनाये जिसे पार करने में महाराष्ट्र तीन गेंदे शेष रहते सफल रहा हालांकि उसे सात विकेट गंवाने पड़े।

लखनऊ के इकाना स्टेडियम पर बंगाल ने उड़ीसा के खिलाफ आठ विकेट से आसान जीत दर्ज की। उड़ीसा की पूरी टीम 86 रन बनाकर पवेलियन लौट गयी। विजय लक्ष्य को बंगाल ने 15वें ओवर में दो विकेट के नुकसान पर पूरा कर लिया।

आतंकवाद के अपने ही जाल में फंसा पाकिस्तान, सड़कों पर उतरी परेशान जनता हथियार उठाने को तैयार

इस्लामाबाद। पड़ोसी देश पाकिस्तान आतंकवाद के अपने ही जाल में फंसता नजर आ रहा है। आतंकवाद से परेशान पाकिस्तान की जनता सड़कों पर उतरकर एक्शन की मांग कर रही है। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में भारी संख्या में लोग सड़कों पर हैं। स्वात की चारबाग तहसील और शांगला के अलपुरी के स्थानीय लोगों ने शुक्रवार को घाटी में आतंकवाद के खिलाफ अपने विरोध प्रदर्शनों की श्रृंखला जारी रखी। उन्होंने सड़कों पर उतरकर अधिकारियों को क्षेत्र में शांति को बर्बाद करने वाले तत्वों पर रोक लगाने की मांग की।

पाकिस्तान में आतंकवाद के खिलाफ क्यों भड़की जनता?

सोमवार को किसी अज्ञात हमलावर ने स्कूली बच्चों को ले जा रही वैन पर स्वात जिले के गलीबाग इलाके में गोलियां बरसा दी थीं, जिसमें वाहन चालक की मौत हो गई और दो छात्र घायल हुए थे। इस हमले से आक्रोशित लोग सड़कों पर उतर गए और पीड़ितों को न्याय दिलाने के साथ इलाके में नहीं थम रहे आतंकी हमलों के सिलसिले का अंत करने की मांग कर रहे हैं।

पाकिस्तान ने जो बोया है वही काट रहा है। दाऊद इब्राहिम, मसूद अजहर, हाफिज सईद सहित भारत के कई सर्वाधिक वांछित आतंकवादी पाकिस्तान में सुरक्षित ठिकाने में हैं। इन घोषित अपराधियों के खिलाफ भारत के %रेड नोटिस% के बावजूद पाकिस्तान ने कोई कार्रवाई नहीं की है। ऐसे में पाकिस्तान में आतंकवाद हर दिन अपनी चरम सीमा की अग्रसर है।

आतंक के खिलाफ खुद हथियार उठाने को तैयार पाकिस्तानी जनता

पाकिस्तानी अखबार द डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन का आयोजन एक स्थानीय संगठन स्वात कौमी जिरगा द्वारा किया गया था, जबकि चारबाग तहसील के विभिन्न हिस्सों के बुजुर्गों, युवाओं और बच्चों ने घाटी में शांति बहाली की मांग करने वाले नारों के साथ तख्तियां लेकर प्रदर्शन में भाग लिया। पिछले हफ्ते स्वात की ख्वाजाखेला तहसील के मट्टा चौक पर अपने विरोध प्रदर्शन के दौरान, प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी थी कि अगर अधिकारी अपनी उचित भूमिका निभाने में विफल रहे तो वे आतंकवादियों से निपटने के लिए खुद हथियार उठा सकते हैं।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा का स्वात जिला उपद्रव ग्रस्त है। अगस्त के महीने में यहां आतंकी गतिविधियों के फिर से सामने आने के बाद से स्थानीय लोगों का शुक्रवार को आठवां विरोध प्रदर्शन था।

सबसे हालिया विरोध मंगलवार को हुआ, जब चारबाग में एक स्कूल वैन में गोलीबारी हुई, जिसमें चालक की मौत हो गई और दो बच्चे घायल हो गए थे। हमले में शामिल अपराधियों को गिरफ्तार करने की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांग नहीं पूरी हुई, तो वे इस्लामाबाद तक मार्च करेंगे। अधिकारियों ने तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान को इस हमले के लिए दोषी ठहराया है, लेकिन अब तक किसी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। समाचारपत्र के मुताबिक प्रदर्शनकारियों ने स्थानीय प्रशासन से बात की है, लेकिन इसका कोई निष्कर्ष नहीं निकल रहा है।

राजनीतिक एवं सार्वजनिक मामलों के प्रधानमंत्री के सलाहकार, अमीर मुकाम भी अन्य प्रदर्शनकारियों के साथ एकजुटता व्यक्त करने के लिए विरोध प्रदर्शन में आए। उनका कहना था कि घाटी से अंतिम आतंकवादी के खात्मे तक प्रदर्शन जारी रहेगा। अपनी टिप्पणी में, मुकाम ने कहा : पीएमएल-एन स्वात में शांति से कभी समझौता नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि हम हर तरह के आतंकवाद के खिलाफ हैं और हम स्वात के लोगों के साथ शांति के लिए खड़े हैं।

हॉलीवुड अभिनेता रॉबी कोल्ट्रेन का निधन

फलकिर्क। हैरी पॉटर फिल्मों में हैग्रिड का किरदार निभाने वाले मशहूर हॉलीवुड अभिनेता रॉबी कोल्ट्रेन का शुक्रवार को निधन हो गया। वह 72 वर्ष के थे। उनके परिवार में बहन एनी राय, बच्चे स्पेंसर, ऐलिस और मां रोना जेमेल हैं। रॉबी की एजेंट बेलिंडा राइट ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रॉबी कोल्ट्रेन का निधन स्कॉटलैंड में फलकिर्क के एक छोटे शहर लारबर्ट के अस्पताल में हुआ। रॉबी काफी लम्बे समय से बीमार चल रहे थे। उनके निधन से प्रशंसक शोक में डूब गए है। रॉबी का जन्म 30 मार्च, 1950 को स्कॉटलैंड में हुआ था। रॉबी ने पढ़ाई के बाद स्टैंडअप कॉमेडियन के तौर पर अपने करियर की शुरुआत की।

भारतीय छात्रों की चीन वापसी की प्रक्रिया शुरू हुई : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय छात्रों की पढ़ाई पूरी करने के लिए चीन वापसी की प्रक्रिया शुरू हो गई है और छात्रों को उनके विश्वविद्यालयों से संपर्क बनाये रखने को कहा गया है। कोविड-19 से जुड़ी पाबंदियों के कारण दो साल से भी ज्यादा समय से हजारों भारतीय छात्र चीन वापसी में असमर्थ रहे हैं।

भारत लगातार चीन के साथ इस बात पर जोर देता रहा है कि इन सभी छात्रों की वापसी पूरी होनी चाहिए ताकि वे अपनी पढ़ाई पूरी कर सकें। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने संवाददाताओं को बताया कि भारतीय छात्रों की चीन वापसी को लेकर वीजा देने की प्रक्रिया शुरू हो गई है, ऐसा वे (चीनी पक्ष) कह रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को बताया गया है कि भारतीय छात्रों को सलाह दी गयी है कि वे अपने विश्वविद्यालयों से सम्पर्क करें और धीरे धीरे वापसी की प्रक्रिया शुरू होगी और यह प्रक्रिया चल रही है।

उन्होंने कहा, बीजिंग में स्थित हमारा दूतावास चीनी पक्ष पर लगातार दबाव बना रहा है ताकि वे भारतीय छात्रों की जल्दी चीन वापसी की प्रक्रिया पूरी कर सकें। बागची ने कहा, मैं छात्रों को सलाह दूंगा कि वे अपने विश्वविद्यालयों के संपर्क में रहें और चीन वापसी तथा वीजा पाने की प्रक्रिया के लिए तैयार रहें। अगस्त में चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने संवाददाताओं से कहा था, हम विदेशी छात्रों की चीन में वापसी के लिए व्यापक रूप से काम कर रहे हैं एवं भारतीय छात्रों की वापसी के लिए यह प्रक्रिया शुरू हो गई है।

भारतीय छात्रों को वीजा मिलने की संख्या के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि वीजा का विषय चीनी सरकार का मुद्दा है और उनसे ही पता चलेगा कि कितने लोगों को वीजा मिला।

बंगलादेश के कुछ राजनयिकों के बयान पर जतायी आपत्ति

ढाका। बंगलादेश की सरकार ने कुछ राजनयिकों की ओर से संसदीय चुनाव तथा लोकतंत्र को लेकर सार्वजनिक तौर पर टिप्पणी करने को लेकर नाराजगी जतायी है। विदेश मंत्री शहरियार आलम ने यहां राजनयिकों के साथ बैठक के दौरान उन्हें सरकार की भावनाओं से अवगत कराया। उन्होंने किसी राजनयिक या किसी देश का नाम लिए बिना कहा कि ढाका में रहने वाले किसी भी राजनियक को देश के लोकतांत्रिक मूल्य का उल्लंघन नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा, उन्हें (विदेशियों) यह याद रखना चाहिए कि वे देश (बंगलादेश) के आंतरिक मामलों में किस तरह से बयान दे सकते हैं। उन्हें सावधान रहना पड़ेगा। इस दौरान इस बात का संकेत दिया कि अगर वे (विदेशी राजनयिक) सीमा लांघते हैं, तो उन्हें विभिन्न विभिन्न दफ्तरों में प्रवेश की अनुमति से वंचित किया जा सकता है। उन्होंने कहा, हम मेजबान है और सभी देशों के उच्चायुक्तों के लिए अपने देश के विभागों के दरवाजों को बंद कर सकते हैं। उन्हें सीमा नहीं लांघनी चाहिए। यदि आप अपनी सीमा का उल्लंघन करते हैं, हमें इसके बारे में कुछ सोचना पड़ेगा।

कंबोडिया में नाव पलटने से 10 छात्रों की मौत, एक लापता

नोम पेन्ह। कंबोडिया के दक्षिणी कंदल प्रांत में मेकांग नदी पर एक मोटर चालित नाव दुर्घटना में 10 छात्रों की मौत की पुष्टि हो गई है और एक लापता है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने शुक्रवार को संवाददाताओं को यह जानकारी दी। यह हादसा गुरुवार शाम करीब साढ़े सात बजे हुआ। कंडल प्रांतीय पुलिस प्रमुख छोउन सोचे ने कहा कि नाव पर चालक दल के दो सदस्यों और 13 छात्रों सहित कुल 15 लोग सवार थे। नाव ल्यूक डेक जिले में तट से लगभग 50 मीटर दूर अचानक डूब गई जिसके कारण यह हादसा हुआ। उन्होंने बताया कि आज दोपहर तक 10 शव बरामद कर लिए गए थे जबकि दो छात्रों और चालक दल के दो सदस्यों समेत चार लोगों को बचा लिया गया था। लापता व्यक्ति के लिए बचाव के प्रयास अभी भी जारी हैं। श्री सोचे ने कहा कि दुर्घटना तब हुई जब नाव उन छात्रों को एक अंग्रेजी कक्षा से एक द्वीप गांव में उनके घरों तक ले जा रही थी। दुर्घटना के लिए उच्च गति, ओवरलोडिंग और ड्राइविंग के दौरान लापरवाही को दोषी ठहराया जा रहा है। कंडल प्रांतीय पुलिस की रिपोर्ट के मुताबिक नाव पर अधिकांश सवार 12 से 14 साल की उम्र के छात्र थे। कंबोडियाई प्रधानमंत्री समदेच टेको हुन सेन ने अपनी संवेदना व्यक्त की और नदियों के किनारे रहने वाले लोगों से विशेष रूप से बाढ़ के मौसम में अतिरिक्त सतर्क रहने की अपील की है।

जापानी मुद्रा येन 32 साल के निचले स्तर पर

टोक्यो। जापान का आधिकारिक मुद्रा येन अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 32 साल के निचले स्तर पर पहुंच गया है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी डॉलर के मुकाबले येन गिरकर 147.66 पर आ गया है। जापानी वित्त मंत्री शुनिची सुजुकी ने कहा कि सरकार मुद्रा की अस्थिरता के खिलाफ 'उचित कार्रवाई' करेगी। बीबीसी ने बताया कि पिछले महीने एक महत्वपूर्ण कदम में, जापान ने देश की संघर्षरत मुद्रा को बढ़ावा देने के लिए लगभग 20 अरब डॉलर खर्च किए। सुजुकी ने वाशिंगटन में जी7 वित्त बैठक में भाग लेने के बाद संवाददाताओं से कहा, हम सट्टा चालों से प्रेरित मुद्रा बाजार में अत्यधिक अस्थिरता को बर्दाश्त नहीं कर सकते हैं। हम मुद्रा की चाल को एक मजबूत भावना के साथ देख रहे हैं। पिछले महीने, जापान ने कमजोर येन का समर्थन करने में मदद करने के लिए वैश्विक मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप किया। डॉलर के मुकाबले येन के 24 साल के निचले स्तर पर पहुंचने के बाद यह कदम आया, यह पहली बार है कि जापानी अधिकारियों ने 1998 के बाद से मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप किया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि हाल के महीनों में जापानी मुद्रा पर दबाव बढ़ गया है जिसका मुख्य कारण अमेरिकी फेडरल रिजर्व की तुलना में बैंक ऑफ जापान द्वारा अपनाया गया बहुत अलग दृष्टिकोण है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

टमाटर की उन्नत कृषि कार्यमाला

टमाटर अत्यंत ही लोकप्रिय तथा पोषक तत्वों से युक्त फलदार सब्जी है। जिसका उपयोग साल भर किया जाता है। सब्जी के अलावा उससे सूप, चटनी, सलाद, आदि के रूप में भी उपयोग किया जाता है। विटामिन व अन्य खाद्य पदार्थ उपयुक्त मात्रा में पाये जाते हैं।

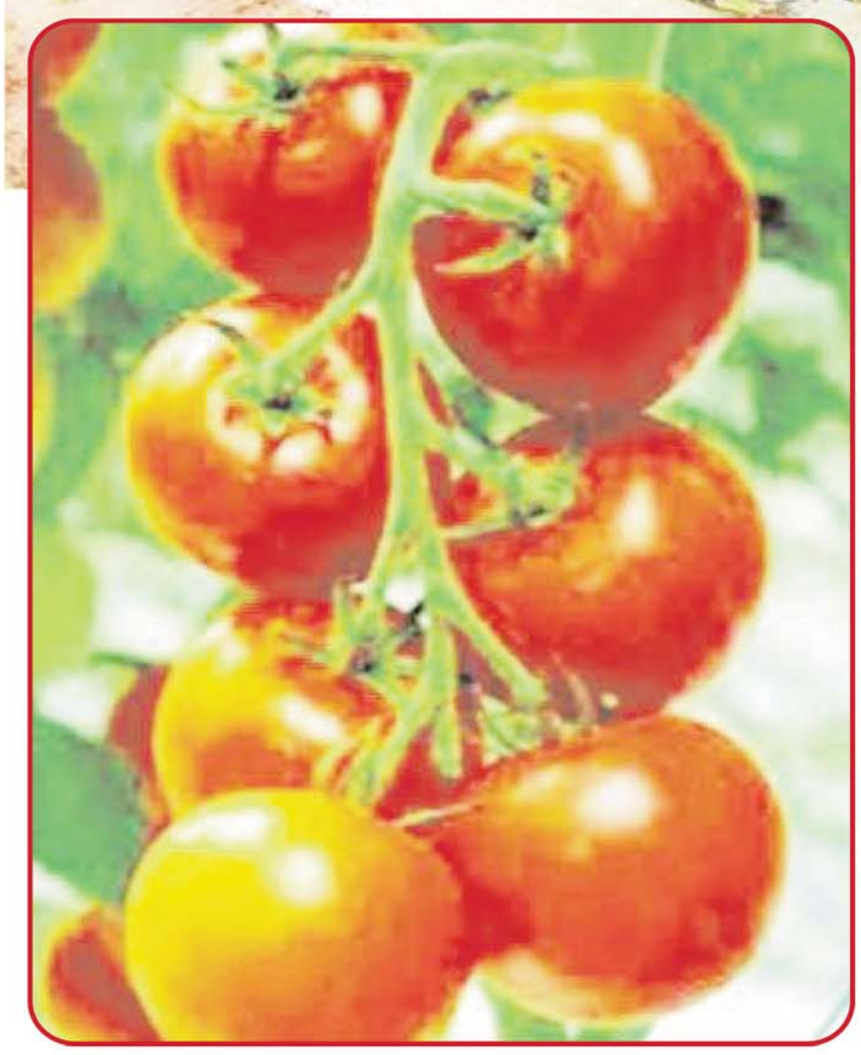

⊙**भूमि**- टमाटर की खेती कई किस्मों की मिट्टी में की जाती है लेकिन अच्छी जल निकासी चिकनी मृदा तथा दोमट मिट्टी सर्वोत्तम है।

⊙**खेत की तैयारी** :- प्रथम जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करने के बाद 2-3 बार कल्टीवेटर या हैरो चलाना चाहिए ताकि भूमि की निचली कठोर परत टूट जाए। प्रत्येक जुताई के बाद पाटा चलाना चाहिए ताकि मिट्टी भुरभुरी हो जाए।

⊙**उन्नतशील किस्में** :- पूसा रूबी, पन्त टी-1 पंजाब छुआरा, अर्का विकास, पूसा अर्ली ड्वार्फ आदि।

⊙**बीज दर**:- देशी - 400-500 ग्राम/ हेक्टेयर

⊙संकर - 100 ग्राम / हेक्टेयर

⊙**पौध तैयार करना (नर्सरी)**:- वर्षा ऋतु में 10 सें.मी. ऊंची क्यारी तैयार कर उसमें बीज बोना चाहिए। बीज कतारों में बोना चाहिए।

⊙**बीजोपचार** :- बीज को बोने से पूर्व थायरम या बाविस्टिन से 2 ग्राम/ किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करना चाहिए।

⊙**बुआई का समय** :- खरीफ- जून-जुलाई, शीत -अक्टूबर- नवम्बर

⊙**रोपण** :- क्यारियों में जब पौधे 4 से 5 सप्ताह के हो जाएं या 7 से 10 सें.मी. के हो जाएं तब खेत में रोपित करना चाहिए। पौध रोपण के पश्चात् तुरन्त हल्की सिंचाई करनी चाहिए। एक स्थान पर एक ही पौधा लगाएं।

⊙**पौध अन्तरण**:- कतार से कतार की दूरी 75 सें.मी. एवं पौध से पौध की दूरी 60 सें.मी. रखना चाहिए।

⊙**उर्वरक की मात्रा** :- गोबर खाद 200 क्विंटल प्रति हेक्टेयर भूमि की तैयारी के समय मिलाना चाहिए। यूरिया 217 किलो प्रति हेक्टेयर, तीन भागों में देना चाहिए। पहला भाग, पौध रोपण के समय तथा दूसरा भाग एवं तीसरा भाग 30 दिन के अन्तर से देना चाहिए। एस.एस.पी. 500 किलो/ हेक्टेयर व पोटाश 100 किलो प्रति हेक्टेयर पौध रोपण के समय देना चाहिए।

⊙**सिंचाई** :- टमाटर में अधिक तथा कम सिंचाई दोनों ही हानिकारक हैं। शरद ऋतु में 10 से 12 दिन के अन्तर तथा गर्मी में 4-5 दिन के अन्तर में भूमि के अनुसार सिंचाई की जा सकती है।

⊙**निंदाई गुड़ाई** :- टमाटर की फसल को खरपतवारों से मुक्त रखने के लिए निरंतर निंदाई-गुड़ाई करते रहना आवश्यक है। गुड़ाई उथली करनी चाहिए जिससे जड़ों को नुकसान न पहुंचे। 30-40 दिन बाद पौधों पर मिट्टी चढ़ा देना चाहिए।

⊙**वृद्धि नियामकों का प्रयोग** :- वृद्धि नियामकों का प्रयोग फूलों को झड़ने से रोकने तथा बिना निषेचन के फलों को विकास के लिए उपयोगी सिद्ध हुआ है। पी. सी.पी.ए. 50-100 पी. पी. एम. (50-100 मि.ग्रा./ लीटर पानी में घोलना है) के घोल का छिड़काव लाभकारी होता है।

⊙**सहारा देना** :- ऊंचाई व मध्यम ऊंचाई वाली किस्मों को पेड़ की टहनियां (बांस) की सहायता से सहारा देना चाहिए, ऐसा करने से पौधे की वृद्धि अच्छी होती है, वर्षा ऋतु में फल तथा पेड़ सड़ते नहीं हैं। फलों का आकार बढ़ जाता है तथा पैदावार भी अधिक होती है।

⊙**फलों की तुड़ाई** :- टमाटर के फसल की तुड़ाई कई अवस्थाओं में की जाती है-

⊙ **कच्चे या हरे फल** :- टमाटर को अधपके हरे से गुलाबी पड़ने पर तब तोड़ा जाता है जब इसे दूर स्थित बाजारों में विपणन हेतु भेजना होता है।

⊙ **गुलाबी या हल्के लाल फल**:- टमाटर को गुलाबी या हल्के लाल होने की अवस्था में तब तोड़ा जाता है जब इसे स्थानीय बाजारों में भेजना होता है।

⊙ **पके हुए टमाटर** :- फलों का अधिकतम भाग लाल होता है व नरम होता है ऐसे फल घरेलू उपयोग या कच्चे सलाद खाने के काम आते हैं।

⊙**अधिक पके टमाटर** :- बीज उत्पादन के लिए लाल फल आदर्श माने जाते हैं। फल परीरक्षण के लिए भी अधिक पके टमाटर अच्छे माने जाते हैं।

गोभीवर्गीय में पोषक तत्वों की आवश्यकता

⊙**भूरापन या ब्राउनिंग** - यह समस्या गोभीवर्गीय फसलों में बोरान की कमी से होता है।

⊙**लक्षण** - भूरापन में शुरूआत में फूल में जल अवशोषित धब्बे पड़ जाते हैं, जो कि बाद में बड़े हो जाते हैं। इसके बाद तने में भी जल अवशोषित धब्बे पड़ते हैं तथा तना अंदर से खोखला हो जाता है। यदि भूरापन का प्रकोप ज्यादा होता है तो पूरा फूल में कुछ दिन बाद गुलाबी या भूरे रंग के धब्बे पड़ जाते हैं।

⊙**उपचार** - बोरान की कमी को दूर करने के लिये 10-15 किलो बोरेक्स प्रति हेक्टर भूमि में पौध रोपण के समय देना चाहिए अथवा जब फसल खड़ी हो 0.1 प्रतिशत बोरेक्स घोल का छिड़काव करना चाहिए प्रथम छिड़काव पौध रोपण के दो सप्ताह पश्चात और दूसरा छिड़काव फूल बनने से दो सप्ताह पहले करना चाहिए।

⊙**व्हिपटेल** - यह लक्षण गोभीवर्गीय फसलों में मालीब्डिनम नामक तत्व की कमी के कारण होता है।

⊙**लक्षण** - मुख्यत: मालीब्डिनम की कमी अम्लीय भूमि में हो जाती है अर्थात् मालीब्डिनम अनुपलब्ध रूप से हो जाता है, जिससे पौधे इस तत्व का अवशोषण नहीं कर पाते और व्हिपटेल के लक्षण दिखाई देते है, इसमें शुरूआत में पौधे की वृद्धि रुक जाती है और पत्तियाँ सिकुड़ कर सफेद पड़ने लगती हैं तथा कुछ दिन बाद पत्तियां अपना आकार खो देती हैं और मिडरिब के अलावा शेष भाग सूख जाता है, जिसके कारण इसे सामान्यत: व्हिपटेल कहा जाता है।

⊙**उपचार** - मालीब्डिनम की कमी को दूर करने के लिए अम्लीयता कम करने के उद्देश्य से 50-70 क्विंटल बुझा चूना प्रति हेक्टर खेत की तैयारी के समय भूमि में मिला देना चाहिए। इसके साथ ही पौध रोपण के पहले 2.5 से 5 किलो सोडियम मालीब्डेट प्रति हेक्टर भूमि में मिला देना चाहिए अथवा खड़ी फसल में 0.05ज सोडियम मालीब्डेट घोल का पौधों पर छिड़काव करना चाहिए।

⊙**बटनिंग** - बटनिंग की समस्या गोभी वर्गीय फसलों के कई कारणों से होती है जैसे अधिक उम्र के रोप के कारण, नाइट्रोजन की कमी के कारण या समय के अनुसार उचित किस्मों को ना लगाने से ऐसा होता है।

⊙**लक्षण** - फूलों का विकसित ना होकर छोटा रह जाना बटनिंग कहलाता है। इसमें फूलों का आकार छोटा हो जाता है तथा कम विकसित पत्तियाँ होती हैं।

⊙**उपचार** - बटनिंग को रोकने के लिये अगेती या पिछेती किस्में अनुशंसित समय पर ही लगाएं, पौधे की वृद्धि चाहे वह नर्सरी में हो या खेत में नहीं रूकनी चाहिए। अधिक सिंचाई न करें। जो पौधा नर्सरी में अधिक दिन के हो उन्हें खेत में न लगाएं और नाइट्रोजन की उचित मात्रा पौधों को समय-समय पर दें।

⊙**रेसीयनेस** - रेसीयनेस के लक्षण मुख्यत: वातावरण में अनुकूल तापमान की कमी, अधिक नाइट्रोजन देने के कारण तथा अधिक आर्द्रता के कारण होती हैं।

⊙**लक्षण** - समय से पूर्व अविकसित कली को रेसीयनेस कहते हैं। इसमें फूल की ऊपरी सतह ढीली पड़ जाती है तथा सफेद छोटी कलिका बन जाती है।

⊙**उपचार** - रेसीयनेस से उपचार के लिये उचित किस्म का चयन करें, समय पर पौधों की रोपाई करें, नाइट्रोजन की उचित मात्रा का प्रयोग करें तथा प्रतिरोधी किस्मों का चयन करें।

⊙**अन्धता** - अन्धता गोभीवर्गीय फसलों से पौधे की वृद्धि के शुरूआत मुख्य कलिका में कीट के प्रकोप के कारण तथा वातावरण में तापमान में कमी होने वाला पाला पड़ने के कारण होता है।

⊙**लक्षण** - अन्धता में पौधे की मुख्य कलिका कीट के कारण क्षतिग्रस्त हो जाती है तथा इसके पत्ते बड़े, चमड़े जैसे मोटे और गहरे रंग के हो जाते हैं।

⊙**उपचार** - अन्धता की रोकथाम के लिए मुख्य कलिका को कीटों से क्षतिग्रस्त होने से बचाने के लिये कीटनाशक का प्रयोग करना चाहिए, उचित किस्म का चयन करना चाहिए।

CMYK CMYK CMYK CMYK